वर्ष 68 अंक 213 पृष्ठ 12
भोपाल, शुक्रवार 02 मई, 2025
वैशाख शुक्ल पक्ष 05, विक्रम संवत् 2082
महानगर मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

जाति कोई दीवार नहीं है, जो हिंदुओं को एक-दूसरे से मिलने-जुलने से रोकती है, इसलिए गिरा देना चाहिए। जाति एक धारणा है; यह मन की एक अवस्था है।
– बी. आर. अंबेडकर

ऑफ बीट

खतरनाक स्नाइपर जिससे कांपती थी हिटलर की सेना

इतिहास में कई ऐसी महिला हुईं, जिन्हें उनकी वीरता के लिए जाना जाता है। ऐसी ही एक महिला थी ल्यूडमिला पवलिचेंको, जिनका नाम शायद आपने नहीं सुना होगा। इस महिला का नाम इतिहास में दर्ज है। यह महिला इतिहास की सबसे खतरनाक महिला शूटर (स्नाइपर) मानी जाती है। ऐसी शूटर जिसने जर्मन तानाशाह हिटलर की नाजी सेना की नाक में दम कर दिया था। इस महिला को सोवियत संघ के हीरो के तौर पर भी जाना जाता है। ल्यूडमिला द्वितीय विश्व युद्ध के समय सोवियत संघ की रेड आर्मी में थीं, वो भी तब जब महिलाओं को आर्मी में नहीं रखा जाता था। महज 25 साल की उम्र में ल्यूडमिला ने अपनी स्नाइपर राइफल से कुल 309 लोगों को मार गिराया था।

आईपीएल में आज

गुजरात बनाम हैदराबाद
समय : शाम 7.30 बजे से
प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर
परिणाम: मुंबई ने राजस्थान को 100 रन से हराया।

जाति जनगणना कराने की घोषणा के बाद सरकार और विपक्ष में श्रेय लेने की होड़

हेडलाइन दे दी, लेकिन कब मिलेगी डेडलाइन, बढ़ाएं आरक्षण की सीमा

नई दिल्ली, जेएनएन। केंद्र सरकार की ओर से जातिगत जनगणना की घोषणा के बाद अब इसका श्रेय लूटने की होड़ शुरू हो गई है। कांग्रेस ने गुरुवार को सरकार पर हमला करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुर्खियां बनाने में माहिर हैं। हेडलाइन तो दे दी है, लेकिन डेडलाइन कहां है। कांग्रेस ने मांग की कि जातिगत जनगणना जल्दी से जल्दी होनी चाहिए। यह मांग कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दिल्ली में पार्टी कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए की। उधर, भाजपा की ओर से केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जाति आरक्षण के कट्टर विरोधी थे।

वहीं पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बेंगलुरू में कहा कि वह जनगणना के लिए पर्याप्त धनराशि आवंटित करे और समय सीमा भी तय करे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने जाति जनगणना की मांग की थी और इसके लिए पूरे देश में आंदोलन किया था और अब वे खुश हैं कि उन्होंने जो चाहा था, वह हासिल कर लिया है। खड़गे ने कहा– मैंने दो साल पहले जनगणना के साथ जाति जनगणना कराने के लिए एक पत्र लिखा था, तब प्रधानमंत्री सहमत नहीं हुए लेकिन अब सरकार ने जनगणना के साथ जातिगत गणना कराने का निर्णय लिया है। यह अच्छी बात है और हम पूरा सहयोग करेंगे लेकिन भाजपा को नेहरू पर अनावश्यक टिप्पणी नहीं करनी चाहिए कि वह इसके विरोध में थे। बल्कि समय बताना चाहिए कि यह कब से शुरू होगी और कब जातियों के आंकड़े आएंगे। उन्होंने कहा कि जब तक आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत है, तब तक जातिगत जनगणना से सामाजिक न्याय का लक्ष्य हासिल नहीं होगा।

कांग्रेस का आरएसएस पर हमला, भाजपा ने नेहरू को बनाया निशाना

आरएसएस आरक्षण के खिलाफ

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जन्म से ही आरक्षण के खिलाफ हैं और ऐसे लोग कांग्रेस पर जाति जनगणना के पक्ष में नहीं होने का आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने मोहन भागवत का एक पुराना बयान याद दिलाते हुए कहा–संघ प्रमुख ने एक बार कहा था कि आरक्षण नीति की समीक्षा होनी चाहिए। पता लगाया जाना चाहिए कि आरक्षण किसको, कब तक जरूरत है। ऐसे लोग कांग्रेस को आरक्षण विरोधी ठहरा रहे हैं।

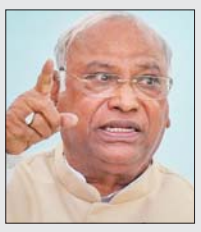

वे (भाजपा) लोगों के मन में भ्रम पैदा करने की कोशिश करते हैं और यह दिखाने की कोशिश करते हैं कि केवल वे ही देश का कल्याण चाहते हैं। राजनीतिक उद्देश्यों के लिए वे हमेशा ऐसी चीजें करते हैं। उन्होंने कहा, मैं राजनीति में नहीं जाना चाहता। जो भी अच्छा है, मैं उसका स्वागत करता हूं और जो भी बुरा है, मैं उसका विरोध करता हूं, क्योंकि आखिरकार देश महत्वपूर्ण है, लोग महत्वपूर्ण हैं। हमें सामाजिक न्याय का लक्ष्य हासिल करना है।

पूरी कांग्रेस आरक्षण विरोधी: प्रधान

उधर, भाजपा ने भी जातिगत जनगणना का श्रेय लेने की कोशिश शुरू कर दी है। गुरुवार को केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने प्रेस कॉन्फ्रेस की। इसमें उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस आरक्षण का श्रेय लेने की कोशिश कर रही है। जब बात आ ही गई है तो खुलकर चर्चा होनी चाहिए। 1951 में किसकी सरकार थी। अगर महात्मा गांधी और बाबा साहेब न होते, संविधान सभा में बहस नहीं होती, सामाजिक संवेदना नहीं होती तो आरक्षण भी नहीं होता। यह जगजाहिर है कि पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जाति आरक्षण के कट्टर विरोधी थे। उनका विरोध केवल बयानों तक सीमित नहीं था। उन्होंने राज्यों के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कहा था कि आरक्षण से गुणवत्ता घट जाएगी। ऐसी ही इंदिरा गांधी थीं। काका कालेकर की रिपोर्ट को सामने नहीं लाने का फैसला उन्हीं का था। मंडल रिपोर्ट को 10 साल तक किसने कालकोठरी में बंद रखा?

कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक आज

जाति जनगणना के मुद्दे पर कांग्रेस अपनी रणनीति मजबूत करने के लिए सक्रिय हो गई है। शुक्रवार को कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक बुलाई गई है, इसमें इस मुद्दे पर पार्टी की स्थिति और भविष्य की दिशा तय की जाएगी। यह बैठक शाम 4 बजे नई दिल्ली में होगी। कांग्रेस इस कोशिश में है कि उसकी मांग पूरी हो गई है, तब उसे राजनीतिक लाभ भी मिलना चाहिए। राहुल गांधी ने जातिगत जनगणना की घोषणा को अपनी पार्टी की जीत के रूप में पेश किया है। अब इसका फायदा उठाने की तैयारी है।

50 प्रतिशत रिजर्वेशन का बैरियर तोड़ने के लिए संसद में बिल लाए सरकार : असदुद्दीन ओवैसी

एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने जातीय जनगणना शुरू होने से पहले ही केंद्र सरकार से एक और बड़ी मांग कर दी है। हालांकि, कांग्रेस भी इस तरह की मांग कर चुकी है। ओवैसी ने कहा, जातीय जनगणना होनी चाहिए ताकि यह पता लगाया जा सके कि किस जाति के लोग विकसित हैं या किस जाति के लोग विकसित नहीं हैं। सकारात्मक कार्रवाई और इस देश में न्याय करने के लिए यह बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा– सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी आरक्षण 27 प्रतिशत पर रोक दिया है। यह गलत है। पूरा आरक्षण 50 प्रतिशत की सीमा पर रुका पड़ा है। सरकार को चाहिए कि वह 50 प्रतिशत रिजर्वेशन का बैरियर तोड़ने के लिए संसद में बिल लाए। ओवैसी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को बधाई भी दी। उन्होंने कहा, मैं तेलंगाना में ऐतिहासिक जाति जनगणना को लागू करने के लिए उनकी सराहना करता हूं। उन्होंने कहा, यह स्वतंत्र भारत में अपनी तरह की ऐसी पहली पहल थी, जिससे पता चला था कि राज्य की 56.32 प्रतिशत जनसंख्या पिछड़ी जातियों की है। मोदी सरकार को तेलंगाना के मॉडल पर ही जातिगत जनगणना करानी चाहिए।

आतंकी हमले की जांच की मांग बेतुकी: सुप्रीम कोर्ट

फटकार: सुरक्षाबलों का मनोबल न गिराएं

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की न्यायिक जांच का आदेश देने से इंकार कर दिया है। इसके साथ ही जस्टिस सूर्यकांत और एनके सिंह की बेंच ने याचिकाकर्ता को फटकार भी लगाई। कोर्ट ने कहा कि यह संवेदनशील समय है। पूरा देश एकजुट होकर आतंकवाद के खिलाफ खड़ा है। क्या आप सिक्योरिटी फोर्स का मनोबल गिराना चाहते हैं। ऐसी याचिकाएं कोर्ट में मत लाइए। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, ऐसी जनहित याचिकाएं दायर करने से पहले जिम्मेदारी से काम लें। देश के प्रति भी आपका कुछ कर्तव्य है। आप रिटायर्ड जज से जांच करने के लिए कह रहे हैं। हम जांच (आतंकी हमले) के एक्सपर्ट कब से बन गए। हमारा काम केवल फैसला सुनाना है। हालांकि कोर्ट ने कहा स्टूडेंट की सुरक्षा से जुड़े मुद्दे पर आप हाईकोर्ट जा सकते हैं।

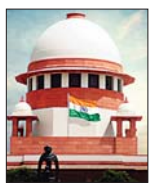

तीन लोगों की थी याचिका

यह जनहित याचिका कश्मीर के रहने वाले मोहम्मद जुनैद ने दायर की थी। याचिकाकर्ताओं में फतेश कुमार साहू और विकी कुमार भी शामिल थे। इस याचिका में मूल मांग यह की गई थी कि पहलगाम हमले की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट एक रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में न्यायिक आयोग का गठन करे। हालांकि, कोर्ट की फटकार के बाद याचिका को वास ले लिया गया।

दरअसल, याचिका में केंद्र सरकार, जम्मू-कश्मीर प्रशासन, सीआरपीएफ और एनआईए को निर्देश देने की अपील की गई थी कि वे पर्यटक क्षेत्रों में नागरिकों की सुरक्षा के लिए एक ठोस एक्शन प्लान तैयार करें। इसके तहत वास्तविक समय में निगरानी, खुफिया समन्वय और त्वरित प्रतिक्रिया टीमों की तैनाती जैसे उपाय सुझाए गए थे। याचिका में यह भी मांग की गई थी कि पहाड़ी और संवेदनशील इलाकों में पर्यटकों की सुरक्षा के लिए सशस्त्र बलों की तैनाती की जाए।

हर तरह के अवैध निर्माण को तोड़ना अनिवार्य: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, जेएनएन। अवैध और अनधिकृत निर्माण पर अपने रुख की पुष्टि करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कोलकाता में एक गैरकानूनी इमारत के नियमितीकरण की मांग करने वाली याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा– ऐसे मामलों में कोई उदारता नहीं दिखाई जानी चाहिए और संरचना को ध्वस्त कर दिया जाना चाहिए। अवैध संरचनाओं को बिना किसी अपवाद के विध्वंस का सामना करना चाहिए। इनके नियमितीकरण के सभी रास्ते बंद कर दिए जाने चाहिए। कानून को उन लोगों के बचाव में नहीं आना चाहिए जो इसकी कठोरता की धज्जियां उड़ाते हैं। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की खंडपीठ ने कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले की पुष्टि की।

यह है मामला

कोलकाता में एक इमारत बनाई गई। इस पांच मंजिला इमारत की दो मंजिलों को बिना परमीशन के बना लिया गया। नगर निगम ने जब इन दोनों अवैध मंजिलों को तोड़ने की कोशिश की तो मकान मालिक ने कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर कर दी। हालांकि हाईकोर्ट से उसे राहत नहीं मिली।

संक्षिप्त खबरें

डॉ. अरुणा को एनएचएम के साथ डीएमई का भी प्रभार

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। नेशनल हेल्थ मिशन मप्र में संचालक के पद पर पदस्थ डॉ. अरुणा कुमार को शासन ने संचालक चिकित्सा शिक्षा के पद का प्रभार भी सौंप दिया है। यह पद डॉ. एके श्रीवास्तव के रिटायर होने के बाद रिक्त था। डॉ. एके 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त हुए हैं। उनके रिटायरमेंट के बाद शासन ने एक मई को आदेश जारी करते हुए डॉ. अरुणा कुमार को संचालक चिकित्सा शिक्षा का कार्यभार भी सौंप दिया है। आपको बता दें कि डॉ. अरुणा कुमार गांधी मेडिकल कॉलेज में गायनिक विभाग की एचओडी और जीएमसी डीन रह चुकी हैं। कुछ समय पहले शासन ने उनकी पदस्थापना एनएचएम में बतौर संचालक की थी। अब वह डीएमई का कार्यभार भी संभालेंगी।

गुजरात-महाराष्ट्र ने विकास के नए आयाम गढ़े

विसं, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुजरात और महाराष्ट्र के स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सोमनाथ महादेव और द्वारिकाधीश के आशीर्वाद से पल्लवित गुजरात की पावन धरा विकास के नए आयाम गढ़ रही है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र भाई पटेल के नेतृत्व में सांस्कृतिक धरोहर, लोक कला व संस्कृति से समृद्ध गुजरात उत्तरोत्तर प्रगति करे, यही कामना है। इसी तरह उन्होंने महाराष्ट्र के स्थापना दिवस पर कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में महाराष्ट्र निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर रहे और नागरिकों के जीवन में समृद्धि और खुशहाली का संचार हो, यही कामना है।

बसंत पंचमी, अक्षय तृतीया पर ही होंगे सामूहिक विवाह

विसं, भोपाल। मुख्यमंत्री कन्या विवाह / निकाह योजना में किये गये संशोधन 15 मई 2025 से प्रभावी हो गया। नये संशोधन में मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना के लिये चार तिथियां बसंत पंचमी, अक्षय तृतीया एवं तुलसी विवाह एक अन्य तिथि विभाग के अनुसार निर्धारित की जा सकती है। योजना के अन्तर्गत अब सामूहिक विवाह इन्हीं तिथियों में आयोजित होंगे, जिन्हें योजना के तहत लाभ प्रदान किया जायेगा। प्रमुख सचिव सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण श्रीमती सोनाली वायंगणकर ने बताया कि योजना के प्रभावी क्रियान्वयन और मॉनिटरिंग की दृष्टि से योजना की तिथियों का निर्धारण किया गया है। साथ ही सामूहिक विवाह समारोह में जोड़ों की न्यूनतम संख्या 11 तथा अधिकतम 200 निर्धारित की गई है।

जातिजनगणना पर कांग्रेस का अभियान, जून में भोपाल आएंगे राहुल

10 से 20 मई के बीच विधानसभा क्षेत्र वार जातिगत जनगणना को लेकर निकाली जाएंगी रैलियां, डोर टू डोर संपर्क भी किया जाएगा

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस जातिगत जनगणना को लेकर राज्य में अभियान चलाएगी। इसे लेकर जून में भोपाल में बड़ी रैली का आयोजन होगा, जिसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी मौजूद रहेंगे। इसके लिए सभी जिला कांग्रेस अध्यक्षों को निर्देशित किया गया है। केन्द्र सरकार द्वारा जातिगत जनगणना कराने का फैसला लेते ही इसे लेकर राजनीति शुरू हो गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने गुरुवार को एलान कर दिया है कि उनकी पार्टी इसे अभियान का रूप देगी। इसके लिए 10 से 20 मई के बीच विधानसभा क्षेत्र वार जातिगत जनगणना की रैलियां निकाली जाएंगी। इसके बाद डोर टू डोर संपर्क किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस पहले से ही संविधान बचाओं अभियान के तहत प्रदेशभर में अभियान चला रही है जिसमें विधानसभा क्षेत्र वार रैली और घर-घर जनसंपर्क अभियान चलाए जाने के कार्यक्रम तय है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि जातिगत जनगणना और संविधान बचाओ को लेकर जून माह में भोपाल में बड़ी रैली का आयोजन किया जाएगा,जिसे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित दूसरे बड़े नेता संबोधित करेगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश कांग्रेस प्रदेश व्यापी जनजागरुकता अभियान चलाएगी।

राहुल गांधी की अडिग लड़ाई के आगे भाजपा को झुकना पड़ा : पटवारी

पटवारी ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि जातिगत जनगणना को लेकर नीतिगत सुधारों तक भाजपा को झुकना पड़ा। राहुल गांधी की अडिग लड़ाई और सामाजिक न्याय की यह ऐतिहासिक जीत है। उन्होंने कहा राहुल गांधी हर उस मुद्दे पर डटकर लड़ते हैं, जो समाज के कमजोर वर्गों को प्रभावित करता है। प्रदेश कांग्रेस भाजपा की नजविरोधी नीतियों को और बेनकाब करेगी। भाजपा को यह समझ लेना चाहिए कि राहुल गांधी की आवाज को दबाया नहीं जा सकता है। जिस दिन राहुल गांधी जैसे नेता प्रधानमंत्री बनेंगे.वह दिन देश और मध्यप्रदेश के लिए समृद्धि, समानता और खुशहाली का स्वर्णिम युग लाएगा।

विरोध के बाद कई मुद्दों पर केंद्र को आना पड़ा बैकफुट पर

पटवारी ने कहा कि कृषि कानूनों की वापसी को बात हो या फिर अग्निवीर योजना में सुधार के साथ ब्रॉडकास्टिंग सर्विसेज बिल की वापसी और लेटरल एंट्री भर्ती रद्द करने का मामला। इन सभी पर राहुल गांधी ने तर्कों सहित विरोध चलाया, जिस पर उन्हें व्यापक समर्थन मिला और फिर भाजपा शासित केन्द्र सरकार को अपने इन सभी निर्णयों को या तो वापस लेना पड़ा या फिर उनमें सुधार करना पड़ा। रेलवे में कुलियों की मांगें, जीएसटी दरों में कमी, नोटबंदी और कोविड-19 की भविष्यवाणी जैसे मुद्दों पर भी देश ने राहुल गांधी के विरोध को देखा है।

इसी माह आ सकती प्रशासनिक फेरबदल की सूची, सीएस और दूसरे अधिकारियों से सीएम कर चुके हैं मंत्रणा

जून से पहले सीएम करेंगे मैदानी जमावट इस साल कई आईएएस होंगे सेवानिवृत्त

विशेष संवाददाता, भोपाल। प्रदेश में मानसून आने से पहले मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नए सिरे से प्रशासनिक जमावट कर सकते हैं। इसके लिए शीर्ष स्तर पर तैयारी की जा रही हैं। सूत्रों की मानें तो वर्ष 2025 में सेवानिवृत्त हो रहे भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को ध्यान में रखकर फेरबदल किया जाएगा। गौरतलब है कि कैबिनेट में नई तबादला नीति पर मंजूरी मिलने के बाद 1 मई से स्थानांतरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। हालांकि अब तक नई तबादला नीति जारी नहीं हुई है, लेकिन विभाग तय मापदंड के अनुरूप तबादले पर प्रक्रिया प्रारंभ कर रहे हैं। इस बीच सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अगला मानसून आने से पहले सूबे की मैदानी प्रशासनिक जमावट नए सिरे से करने की तैयारी में हैं। उनके द्वारा इस संबंध में शीर्ष अधिकारियों को निर्देशित भी कर दिया गया और उनकी मुख्य सचिव अनुराग जैन से भी इस मामले पर चर्चा हो चुकी है। बताया गया कि सीएम वर्ष 2025 में सेवानिवृत्त होने वाले 13 आईएएस अधिकारियों को ध्यान में रखकर नई जमावट करेंगे। इन 13 अधिकारियों में कुछ मैदान में तो कुछ मंत्रालय में अहम पदों का दायित्व निभा रहे है।

एसीएस, पीएस व विभागाध्यक्ष भी बदलेंगे

सूत्रों की मानें तो सीएम अपने कुछ प्रमुख विभागों पर बदलाव कर सकते है। जिससे अपर मुख्य सचिव,प्रमुख सचिव और विभागाध्यक्षों के बदलने जाने की पूरी संभावनाएं है। कुछ अधिकारियों की मंत्रालय में वापसी होगी, तो कुछ को मंत्रालय से मैदानी पोस्टिंग पर जाना पड़ सकता है। तकरीबन एक दर्जन जिलों के कलेक्टर भी इस प्रशासनिक सर्जरी की सूची में प्रभावित हो सकते हैं।

दतिया कलेक्टर इस माह होंगे सेवानिवृत्त

उल्लेखनीय है कि जबलपुर संभागायुक्त अभय वर्मा 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त हो रहे है। जबकि दतिया कलेक्टर संदीप कुमार मॉकिन 30 जून को सेवानिवृत्त होंगे। इनके अलावा जून माह में सागर के रेवन्यू कमिश्नर वीरेन्द्र सिंह रावत रिटायर्ड हो रहे है। इसी माह यानि कि मई में अपर मुख्य सचिव विनोद कुमार भी सेवानिवृत्त हो रहे है।

सीएस पद पर भी नजर

मुख्य सचिव अनुराग जैन भी अगस्त माह में सेवानिवृत्त हो रहे हैं। यदि उन्हें एक्सटेंशन नहीं दिया गया तो मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव एसीएस डॉ. राजेश राजौरा सबसे वरिष्ठ आईएसएस अधिकारी हो जाएंगे, जो अगले मुख्य सचिव के पद के लिए पात्र होंगे। याद हो डॉ. राजौरा पिछली बार भी सीएस के पद की रेस में थे, लेकिन बाद में अनुराग जैन को दिल्ली से प्रदेश वापस लाकर उन्हें सीएस बना दिया था।

प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ अधिकारियों की वापसी व पदस्थापना पर भी नजर

जानकारों का मानें तो सीएम ने प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ अधिकारियों की वापसी और उनकी पदस्थापना पर भी ध्यान रखने को कहा गया है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में अपर मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव स्तर के करीब एक दर्जन अधिकारी प्रतिनियुक्ति पर है। इनमें नीलम शमी राव, वीएल कांताराव, आशीष श्रीवास्तव, पंकज अग्रवाल, अलका उपाध्याय, मनोज गोविल, पल्लवी जैन गोविल, अनिरुद्ध मुखर्जी, दीप्ति गौड़ मुखर्जी, विवेक अग्रवाल, हरिरंजन राव प्रमुख है। बताया गया है कि ये अधिकारी काफी समय से दिल्ली या दूसरे स्थानों पर प्रतिनियुक्ति पर है। इनमें से कुछ अधिकारी केन्द्र सरकार के महत्वपूर्ण पद पर है। ऐसे में यदि ये अधिकारी प्रतिनियुक्ति से इसी साल वापस नहीं लौटते है,तो यहां पदस्थ प्रमुख सचिव स्तर के अधिकारी अपर मुख्य सचिव के पद खाली होने की स्थिति में संजय कुमार शुक्ला, मनीष रस्तोगी,रश्मि अरुण शमी, दीपाली रस्तोगी, शिवशेखर शुक्ला और सचिन सिन्हा एसीएस पद पर पदोन्नत हो जाएंगे।

ये अधिकारी इस साल होंगे रिटायर

- एसीएस विनाद कुमार-मई
- कलेक्टर दतिया संदीप माकिन-मई
- अपर कमिश्नर चंबल अशोक कुमार चौहान-जून
- सागर संभागायुक्त वीरेंद्र सिंह रावत-जून
- संजय गुप्ता-जुलाई
- भावना वालिम्बे-सितंबर
- अपर सचिव शैलबाला मार्टिन-अप्रैल
- सचिव के डी त्रिपाठी-जुलाई
- अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजेश कौल-जुलाई
- सीएस अनुराग जैन-अगस्त
- एसीएस जेएन कंसोटिया-अगस्त
- उपसचिव नियाज खान-अक्टूबर

रत्नागिरी तिराहे से रायसेन के मोरीकोड़ी तक होगी फोरलेन

आनंद नगर और कोकता पर बनेंगे फ्लाईओवर

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। रत्नागिरी तिराहा से रायसेन के मोरीकोड़ी के बीच करीब 42 किमी लंबी फोरलेन सड़क का निर्माण जल्द शुरू होगा। वर्तमान में सड़क टूलेन है। केंद्र की भारत माला परियोजना के तहत इसे फोरलेन किया जा रहा है। रत्नागिरी तिराहा से करीब 1.9 किमी फ्लाईओवर सिद्धार्थ लेक सिटी के पास उतरेगा। दूसरा फ्लाईओवर भी कोकता (बजरंग) चौराहा के ऊपर से गुजरेगा और 100 मीटर लंबा होगा। उक्त फ्लाईओवर के नीचे से 11 मील बायपास गुजरेगा। नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) उक्त परियोजना पर करीब 803 करोड़ खर्च करेगी। उक्त परियोजना के लिए टेंडर दिल्ली की एक कंपनी को मिला है। कंपनी जल्द ही अपना कार्य शुरू करेगी। उक्त परियोजना भोपाल और उत्तर प्रदेश के औद्योगिक शहर कानपुर को फोरलेन इकोनॉमिक कॉरिडोर से जोड़ेगी। उक्त कॉरिडोर करीब 526 किलोमीटर लंबा है। इसमें सूबे में इसकी लंबाई 360 किलोमीटर तय की गई है। रत्नागिरी तिराहा से शुरू होकर ये परियोजना रायसेन के मोरीकोड़ी के पास से गुजरने वाले इकोनॉमिक कॉरिडोर से जुड़ेगी। अभी ये पूरी सड़क टूलेन है। इसके बनने के बाद उक्त सड़क की चौड़ाई 9-9 मीटर हो जाएगी। यह सड़क चौड़ी होने के बाद वाहन चालकों को आसानी होगी।

40 फीसदी शासन और 60 फीसदी कंपनी देगी

एनएचएआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर देवांश नुवाल का कहना है कि उक्त परियोजना को हैम तकनीक से बनाया जा रहा है। इसमें निर्माण कार्य के दौरान सरकार 40 फीसदी खर्च देगी और शेष 60 फीसदी खर्च कंस्ट्रक्शन कंपनी को उठाना होगा। दोनों के बीच 15 साल का करार होगा। 60 फीसदी राशि, अगले 15 साल में सरकार किस्तों के तौर पर निर्माण एजेंसी को देती रहेगी। बैंकिंग प्रक्रिया पूरी के लिए ही निर्माण एजेंसी को 4 महीने का वक्त दिया गया है।

> निर्माण कार्य 3 साल में पूरा करने का लक्ष्य है। इसके बनने से भोपाल, विदिशा, सागर और कानपुर जाने की राह आसान हो जाएगी। भोपाल में रत्नागिरी तिराहा से कोकता चौराहा के बीच लगने वाले ट्रैफिक जाम से भी निजात मिलेगी।
>
> ■ **एसके सिंह,** रीजनल ऑफिसर, एनएचएआई

भोपाल में 11 किमी और 31 किमी रायसेन में

42.02 किमी लंबी इस परियोजना में करीब 11 किमी हिस्सा भोपाल जिले में है, जबकि 31 किमी हिस्सा रायसेन जिले में आ रहा है। दोनों जिलों में निर्माण शुरू करने से पहले भू-अर्जन की प्रक्रिया पूरी करनी है। रायसेन में भू-अर्जन का काम अंतिम चरण में है। भोपाल में भू-अर्जन भी ठीक से शुरू भी नहीं हुआ है।

पुराने शहर स्थित बुधवारा चौराहे से मजदूर दिवस पर रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

लोक वानिकी से मीना को हटा दो या फिर मुझे: धीमान

जंगल महकमे में पहली बार दो शीर्ष अफसरों के बीच स्थापित परंपराओं और अधिकारों को लेकर छिड़ी जंग

विशेष संवाददाता, भोपाल। जंगल महकमे में पहली बार दो शीर्ष अफसरों के बीच अधिकारों को लेकर जंग छिड़ गई है। शाखा के अधीक्षक और कर्मचारियों में असमंजस की स्थिति है कि किसके आदेश पर कम करें। प्रधान मुख्य वन संरक्षक अनुसंधान विस्तार एवं लोक वानिकी पुरुषोत्तम धीमान ने हॉफ असीम श्रीवास्तव को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि शाखा से एपीसीसीएफ मोहन लाल मीना को हटाओ या फिर मुझे हटा दो। मौजूदा परिस्थिति में काम करना मुश्किल हो रहा है। हॉफ को लिखे पत्र में पीसीसीएफ धीमान ने उल्लेख किया है कि प्रधान मुख्य वन संरक्षक अनुसंधान विस्तार एवं लोक वानिकी का अतिरिक्त प्रभार है। मेरे द्वारा विधानसभा बजट सत्र फरवरी-मार्च 2025 के दौरान पत्र क्र. 319 से समस्त कार्यालयीन पत्राचार एवं नस्तियों का संधारण प्रधान मुख्य वन संरक्षक के अनुमोदन से किये जाने बावत निर्देश जारी किये गये हैं। किंतु मेरे पास नस्तियां अनुमोदन के लिए प्रस्तुत नहीं हो रही हैं। पता चला है कि कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत नस्तियों पर अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक (अनुसंधान विस्तार एवं लोक वानिकी) मोहन लाल मीना के स्तर से निराकरण हो जाता है। उन्हें कर्मचारियों से ज्ञात हुआ कि मेरे पत्र क्र. 319 पर अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक द्वारा निर्देश दिये गये हैं कि समस्त पत्राचार उन्हीं के द्वारा संपादित किया जाएगा। इधर, मीना ने शाखा के कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि केवल नीतिगत मसले ही पीसीसीएफ धीमान के अनुमोदन के लिए भेजे जाएं। समस्त फाइलों का निष्पादन उनके द्वारा किया जाएगा। प्रस्तुत नस्तियों पर अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक द्वारा यह लिखकर नस्ती निराकृत कर वापस की जा रही है कि प्रकरण पीसीसीएफ तक भेजने की आवश्यकता नहीं है। नस्तियां उन्हीं (मीना) के स्तर से निराकृत होंगी। कई महत्वपूर्ण प्रकरण इनके द्वारा सीधे निराकृत कर लिये गये हैं। जैसे- विधानसभा सत्र में कर्मचारियों की डयूटी, वन विज्ञान केन्द्र स्थापना के लिए योजना की प्रशासकीय स्वीकृति, नई नर्सरी की स्थापना, सामाजिक वानिकी वन वृत्तों की समीक्षा बैठक कार्यवाही विवरण अनुमोदन, क्षेत्रीय अधिकारियों की दौरा दैनंदिनियां और क्षेत्रीय कार्यशालाओं हेतु एजेंडा निर्धारण।

जनवरी में ही लिख दी गई थी टकराहट की इबारत

6 जनवरी को एपीसीसीएफ मीना के खिलाफ गंज बैतूल पुलिस ने महिला प्रताड़ना के मामले एफआईआर दर्ज की और अगले दिन 7 जनवरी को उन्हें अनुसंधान विस्तार एवं लोक वानिकी शाखा का अतिरिक्त प्रभार दे दिया गया। इस आदेश पर महकमे के शीर्ष अफसर हतप्रभ रहे। एपीसीसीएफ मीना को अनुसंधान विस्तार एवं लोकवानिकी शाखा का अतिरिक्त प्रभार देने का आदेश पीसीसीएफ विवेक जैन ने जारी किया। अतिरिक्त प्रभार दिए जाने के साथ ही वन भवन के शीर्ष अफसरों में चर्चा थी कि पीसीसीएफ धीमान और एपीसीसीएफ मीना के बीच कोल्ड वॉर होने की संभावना थी। अतिरिक्त प्रभार मिलने के चार महीने के भीतर ही धीमान और मीना के बीच वर्चस्व की लड़ाई छिड़ गई। अब वन भवन के शीर्ष अफसरों की नजरें हॉफ असीम श्रीवास्तव के निर्णय पर टिकी हैं।

> हमारे पास ऐसा कोई पत्र नहीं आया है, जिससे इस पर किसी तरह की टिप्पणी नहीं की जा सकती। अगर पत्र आएगा, तब देखा जाएगा कि उन्हें इस पर क्या करना है। ■ **असीम श्रीवास्तव,** वन बल प्रमुख मप्र वन विभाग

रणनीति | प्रदेश भर में कांग्रेस निकाल रही संविधान बचाओ रैली, भाजपा करेगी काउंटर

कांग्रेस की काट को भाजपा की बूथ समितियां होंगी सक्रिय

विशेष संवाददाता, भोपाल। भारतीय जनता पार्टी ने बूथ समितियों से अपने-अपने क्षेत्रों में संपर्क तेज करने को कहा है। कहा जा रहा है कि पार्टी ने यह कदम कांग्रेस की उन कोशिशों को नकाम करने के लिए उठाया है, जिसके लिए कांग्रेस संविधान रैली निकाल रही है। संविधान बचाओ रैली में कांग्रेसी घर-घर जाकर लोगों को यह बताने का प्रयास करेंगे कि भाजपा की सरकार किस तरह से संविधान को बदल रही है। इस अभियान के अंतिम चरण में कांग्रेस के कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों से मिलेंगे और उन्हें परचे बांटकर यह बताने की कोशिश करेंगे कि भाजपा समाज को बांटने का काम कर रही है। इधर भाजपा ने कांग्रेस के इन प्रयासों पर पानी फेरने के लिए रणनीति बनाई है। बताया गया है कि पार्टी ने अपने जिलाध्यक्षों से कहा है कि वे अपने-अपने मंडल अध्यक्षों के साथ बूथ समितियों की बैठक लें और उन्हें इस बात के लिए तैयार करें कि उनके क्षेत्र में कांग्रेस के कार्यकर्ता यदि घर-घर जाकर रहवासियों से मिलते हैं, तो बूथ समिति के सदस्य भी उनके पीछे-पीछे उन घरों में पहुंचे और बताएं कि जब से देश की बागडोर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संभाली है, तब से देश प्रदेश में किस तरह से बदलाव हुए हैं और विकास के कार्य कितनी तेजी से कराए जा रहे हैं। कार्यकर्ता केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं के बारे में पूरी जानकारी लेकर लोगों से मिलेंगे। इतना ही नहीं कार्यकर्ता घरों में संपर्क के दौरान इस बात का भी पता लगाएंगे कि वहां सरकार की योजनाओं के हितग्राही हैं या नहीं। यदि पात्रता होने के बाद भी किसी परिवार के सदस्य को सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिला है, तो तत्काल वरिष्ठ पदाधिकारियों से संपर्क कर उन्हें लाभ दिलाने की पहल करें। जिससे जनता को यह विश्वास हो जाए कि भाजपा ही ऐसा दल है, जो उनकी तरक्की के लिए काम करती है और विकास के मामले में पार्टी और सरकार तेज गति से काम कर रही है।

जिला स्तर पर होंगी बैठकें

जानकारों की मानें तो इसके लिए भाजपा की जिला इकाइयां जल्द बैठकें करेंगी, जिसमें प्रदेश स्तर के पदाधिकारी भी मौजूद रहेंगे। इस बैठक में मंडलाध्यक्षों को भी बुलाया जाएगा, जिन्हें पूरी रणनीति से अवगत कराया जाएगा।

जिला कार्यकारणी होल्ड, चार महीने पहले बने थे जिलाध्यक्ष

इधर प्रदेश नेतृत्व ने अपने सभी जिला भाजपा अध्यक्षों को निर्देशित किया है कि उन्हें अपनी कार्यकारणी का अगले निर्देश तक गठन नहीं करना है। हालांकि प्रदेश भाजपा संगठन द्वारा जिला कार्यकारणी के गठन के लिए बहुत पहले जिलों को गाइडलाइन भेजी जा चुकी है। जिसमें 40 फीसदी पदों पर नए कार्यकर्ताओं कों मौका देने की बात कही गई है। इनके अलावा एससी,एसटी और महिलाओं को को भी जिले की टीम में पदों पर बैठाने को कहा गया है। उल्लेखनीय है कि भाजपा संगठन के निर्वाचन प्रक्रिया के तहत प्रदेश के अधिकांश जिलों में जनवरी माह में ही नए जिलाध्यक्षों का निर्वाचन पूरा हो गया था। कुछ जिलों में पुराने अध्यक्षों को फिर से जिम्मेदारी सौंपी गई थी,तो अधिकांश में नए कार्यकर्ताओं को जिला संगठन की जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

सिंधु नदी के 70 फीसदी पानी पर भारत का हक: राजेंद्र सिंह

पूर्व मंत्री सविता वाजपेई की स्मृति में वाटर हार्वेस्टिंग यूनिट का लोकार्पण

विशेष संवाददाता, भोपाल। मैग्सेसे अवार्ड से सम्मानित पर्यावरणविद् राजेंद्र सिंह ने कहा कि भारत में पानी का व्यापार बंद होना चाहिए। भारत में पानी व्यापार की वस्तु बन चुका है, इसे रोकना होगा। उन्होंने भोपाल को पानीदार शहर बताते हुए चिंता व्यक्त की कि बेतवा नदी की धारा पिछले 3 साल से सूख गई है। जल संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध राजेंद्र सिंह गुरुवार को मानस भवन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत को पानीदार बनाना चाहते हैं तो हमें अपना मानस बदलना होगा। क्योंकि पूरी दुनिया बेपानी होकर उजड़ रही है। दुनिया के जितने मुल्क आपस में लड़ रहे हैं, उसके आधार में पानी ही मुख्य वजह है। उन्होंने कहा कि सिंधु नदी से पाकिस्तान जाने वाले पानी का रिव्यू समय-समय पर होना चाहिए था, जो अब हो रहा है। सिधु का 70 प्रतिशत पानी भारत को ही मिलना चाहिए। भारत ने उदारता से पानी दिया, जबकि उस पर पाक का हक नहीं था। आजादी के समय 4 प्रतिशत जमीन बेपानी थी, आज 62 प्रतिशत बेपानी है। आज के दौर में बाढ़, सूखा, जंगलों में आग लग रही है। पर्यावरण नष्ट हो रहा है। शिक्षा ने हमें लालची बना दिया है, क्योंकि जो शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं, वह केवल अपने लाभ के लिए है। सिंह ने कहा कि विद्या और शिक्षा के अंतर को हमें समझना होगा। विद्या हमारे जीवन को बेहतर बनाने का काम सिखाती है लेकिन शिक्षा हमें लाभ और जीविकोपार्जन के तरीके सिखाती है। जब से पानी व्यापार की चीज बना है, तब से हम प्राकृतिक जल स्रोत को भूल गए हैं। उनका दुरुपयोग हो रहा है। कुएं सूख गए और तालाबों पर अतिक्रमण हो रहा है। श्रीमती सविता वाजपेई की पुत्री डॉ. श्रद्धा अग्रवाल ने मानस भवन में जल संरक्षण के लिए वाटर हार्वेस्टिंग यूनिट की जो स्थापना की है, वह उनके द्वारा अपनी मां के प्रति दी गई सच्ची श्रद्धांजलि है। रघुनंदन शर्मा ने कहा कि राजेंद्र सिंह जल पुरुष ही नहीं जल ऋषि भी हैं। डॉ. श्रद्धा अग्रवाल ने भूजल स्तर गिरने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जंगल की भी कमी हो रही है। जल संकट को देखते हुए हमने अपनी मां श्रीमती सविता वाजपेई की स्मृति में जल संरक्षण की दिशा में कार्य करने का संकल्प लिया है।

वर्ष 68 ▸ अंक 213 ▸ पृष्ठ 12
भोपाल, शुक्रवार 02 मई, 2025
वैशाख शुक्ल पक्ष 05, विक्रम संवत् 2082
महानगर ▸ मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

> शांति का अर्थ महज संघर्ष की गैर मौजूदगी नहीं है, बल्कि यह संघर्ष को शांतिपूर्ण तरीकों से संभालने की क्षमता है।
> – रोनाल्ड रीगन

संक्षिप्त खबरें

कॉमर्शियल गैस सिलेंडर अब 17 रुपए सस्ता

नई दिल्ली, जेएनएन। ऑइल मार्केटिंग कंपनियों ने महंगाई से राहत देते हुए कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 17 रुपए की कटौती कर दी है। नए भाव 1 मई, 2025 से लागू भी हो गए हैं। दिल्ली में अब इसके दाम 1747.50 रुपए हो गए हैं।घरों में इस्तेमाल होने वाले 14.2 किलो वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। ऐसे में कंपनियों के इस फैसले से आम लोगों को कोई राहत नहीं मिलेगी। कॉमर्शियल एलीपीजी सिलेंडर की कीमतों में हुई इस कटौती से रेस्टॉरेंट, होटल मालिकों को राहत मिलेगी। दिल्ली में इस सिलेंडर की कीमतों में इस साल 5 में से 4 बार कटौती हुई है, जबकि एक बार इसके दाम बढ़ाए गए थे। 1 जनवरी को इसकी कीमतों में 14.5, 1 फरवरी को 7, 1 मार्च को 6 रुपए की बढ़ोतरी, 1 अप्रैल को 41 रुपए की कटौती की गई थी। इसके बाद 1 मई को इसमें 14.50 रुपए की कटौती हुई है।

दुनिया भर के आईफोन पर 'मर्सनरी स्पाइवेयर' खतरा

नई दिल्ली, जेएनएन। टेक दिग्गज ऐपल ने एक साथ 150 देशों के आईफोन यूजर्स को बड़े खतरे के प्रति आगाह किया है। यह खतरा 'मर्सनरी स्पाइवेयर अटैक' का है। कंपनी का कहना है कि यह हमले आम साइबर हमलों से ज्यादा खतरनाक हैं। साइबर अपराधी कुछ लोगों और उनके आईफोन को निशाना बनाना चाह रहे हैं। कंपनी का कहना है कि जो भी लोग इन हमलों के पीछे हैं, उनके पास बहुत सारा पैसा और रिसोर्स हैं, जिस वजह से यह अटैक सामान्य साइबर अटैक से बड़ा और गंभीर है। मर्सनरी स्पाईवेयर अटैक का तरीका समय के साथ बदलता रहता है, इसलिए यह स्पष्ट तौर पर नहीं कहा जा सकता कि हमले का अंदाज और पैटर्न क्या होगा। ऐसे हमलों का पता ऐपल अपनी जांच से लगाती है। कहा जाता है कि इस तरह का अटैक बहुत पैसा खर्च करके होता है और कम लोगों को निशाना बनाया जाता है। यही वजह है कि मर्सनरी अटैक को रोकना मुश्किल है।

ऐपल ने अपने यूजर्स को किया आगाह

90 प्रतिशत झुलसीं गिरिजा व्यास का निधन

अहमदाबाद, जेएनएन। पूर्व केंद्रीय मंत्री और सीनियर कांग्रेस लीडर डॉ. गिरिजा व्यास का निधन हो गया। अहमदाबाद स्थित जायडस अस्पताल में गुरुवार शाम उन्होंने अंतिम सांस ली। वे एक महीने पहले गणगौर पूजा के दौरान चुन्नी में आग लगने से झुलस गई थीं। 90 प्रतिशत झुलसने से उनकी हालत बिगड़ गई थी। उनका अहमदाबाद में इलाज चल रहा था। गिरिजा व्यास के भाई गोपाल शर्मा ने बताया कि पहले उनकी तबीयत में सुधार हो रहा था, लेकिन दो दिन से तबीयत फिर बिगड़ गई थी। उन्होंने बताया कि गिरिजा व्यास का पार्थिव शरीर गुरुवार देर रात उदयपुर पहुंच जाएगा। शुक्रवार सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए उनके देत्य मगरी आवास पर रखा जाएगा। शाम 4 बजे उदयपुर में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। बता दें कि गिरिजा व्यास केंद्र और राज्य में मंत्री रहीं। वे राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष भी रहीं।

भोपाल में 18 दिन से लापता बच्ची के मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने लिया स्वतः संज्ञान, खामियों पर उठाए सवाल

मुख्य सचिव, डीजीपी को एनएचआरसी का नोटिस, 14 दिन में दें रिपोर्ट

नई दिल्ली/ भोपाल, जेएनएन। प्रदेश की राजधानी भोपाल के कोहेफिजा क्षेत्र में 18 दिन पहले एक छह वर्षीय बच्ची के लापता होने के मामले में अब तक कोई ठोस कार्रवाई न होने पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने स्वतः संज्ञान लेते हुए प्रदेश के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस भेजते हुए दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। इस मामल में मानवाधिकार आयोग ने मीडिया में प्रकाशित रिपोर्ट के आधार पर स्वतः संज्ञान लिया और अपनी कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए जवाब मांगा है।

क्या है मामला

कोहेफिजा इलाके में एक अंडरब्रिज के पास एक 6 साल की बच्ची अचानक गायब हो गई थी। यह घटना 18 दिन पहले की है, लेकिन अब तक पुलिस न तो बच्ची का कोई सुराग ढूंढ पाई है और न ही किसी संदिग्ध को गिरफ्तार कर पाई है।

नोटिस में मांगी यह जानकारी

1. बच्ची की गुमशुदगी की अब तक की जांच में हुई प्रगति क्या है?
2. पीड़ित परिवार को क्या कोई सहायता या सुरक्षा दी गई है?
3. राज्य में महिला और बाल सुरक्षा के लिए क्या व्यवस्थाएं हैं?
4. ऑपरेशन मुस्कान के अंतर्गत कितनी बच्चियों को अब तक रेस्क्यू किया गया है?

सख्त टिप्पणी

> राज्य में सीसीटीवी कैमरों का नेटवर्क कमजोर है, त्वरित प्रतिक्रिया दल (रैपिड रिस्पॉन्स टीम) प्रभावी ढंग से काम नहीं कर रहे हैं और पुलिस इकाइयों के बीच समन्वय का भी अभाव है। ऐसे में लापता मामलों की जांच बेहद प्रभावित हो रही है। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा शुरू किया गया 'ऑपरेशन मुस्कान', जिसका उद्देश्य लापता लड़कियों को खोजकर उन्हें पुनर्वास देना था, अब तक किसी भी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच पाया है।
> – राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग

बिना परिणाम के 'ऑपरेशन मुस्कान'

एनएचआरसी ने कहा है कि प्रदेश सरकार के 'ऑपरेशन मुस्कान' अभियान के तहत बच्चियों की बरामदगी में कोई उल्लेखनीय प्रगति नहीं हुई है। खासकर इस केस में, बच्ची की मां जो खुद बेघर है और आठ बच्चों की देखभाल करती है, उसने पुलिस को शक जाहिर किया है कि उसके किसी रिश्तेदार की भूमिका हो सकती है। लेकिन न तो पुलिस ने अब तक उस दिशा में जांच आगे बढ़ाई है, न ही किसी को हिरासत में लिया गया है। एनएचआरसी ने कोहफिजा वाले मामले में कहा है कि अगर खबर में बताए गए तथ्य सही हैं, तो यह एक बेहद संवेदनशील और गंभीर मामला है, जो राज्य में कानून-व्यवस्था और महिला-बाल सुरक्षा पर सवाल खड़े करता है।

3 साल में 3,400 से अधिक महिलाएं-बच्चियां गायब

मध्यप्रदेश पुलिस के आंकड़े भी इस गहराते संकट की ओर इशारा करते हैं। बीते तीन साल में राज्य से 3,400 से अधिक महिलाएं और बच्चियां लापता हुई हैं। इनमें से कई मामलों में आज तक कोई ठोस सुराग नहीं मिल पाया है।

कश्मीर में कत्लेआम अरब सागर में एंटी शिप-एंटी एयरक्राफ्ट युद्धाभ्यास

तनाव के बीच 'आईएनएस सूरत' हजीरा में अलर्ट पर

नई दिल्ली, जेएनएन। पहलगाम हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बना हुआ है। इस मामले में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से फोन पर बात की। हालांकि इसकी डिटेल सामने नहीं आई है। इस बीच नेवी का जंगी जहाज आईएनएन-सूरत गुरुवार को पहली बार सूरत के हजीरा पोर्ट पर तैनात किया गया है। यहां नेताओं और नेवी अफसरों ने इसका स्वागत किया। मीडिया रिपोर्ट में यह भी दावा किया जा रहा है कि इंडियन नेवी ने अपने सभी वॉरशिप को अलर्ट पर रखा है। पिछले दिनों अरब सागर में एंटी शिप और एंटी एयरक्राफ्ट फायरिंग की प्रैक्टिस की गई। गुजरात के नजदीक कोस्ट गार्ड को भी अलर्ट पर रखा गया है।

उधर, पहलगाम आतंकी हमले की जांच का जिम्मा संभालने के बाद एनआईए के महानिदेशक सदानंद दाते गुरुवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम पहुंचे। उन्होंने बैसरन घाटी का दौरा किया और सुरक्षा अधिकारियों से हमले से जुड़ी जानकारी ली। एनआईए ने संदेह के आधार पर 150 लोगों को हिरासत में लिया। अब तक एनआईए दो हजार से अधिक संदिग्धों से पूछताछ कर चुकी है। इसके अलावा, 18 एफआईआर भी दर्ज की जा चुकी हैं।

इस बीच राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री से अपील की है कि हमले में मारे गए लोगों को शहीद का दर्जा दिया जाए। वे पीड़ित परिवारों के दुख में साथ हैं और इस मांग का समर्थन करते हैं।

जयशंकर और पाक पीएम से अमेरिकी विदेश मंत्री की बात

अमेरिका, भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने की कोशिशों में जुट गया है। इसके मद्देनजर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर से फोन पर बात की। उन्होंने दोनों से तनाव कम करने का आग्रह किया। शहबाज और जयशंकर से अलग-अलग बातचीत के बाद अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका आतंकवाद से लड़ाई में भारत का समर्थन करता है और पाकिस्तान से पहलगाम हमले की जांच में सहयोग करने का भी आग्रह करता है।

13.1 करोड़ डॉलर के सैन्य उपकरण देगा अमेरिका

गुरुवार को अमेरिका ने भारत को 13.1 करोड़ डॉलर के सैन्य उपकरण और रसद देने का ऐलान किया। पेंटागन की सुरक्षा सहयोग एजेंसी डीएससीए ने सैन्य आपूर्ति के लिए जरूरी निर्देश दिए हैं। संभावित बिक्री के बारे में अमेरिकी कांग्रेस को भी सूचित कर दिया है। यह मंजूरी ऐसे समय में दी गई है, जब ट्रंप प्रशासन सैन्य खरीद बढ़ाने का दबाव डाल रहा है।

मुनीर ने दी धमकी-भारत को दुस्साहस का जवाब देंगे

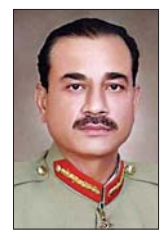

पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने गुरुवार को भारत के खिलाफ जमकर जहर उगला। उन्होंने कहा-भारत ने अगर इस बार किसी तरह का सैन्य दुस्साहस किया तो उसका त्वरित, दृढ़ और अत्यंत कठोर जवाब दिया जाएगा। मुनीर सशस्त्र बलों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण अभ्यास को देखने के लिए टिल्ला फायरिंग रेंज पहुंचे थे। यहां उन्होंने टैंक पर खड़े होकर भाषण दिया और सैनिकों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा- हम क्षेत्रीय शांति के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए हमारी तैयारी पूरी है।

जबलपुर में नाबालिग को तीन दिन बंधक बनाकर गैंगरेप, आरोपी फरार

जागरण, जबलपुर। मंडला के एक युवक ने जबलपुर की नाबालिग से पहले स्नैपचेट पर दोस्ती की। इसके बाद तीन दिन तक बंधक बनाकर उसके साथ गैंगरेप किया। जानकारी के मुताबिक, दोस्ती के बाद पीड़िता को कान्हा नेशनल पार्क घुमाने का कहकर मंडला बुलाया। यहां युवक ने दोस्त के घर में पीड़िता को तीन दिन बंधक बनाकर रखा। दोनों आरोपियों ने गैंगरेप की वारदात की। आरोपियों धमकी देकर पीड़िता को जबलपुर भेज दिया। घर पहुंचकर पीड़िता ने माता-पिता को जानकारी दी।

नाबालिग की शिकायत पर गढ़ा थाना पुलिस ने गैंग रेप का प्रकरण दर्ज किया है। जबलपुर पुलिस की एक टीम मंडला में डेरा डालकर आरोपियों की तलाश में जुट गई है। पुलिस की पूछताछ में नाबालिग ने बताया कि जब राजन उसे अपने साथ ले गया था, उस दौरान बहुत अंधेरा था। बाइक में कुछ समझ ही नहीं आ रहा था कि रास्ता कहां का और कैसा है, उसने पुलिस को बताया कि जिस दौरान राजन अपने दोस्त के साथ बस स्टैंड छोड़ने आया था, उस दौरान भी बहुत ही सकरी गलियों से लाया था, जिसके चलते उसे रास्ता ध्यान नहीं है।

स्नैपचैट पर दोस्ती, फिर मंडला बुलाकर की वारदात

7वीं क्लास में पढ़ने वाली पीड़िता की 6 महीने पहले मंडला के राजन से स्नैपचैट पर दोस्ती हुई। दोनों के बीच बातें होने लगीं। दोनों ने एक-दूसरे का मोबाइल नंबर ले लिया। चार दिन पहले राजन ने नाबालिग को फोन लगाया और कान्हा नेशनल पार्क घुमाने का झांसा देकर मंडला बुलाया। वह बहकावे में आ गई और सहेली के घर जाने का बहाना बनाकर 26 अप्रैल को मंडला पहुंच गई। राजन उसे अपने दोस्त के घर ले गया, जहां तीन दिन बंधक बनाकर राजन और उसके दोस्त ने रेप किया। राजन और उसका दोस्त बुधवार दोपहर पीड़ित को बाइक पर बैठाकर मंडला बस स्टैंड पहुंचे और यह कहते हुए उसे बस में बैठा दिया कि अगर घर या पुलिस को कुछ भी बताया तो ठीक नहीं होगा। राजन ने धमकी दी कि जबलपुर में भी उसके दोस्त हैं, जो कि तेरे घर तक पहुंच सकते हैं।

डीओजीई कार्यकाल को मस्क ने बताया तनावपूर्ण

वॉशिंगटन/नई दिल्ली, जेएनएन। मशहूर उद्यमी और टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन में डिपार्टमेंट ऑफ गवर्मेंट एफिसिएंसी (डीओजीई) के प्रमुख के रूप में अपने 100 दिनों के कार्यकाल को 'बेहद तनावपूर्ण लेकिन रोमांचक' बताया है। उन्होंने कहा कि यह विभाग एक स्टार्टअप जैसा था जहां नई ऊर्जा, नई चुनौतियां और नई सोच थी।

मस्क ने साफ किया कि मई में उनका सीमित कार्यकाल समाप्त हो रहा है, लेकिन वे आगे भी ट्रंप प्रशासन के साथ हफ्ते में 'एक-दो दिन' काम करने को तैयार हैं। ■ शेष पृष्ठ 9 पर

'शरबत जिहाद' पर नया वीडियो, हाईकोर्ट की फटकार

रामदेव अपनी दुनिया में जी रहे, वे किसी के काबू में नहीं

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को बाबा रामदेव के नए वीडियो को लेकर तीखी टिप्पणी की। जस्टिस अमित बंसल ने कहा कि रामदेव किसी के नियंत्रण में नहीं हैं। वे अपनी ही दुनिया में जीते हैं। बाबा रामदेव ने हमदर्द कंपनी का नाम लिए बिना रूह अफजा को 'शरबत जिहाद' कहा था। इसके बाद विवाद बढ़ गया था। बाबा को कोर्ट ने फटकारा भी था। इसके बावजूद बाबा ने दूसरा वीडियो भी अपलोड कर दिया।

हालांकि यह नया वीडियो कब जारी किया गया, इसके बारे में कुछ स्पष्ट नहीं है। अब कोर्ट ने कहा-पिछले आदेश बाद बाबा ने एक हलफनामा दायर किया था, जिसमें वादा किया गया था कि वे अपने शरबत को प्रमोट करने के लिए किसी अन्य ब्रांड पर उंगली नहीं उठाएंगे। लेकिन उन्होंने फिर वीडियो जारी कर दिया जो प्रथमदृष्टया अवमानना के अंतर्गत आता है। मैं अब अवमानना का नोटिस जारी करूंगा। हम उन्हें यहां बुला रहे हैं। ■ शेष पृष्ठ 9 पर

असम के सीएम के खिलाफ पुलिस में कई शिकायतें दर्ज

गुवाहाटी, जेएनएन। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के कथित आपत्तिजनक बयान के खिलाफ गुरुवार को राज्यभर के विभिन्न जिलों के पुलिस थानों में कई शिकायतें दर्ज कराई हैं। मुख्यमंत्री ने यह बयान हाल ही में हुए पंचायत चुनाव प्रचार के दौरान महिलाओं के बारे में दिया था, जिसे कांग्रेस ने 'अपमानजनक और महिला विरोधी' बताया है। पुलिस ने फिलहाल एफआईआर दर्ज नहीं की है, लेकिन जांच जारी है। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि कार्रवाई नहीं हुई, तो राज्यव्यापी आंदोलन किया जाएगा।

कांग्रेस का आरोप है कि 28 अप्रैल को चुनावी सभा में सीएम सरमा ने असम लोक सेवा आयोग की 2013 और 2014 की परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों की जांच रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा था कि 'महिलाओं को नौकरी पाने के लिए गलत रास्ता अपनाना पड़ा।' ये नियुक्तियां कांग्रेस शासनकाल के दौरान हुई थीं।

इस बयान के विरोध में कांग्रेस ने मुख्यमंत्री का पुतला जलाया और राष्ट्रीय महिला आयोग को पत्र लिखकर सरमा के खिलाफ ■ शेष पृष्ठ 9 पर

अभी नहीं होगा क्लेट-यूजी की मेरिट लिस्ट में संशोधन

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के बाद फिलहाल क्लेट-यूजी 2025 की मेरिट लिस्ट को संशोधित करने का फैसला टल गया है। सुप्रीम कोर्ट ने मेरिट लिस्ट को संशोधित करने के दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। हाई कोर्ट ने नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज के कंसोर्टियम को अंडरग्रेजुएट (यूजी) एडमिशन के लिए कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (क्लेट) 2025 की मेरिट लिस्ट में कुछ प्रश्नों में गलतियों के कारण संशोधन करने का निर्देश दिया था। जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की पीठ ने 23 अप्रैल को हाईकोर्ट की बेंच द्वारा दिए गए फैसले के खिलाफ दायर याचिका पर नोटिस जारी करते हुए अंतरिम आदेश पारित किया।

दिल्ली हाई कोर्ट ने पाई थीं चार सवालों में गलतियां

दिल्ली हाईकोर्ट ने सेट बी, सी और डी प्रश्नपत्रों में चार सवालों में गलतियां पाई थीं। अदालत ने निर्देश दिया था कि इन प्रश्नों के लिए उन उम्मीदवारों को अंक दिए जाएं, जिन्होंने उक्त सेटों को हल किया था। क्लेट कंसोर्टियम को चार हफ्ते की अवधि के भीतर मेरिट सूची को संशोधित करने का निर्देश दिया गया था। हालांकि, हाईकोर्ट ने ए सेट को हल करने वाले उम्मीदवारों को यह लाभ नहीं दिया और कहा कि इस सेट में कोई गलती नहीं थी।

ए सेट को हल करने का प्रयास करने और अखिल भारतीय रैंक 22 हासिल करने वाले अभ्यर्थी ने सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में तर्क दिया कि हाईकोर्ट के निर्देश ने ए सेट प्रश्नपत्र प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को बी,सी और डी सेट प्राप्त करने वाले छात्रों की तुलना में नुकसान में डाल दिया है। इसलिए, उच्च न्यायालय के निर्देश ने याचिकाकर्ता को समान अवसर से वंचित कर दिया।

फरवरी 2025 में, सुप्रीम कोर्ट ने देश के विभिन्न हाई कोर्ट में लंबित याचिकाओं को दिल्ली हाईकोर्ट में स्थानांतरित किया था ताकि एकरूपता से इस विवाद का निपटारा हो सके। सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई इस अंतरिम राहत के चलते फिलहाल क्लेट-यूजी 2025 की वर्तमान मेरिट सूची यथावत बनी रहेगी। शीर्ष अदालत अब इस मामले में विस्तृत सुनवाई करेगा।

अब 5 मई को सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट में पेटीशनर ने कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट के मार्कशीट्स के रिवीजन करने के फैसले का वो पीड़ित है। बेंच ने कंसोर्टियम और अन्य लोगों को नोटिस जारी किया है और अगली सुनवाई 5 मई की रखी गई है। कोर्ट ने कंसोर्टियम से कहा कि अगली सुनवाई से पहले अपनी वेबसाइट पर कोर्ट में दायर अर्जी की जानकारी साझा करें।

किचन क्रांति | तैयार हो गई है भविष्य की रसोई, एआई शेफ से बदलेगा कुकिंग का तरीका

न चाकू उठाना, न कलछी चलाना, रोबोट बनाएगा खाना

नई दिल्ली, जेएनएन। खाना बनाना अब महज परंपरा या जरूरत नहीं, एक तकनीकी क्रांति बन चुका है। दुनिया भर में रोबोट शेफ और एआई आधारित किचन सिस्टम हमारी रसोई की तस्वीर बदल रहे हैं। हाल ही में इंग्लैंड की कंपनी मोली रोबोटिक्स ने पूरी तरह से ऑटोमेटेड किचन लांच किया है और इसे अच्छा रिस्पांस मिला है। इसमें बस आपको रेसिपी क्लिक करनी है, बाकी काम एआई रोबोट करेगा।

इसी क्रम में अमेरिका का फ्लिपी रोबोट और भारत में मुकुंदा फूड्स जैसे स्टार्टअप्स ने इस दिशा में कदम बढ़ाए हैं। ये रोबोट न केवल खाना बना सकते हैं, बल्कि सीख भी सकते हैं कि किसे क्या पसंद है। भारत में अभी ये तकनीक प्रीमियम सेक्टर और क्लाउड किचन तक सीमित है, लेकिन सस्ती होते ही यह आम घरों तक पहुंच सकती है।

मोली रोबोट्क्स का ऑटोमेटेड किचन

इसमें दो रोबोटिक 'हाथ' होते हैं जो इंसानी शेफ की तरह खाना बना सकते हैं। स्क्रीन पर रेसिपी चुनिए, बाकी सब काम काटना, पकाना, सॉस डालना और परोसना आदि यह खुद करता है। यह दुनिया का पहला पूरी तरह ऑटोमैटिक किचन रोबोट है।

भारत के होटल और टेक स्टार्टअप कर रहे इस्तेमाल

कुछ 5-स्टार होटल और टेक स्टार्टअप ने प्रयोग के तौर पर शामिल किया है। जैसे जोमाटो/स्विगी जैसी कंपनियां भी एआई आधारित किचन की ओर बढ़ रही हैं। फिलहाल भारतीय घरों में इनके आने की उम्मीद नहीं है, क्योंकि कीमत बहुत ज्यादा है। मोली किचन का रोबोट 3 लाख डॉलर (करीब ढ़ाई करोड़ रुपए) से ज्यादा का है। हालांकि तकनीक सस्ती और कॉम्पैक्ट होगी तो भविष्य में स्मार्टकिचन में रोबोट शेफ आम चीज हो सकते हैं। अभी रेसिपी में बदलाव, भावनात्मक स्वाद (इंसानी अंदाज), और भारतीय खाने की जटिलता पूरी तरह एआई से संभालना मुश्किल है।

भारत में 2025 के अंत तक बाजार में होंगे एआई शेफ

अमेरिका का नाला रोबोटिक्स: यह एआई किचन रोबोट कई तरह के व्यंजन बना सकता है। खुद से सीख सकता है कि कौन-सा खाना किसे पसंद आया।

मिसो रोबोटिक्स का फ्लिपी: खासतौर पर बर्गर, फ्राई बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। व्हाइट कैसल जैसे रेस्टोरेंट्स में इसका प्रयोग हो रहा है।

भारत का रोबोशेफ: मुकुंदा फूड्स ने ऑटोमेटिक डोसा और इडली मेकिंग मशीन बनाई है। अब बिरियानी, कड़ी, चावल के लिए एआई आधारित कुकिंग मॉड्यूल्स बनाए जा रहे हैं।

सैमसंग बोट शेफ: यह एआई आधारित रोबोटिक आर्म चॉपिंग, मिक्सिंग, ग्रैबिंग जैसे काम करता है। इसमें वॉइस कमांड की सुविधा है। आप कह सकते हैं नमक डालो और वह यह करेगा। अभी यह प्रोटोटाइप फेज में है।

निम्बल का जूलिया: भारतीय स्टार्टअप निम्बल ने हाल ही में जूलिया नाम का स्मार्ट किचन रोबोट बनाया है। यह खासतौर पर भारतीय खाने जैसे सांभर, सब्जी, पोहा, पुलाव आदि बनाने में पूरी तरह सक्षम है। आप मोबाइल ऐप से रेसिपी चुनते हैं और यह तय मात्रा में सामग्री डालकर पकाता है। भारत में इसे 2025 के अंत तक कमर्शियल रूप से लॉन्च करने की योजना है।

स्मार्ट किचन सिस्टम: सोनी, पैनासोनिक और एलजी जैसे ब्रांड स्मार्ट किचन सिस्टम ला रहे हैं। ये पूरे खाना नहीं बनाते लेकिन एआई के जरिये खाना पकाने में मदद करते हैं। जैसे-टाइमिंग ऑटोमैटिक सेट करना, तापमान सेंसर, रेसिपी सुझाव, स्मार्ट स्टोव और ग्राइंडर आदि काम करते हैं।

'नपुंसक' कहना आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं: कोर्ट

ससुराल वालों पर था दामाद को 'नपुंसक' कहने का आरोप

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने पति के ससुराल वालों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 306 के तहत आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले को खारिज करते हुए कहा कि वैवाहिक विवाद के बाद अपनी बेटी (मृतक की पत्नी) को उसके मायके ले जाते समय दामाद को आपत्तिजनक भाषा में 'नपुंसक' कहना आत्महत्या के लिए उकसाने के बराबर नहीं है। पति के ससुराल वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई, जब पति का सुसाइड नोट मिला। इसमें उसने अपने ससुराल वालों पर पत्नी को उसके मायके ले जाते समय उसे परेशान करने और नपुंसक कहने का आरोप लगाया।

मद्रास हाईकोर्ट ने ससुराल वालों के खिलाफ एफआईआर खारिज करने से इनकार कर दिया, जिसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में अपील की। हाईकोर्ट के निर्णय को दरकिनार करते हुए जस्टिस अभय एस ओक और जस्टिस एजी मसीह की खंडपीठ ने कहा कि सुसाइड नोट में प्रत्यक्ष प्रलोभन या लगातार क्रूरता का संकेत नहीं था। न्यायालय ने कहा कि केवल आहत करने वाली टिप्पणियों (जैसे, नपुंसक) से उकसावे की पुष्टि नहीं होती। न्यायालय ने कहा कि आत्महत्या पति को कथित रूप से अपमानित किए जाने के लगभग एक महीने बाद हुई और इस बीच की अवधि में मृतक और आरोपी के बीच कोई संपर्क नहीं था। अदालत ने कहा, सुसाइड नोट से यह साबित नहीं होता कि आरोपी ने मृतक को उकसाया या कोई लगातार क्रूरता या उत्पीड़न किया गया, जिससे आत्महत्या के लिए उकसाने का अपराध बनता हो। ■ शेष पृष्ठ 9 पर

दैनिक जागरण
सप्तरंग
www.dainikjagranmpcg.com
सेहत भरे जीवन का
भोपाल 02 मई 2025

30 की उम्र के बाद स्वास्थ्य जांच

ध्यान रखें कि 30 वर्ष की उम्र के बाद वर्ष में कम से कम एक बार अपने स्वास्थ्य की जांच जरूर कराएं। खासकर, ब्लडप्रेशर और शुगर का स्तर जरूर जांचना चाहिए। साथ ही सामान्य तरह के कैंसर जैसे ओरल, महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर, सर्वाइकल कैंसर आदि की भी पांच साल में कम से कम एक बार स्क्रीनिंग जरूर करा लेनी चाहिए। इसके लिए देश में एक राष्ट्रीय कार्यक्रम भी चलाया जाता है और लोगों को इसके लिए जागरूक कार्यक्रम भी चलाया जाता है और लोगों क किया जा रहा है।

लें संकल्प अपने संपूर्ण स्वास्थ्य का

अच्छी नींद और तनाव मुक्त जीवन आवश्यक

- नियमित अभ्यास से आप कुछ ही दिनों अच्छी नींद महसूस करने लगेंगे।
- सोने के आधे घंटे पहले और सुबह सोकर उठने के आधे घंटे तक मोबाइल का प्रयोग नहीं करना चाहिए।
- दिनभर सक्रिय रहने से रात में जल्दी नींद आ जाती है। आजकल लोग भोजन करते समय भी मोबाइल का प्रयोग करने लगते हैं।
- तनाव मुक्त रहने के लिए कुछ अच्छी आदतों का विकास करना चाहिए।
- आज के समय में तनाव का एक बड़ा कारण बन रहा है- अत्यधिक स्क्रीन टाइम । रात में देर तक स्मार्टफोन चलाने के कारण नींद में व्यवधान आता है।
- नियमित व्यायाम करने से भी डोपामिन और सेरोटोनिन का स्तर बना रहता है। इससे डिप्रेशन, एंजाइटी जैसी समस्याएं कम होती हैं।
- टहलना, घूमना, बागवानी, खाना बनाना जो भी अच्छा लगे, ऐसी आदत विकसित करें।

गुणकारी है हरड़

आयुर्वेद

डा. आर. वात्स्यायन
आयुर्वेदाचार्य, राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ

अभया (जो रोग का भय दूर करे), पथ्या (जो रोगी और निरोगी दोनों के लिए हितकारी हो), जैसे नामों से हरीतकी को ग्रंथों में बताया गया है। आम भाषा में हरड़ तथा वैज्ञानिक दृष्टि से टेर्मिनेलिया चेबुला नाम की औषधि मनुष्य को ज्ञात प्राचीन जड़ियों में से एक है। इसके फल का छिलका और गूदा औषधि के रूप में प्रयोग होता है । हरड़ स्वाद में मुख्यतः कषाय होती है, लेकिन गौण रूप में इसमें तिक्त, मधुर, कटु तथा अम्ल रस भी होते हैं। यह वात, पित्त और कफ अर्थात तीनों दोषों की शामक कही गई है। आयुर्वेद में हरड़ की सात प्रजातियां बताई गई हैं, जो मुख्यतः विभिन्न प्रदेशों में उत्पत्ति तथा फल के पकने की अवस्था को दर्शाता है। औषधीय गुणों के कारण हरड़ को मातृवत औषधि की संज्ञा दी गई है।

गुणों से भरपूर औषधि : हरड़ को मुख्यतः पाचक, भूख लगाने वाली तथा मल निस्सारक औषधि कहा गया है। यह मेटाबोलिज्म को समावस्था में लाती है तथा कृमियों की नाशक भी है। इसका फेफड़े, हृदय तथा मस्तिष्क पर बल्य प्रभाव होता है। साथ ही सूजन को दूर करने और वसा जमाव रोकने जैसे गुण भी पाए जाते हैं। आचार्य इसकी तुलना आंवले से की है। चरक तिल्ली के बढ़ने तथा खांसी, श्वास रोग, हिचकी, पीलिया, रक्ताल्पता तथा साइनस में प्रशस्त औषधि है।

मौसम के अनुरूप प्रयोग : हरड़ का प्रयोग रोगों के उपचार और प्रतिषेध दोनों में होता आया है। गर्भावस्था तथा सामान्य अवस्था में भी हरड़ का निरंतर सेवन करने की मनाही है। ग्रीष्म ऋतु में इसे थोड़े गुड़ के साथ, वर्षा में सोंठ के चूर्ण और सेंधा नमक के साथ तथा सर्दियों में शहद के साथ लेने का विधान है। वात रोगों में हरड़ को घृत के साथ, पित्त में मिसरी के साथ तथा कफ में सेंधा नमक के साथ लिया जाता है।

प्रभावी औषधि

- पेट की समस्या को दूर करने के लिए हरड़ का प्रयोग सदियों से होता आया है ।
- यह त्रिफला चूर्ण का समभाग घटक भी है, जिसके गुणों से सभी परिचित हैं।
- हरड़ का अनेक शास्त्रीय औषधियों में बहुतायत प्रयोग होता है, जिनमें चित्रक हरीतकी साइनस के लिए, बढ़ती व्याघ्री हरीतकी अस्थमा के लिए, पथ्यादि क्वाथ माइग्रेन के लिए। अभयारिष्ट बवासीर और कब्जियत में तथा वैश्वानर चूर्ण का रूमेटायड आर्थराइटिस में प्रयोग होता है।
- सुलभता तथा महंगा नहीं होने के चलते हरड़ हर कोई ले सकता है।

जीवनशैली

डा. हर्षल आर साल्वे
प्रोफेसर, कम्युनिटी मेडिसिन, एम्स, नई दिल्ली

भारतीयों में बढ़ता मोटापा और खराब सेहत चिंता का विषय है। ऐसे में स्वास्थ्य का हमारा संकल्प सर्वोपरि होना चाहिए। दिनचर्या में आज की अनेक चुनौतियों के बीच अपने तन - मन को कैसे सही रखना है, इसे लेकर अब हमें अधिक सतर्क होना है...

हम सभी को पता है कि प्रतिदिन व्यायाम - प्राणायाम करना चाहिए, पर कैसे, कितना और क्यों का भी उत्तर जानना जरूरी है। उससे पहले हमें दिनचर्या में सक्रियता के महत्व को समझना होगा। इसी तरह आहार-विहार के संतुलन, भोजन में पौष्टिकता, बदलते मौसम में पर्याप्त पानी पीने के महत्व, अच्छी और पर्याप्त नींद, व्यस्तताओं के बीच तनाव का प्रबंधन और एक उम्र के बाद स्वास्थ्य की नियमित जांच के महत्व को भी समझना होगा। ये बातें भले ही सामान्य लगें, पर हमारे जीवन को स्वस्थ, दीर्घकालिक और आनंदपूर्ण बनाने में इनका बहुत अधिक योगदान होता है।

प्रतिदिन 30 मिनट का अनिवार्य व्यायाम : हमें दिनभर में 30 मिनट का समय व्यायाम के लिए अवश्य निकालना चाहिए। व्यायाम तीन-चार का प्रकार हो सकता है। आप व्यायाम वही करें, जिसमें सहजता महसूस हो। यह स्ट्रेचिंग हो सकती है या फिर कोई आसन-एक्सरसाइज । चूंकि, योग-प्राणायाम एक्सरसाइज नहीं हैं, इसके लिए आपको सूर्य नमस्कार या अन्य तरह के आसन जरूर करने चाहिए। प्रतिदिन चलना जरूरी है, पर साथ में आपको जागिंग, साइकिलिंग भी करना होगा । सप्ताह कम से कम दो दिन 30 मिनट की वेट ट्रेनिंग आवश्यक है। इसमें डंबल या हल्का वजन उठाने का प्रयास कर सकते हैं।

मांसपेशियों की मजबूती वाले करें व्यायाम: एनारोबिक एक्सरसाइज से आपकी मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इससे शरीर का पोषण और मेटाबोलिज्म सही होता है। इस तरह के व्यायाम से हड्डियों में मजबूती आती है। खासकर, 40 वर्ष की उम्र के बाद मांसपेशियों की मजबूती बनाए रखने के लिए व्यायाम अनिवार्य हैं। आमतौर, कम उम्र के बच्चे जिम में जाते हैं, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ लोग ऐसी गतिविधियों से दूर होने लगते हैं, जबकि उम्र बढ़ने के साथ इसकी आवश्यकता बढ़ती है। हफ्ते कम से कम दो दिन 30-30 मिनट मांसपेशियों को मजबूत करने वाले व्यायाम करना चाहिए।

लंबे समय तक बैठने से बचें : दिन में कम से कम बैठने का प्रयास करना चाहिए। अगर बैठकर काम करने की अनिवार्यता है तो हर 20 मिनट में शरीर में सक्रियता लाएं, थोड़ा उठकर चलें। बैठने की मुद्रा हमेशा सही रखनी चाहिए, ताकि शरीर में दर्द या अन्य कोई परेशानी न हो। आसपास या बाजार वाहन से जाने के बजाय पैदल जाएं। इसी तरह के लिफ्ट के बजाय सीढ़ियां चढ़ने का प्रयास करें। सप्ताह में कुछ दिन पेट्रोकेमिकल्स से फ्री रहने का प्रयास करें, यानी कार या गाड़ी निकालने के बजाय सार्वजनिक वाहन, साइकिलिंग, वाक करने का आप्शन चुनें।

तन-मन के अनुरूप भोजन : स्वस्थ आहार का महत्व सभी जानते हैं, पर क्या और कैसे आहार लेना है, यह नहीं पता होता । मार्केटिंग के जमाने में लोग तरह-तरह की डाइट और सप्लीमेंट के बारे में जानने लगे हैं। जबकि, नियम कहता है कि हमें अपने शरीर के लिए सबसे उपयुक्त स्वस्थ आहार को चुनना चाहिए। दिनभर में आप ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर में कोई दो विकल्प चुन सकते हैं। भोजन को लेकर आपकी एक पद्धति होनी चाहिए। जो भी नियम बनाएं, उसे लंबे समय तक चलाएं। कुछ लोग कार्बोहाइड्रेट यानी रोटी - चावल खाना छोड़ देते हैं, लेकिन ऐसा वे अधिक दिनों तक नहीं कर पाते, क्योंकि, हमारी दिनचर्या में ऐसे नियम फिट नहीं बैठते ।

क्या और कितना हो भोजन- हमारे भोजन में पर्याप्त कैलोरी के साथ वह पोषक तत्वों से भी भरपूर होना चाहिए। दिन में दो बार भोजन के अंतराल में पानी, छाछ आदि ले सकते हैं। ध्यान रखें कि भोजन में फल और सब्जियों की मात्रा कम के कम 40 प्रतिशत तक होनी चाहिए।

इसे सलाद के रूप में भी ले सकते हैं। मीठे की मात्रा कम से कम रखने का प्रयास करना चाहिए।

प्लास्टिक की बोतल में न पिएं पानी

बढ़ती गर्मी के साथ हाइड्रेट रहने की चुनौती बढ़ती है । जितनी प्यास लगे, उतना पानी हमें जरूर पीना चाहिए । लेकिन, पानी प्लास्टिक की बोतल में नहीं, क्योंकि इसमें माइक्रोप्लास्टिक होता है, जो मनुष्य के मस्तिष्क से लेकर फेफड़े तक पाया जा चुका है। बाहर निकलते समय अपने साथ स्टील, कांच या एल्युमिनियम पानी की बोतल जरूर रखना चाहिए। इसके दो फायदे हैं - हाइड्रेशन बना रहता है और प्यास लगने पर पानी के लिए भटकना नहीं पड़ता । साथ ही प्लास्टिक बोतल के पानी के लिए बाध्य नहीं होना पड़ता । शरीर में पानी की कमी होने पर थकान, चक्कर आने, गफलत जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसा होने पर नारियल पानी, नींबू पानी, सोडा पानी आदि ले सकते हैं। इससे शरीर में नमक की पर्याप्त मात्रा बनी रहेगी। परेशानी होने पर चिकित्सक से मिलना चाहिए।

बढ़ती गर्मी में न बढ़े बीपी की समस्या

तेज गर्मी से लो ब्लडप्रेशर और शरीर में पानी की कमी होने के कारण अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। सेहत को सही और बीपी को संतुलित रखने का क्या है उपाय, आइए जानें...

इन दिनों

डा. आकांक्षा रस्तोगी
सीनियर कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, मेदांता, गुरुग्राम

सर्दियों में ब्लडप्रेशर के हाइ होने की आशंका रहती है, उसी तरह तेज गर्मी में ब्लडप्रेशर के कम होने का जोखिम रहता है। सर्दी के दिनों में हमारी नसें और रक्तिवाहिकाएं सिकुड़ जाती हैं। इससे रक्तचाप बढ़ने लगता है। लेकिन तापमान बढ़ने के साथ रक्तवाहिकाओं का संकुचन कम हो जाता है, जिससे रक्तचाप भी कम होता है। ऐसी दशा में ब्लडप्रेशर के मरीजों को सतर्क रहना चाहिए। खासकर, अगर बीपी की दवा का सेवन कर रहे हैं तो ब्लडप्रेशर में हो रहे उतार-चढ़ाव की निगरानी भी करनी चाहिए।

बीपी कम होने पर किस तरह की होती है परेशानी : गर्मी के दिनों में ब्लडप्रेशर कम होने के पीछे एक बड़ा कारण डिहाइड्रेशन है। इसके अलावा शरीर में नमक की कमी होने जैसे कारणों से भी परेशानी बढ़ती है। चूंकि, गर्मी में पसीना अधिक निकलता है, जिससे नमक कम हो सकता है। बीपी लो होने पर चक्कर आने, थकान, बैठने या लेटने के बाद अचानक उठने पर चक्कर आने जैसी समस्या हो सकती है। गंभीरता की स्थिति में बेहोशी भी आ सकती है। लो बीपी में धुंधला दिखाई देने लगता है। कई बार उल्टी भी महसूस होने लगती है और एकाग्र होने में भी परेशानी महसूस होती है। जिन लोगों के शरीर में लगातार पानी की कमी बनी रहती है, उनमें डिप्रेशन की समस्या बढ़ सकती है। अगर इस तरह के लक्षण दिख रहे हैं तो ब्लडप्रेशर की जांच और निगरानी जरूर करनी चाहिए। सामान्य तौर पर सिस्टोलिक ब्लडप्रेशर के 90 और डायस्टोलिक के 60 से नीचे आने की दशा में हम लो ब्लडप्रेशर कहते हैं। हालांकि, कुछ लोगों में खासकर जो बहुत दुबले-पतले होते हैं और छोटी बच्चियों में अक्सर यह रेंज 90/60 पर ही रहती है। ऐसे लोगों को अपनी सेहत को लेकर थोड़ा सतर्क रहना चाहिए ।

शरीर में न हो पानी की कमी : अगर शरीर में पानी की कमी या डिहाइड्रेशन हो रहा है, तो यह कैसे पता चलेगा। अगर इसके सामान्य लक्षणों की बात करें तो यूरिन गाढ़ा पीला आने लगता है। जबकि, सामान्य तौर पर यूरिन सफेद या हल्का पीला आना चाहिए। अगर ऐसा हो रहा है तो यह शरीर में पानी की कमी होने का संकेत है। दूसरे, हर तीन से चार घंटे में यूरिन पास करना आवश्यक है। अगर इस आवृत्ति में यूरिन के लिए नहीं जा रहे हैं तो संभव है कि शरीर में पानी कमी हो रही है।

लो बीपी से बचने के क्या हैं उपाय

- लो ब्लडप्रेशर से बचने के लिए पर्याप्त द्रव का सेवन आवश्यक है। खूब पानी पिएं, साथ ही जूस, नारियल पानी नीबू पानी, सूप के रूप में द्रव की मात्रा बढ़ा सकते हैं।
- लो बीपी होने पर चाय या काफी ले सकते हैं। यह अस्थायी रूप से बीपी को बढ़ाते हैं। चूंकि, इसमें कैफीन होता है, इसलिए सीमित मात्रा में ही लें।
- गर्मी के दिनों में सत्तू लाभदायक होता है। यह शरीर को ठंडक प्रदान करने के साथ मजबूती भी प्रदान करता है।
- अधिक देर तक धूप में रहने से बचना और ठंड स्थान पर रहने का प्रयास करना चाहिए।
- तेज धूप के सीधे संपर्क में आने से हीटस्ट्रोक का खतरा हो सका है। इससे सिरदर्द, थकान, डिहाइड्रेशन और यूरिन संक्रमण का जोखिम रहता है।
- छोटे बच्चे और बुजुर्गों की गर्मी में परेशानी बढ़ जाती है. उन्हें पर्याप्त मात्रा में पानी देना चाहिए।
- अधिक तापमान के चलते वातावरण में बैक्टीरिया का स्तर बढ़ने लगता है। बाहर के भोजन से टाइफाइड, उल्टी, डायरिया हो सकता है।
- अच्छे से उबला और पका भोजन करना चाहिए। बाहर का कटा फल, सलाद, दुग्ध उत्पाद लेने से बचें।

सतर्क रहकर हड्डियों की मजबूती बनाए रखें

इसे भी जानें

डा. आर. के. सिंह
ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जन, कानपुर

बढ़ती उम्र व असंयमित जीवनशैली बनती है आस्टियोपोरोसिस का कारण। समय पर जांच, उपचार व पौष्टिक खानपान से किया जा सकता है इसे नियंत्रित..

आस्टियोपोरोसिस की बीमारी का भी सीधा संबंध उम्र और जीवनशैली से है। 40-45 साल के बाद अपनी गिरफ्त में लेने वाली इस बीमारी से पुरुषों की अपेक्षा महिलाएं अधिक प्रभावित होती हैं। यदि इसे गंभीरता से न लिया जाए तो यह स्वास्थ्य संबंधी बड़ी समस्या साबित होती है। इसके कारण हड्डियां खोखली हो जाती हैं और हड्डियों में क्षरण होने लगता है।

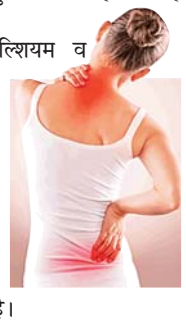

क्या है आस्टियोपोरोसिस : कैल्शियम व विटामिन-डी की कमी से होने वाली आस्टियोपोरोसिस की बीमारी में हड्डियां खोखली हो जाती हैं और उनमें क्षरण होने लगता है। बोन डेंसिटी कम होने के कारण ये लचर हो जाती हैं। आस्टियोपोरोसिस में हल्की सी चोट लगने या गिरने पर कूल्हे, कोहनी, कलाई, पैर आदि की हड्डी टूट जाती है यानी फ्रैक्चर होने की आशंका बनी रहती है।

उपचार : आवश्यक जांचों के आधार पर चिकित्सक इसका उपचार करते हैं। इसमें सर्जिकल व नान सर्जिकल दोनों ही विकल्प अपनाए जाते हैं।

महिलाएं हैं अधिक पीड़ित : इस बीमारी से महिलाएं अधिक ग्रसित होती हैं। शरीर में कैल्शियम की कमी, मेनोपाज के कारण व उम्र बढ़ने से कुछ खास हार्मोस का न बनना या असंतुलित होना भी इसका कारण है।

इस तरह करें पहचान

- सुबह उठने पर थकान महसूस करना।
- थोड़ा काम करने में ही थक जाना।
- हाथ, पैर व जोड़ों में दर्द रहना।
- कमर में खिंचाव या दर्द की समस्या होना।
- हल्की चोट में ही फ्रै. र हो जाना।

इसे जरूर अपनाएं

- मेनोपाज होने पर चिकित्सक से परामर्श लें।
- नियमित व्यायाम करें।
- अंकुरित अनाज का सेवन करें।
- डाइट में कैल्शियम और प्रोटीनयुक्त खाद्य पदार्थो को शामिल करें।
- सुबह की धूप जरूर लें।
- धूमपान, अल्कोहल व तंबाकू के सेवन से बचें।

किसी भी उम्र में हो सकते हैं बाल सफेद

असमय बालों का सफेद होना कई कारणों से होता है। यदि विटामिंस की कमी या त्वचा विकार के कारण बाल सफेद हो रहे हैं तो ही उपचार से इसे रोका जा सकता है..

हेल्थ फाइल

डा. अनूप धीर
सीनियर कास्मेटिक एंड प्लास्टिक सर्जन, अपोलो हास्पिटल, नई दिल्ली

बढ़ती उम्र के साथ बालों का रंग बदलना कुदरती है, लेकिन बालों में सफेदी उम्र के किसी भी दौर में दिखाई दे सकती है। यहां तक कि किशोरों में और 20-22 साल के युवाओं के बालों में भी सफेदी की झलक उभर सकती है। मनुष्य के शरीर में लाखों हेयर फालिकल्स होते हैं, ये त्वचा की भीतरी परत पर छोटी-छोटी थैलियों जैसे होते हैं। इनसे ही बाल पनपते हैं और बालों को रंग देने वाला मेलानिन पदार्थ पैदा करने वाले सेल्स भी यहीं बनते हैं। समय के साथ हेयर फालिकल्स अपने पिगमेंट सेल्स खोने लगते हैं जिसके कारण बालों की रंगत सफेद पड़ने लगती है।

विटामिंस की कमी भी है कारण : विटामिन बी6, बी12, डी, ई और बायोटिन की कमी की वजह से भी समय से पहले बालों में सफेदी आने लगती है। बालों की सफेदी आमतौर पर आनुवांशिक होती है, लेकिन शरीर में तनाव (आक्सीडेटिव स्ट्रेस) की वजह से भी समय से पहले ऐसा हो सकता है। आक्सीडेटिव स्ट्रेस की वजह से शरीर में असंतुलन बढ़ता है और इस स्थिति में शरीर में फ्री रेडिकल्स के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए पर्याप्त एंटीआक्सीडेंट्स मौजूद नहीं होते हैं। फ्री रेडिकल्स दरअसल, अस्थिर अणुओं को कहते हैं, जिनके कारण कोशिकाओं को क्षति पहुंचती है और शरीर रोगों की चपेट में आता है।

त्वचा विकार है बालों की सफेदी : आक्सीडेटिव स्ट्रेस अधिक होने से रोग बढ़ते हैं, स्किन पिगमेंटेशन कंडीशन या विटिलिगो की आशंका भी बढ़ जाती है। विटिलिगो की वजह से भी बालों से सफेदी झांकने लगती है, जो कि मेलानिन कोशिकाओं के खत्म हो जाने या उनकी कार्यक्षमता नष्ट होने की वजह से होता है। सफेद बाल एक खास तरह के त्वचा संबंधी विकार एलोपेसिया अरेटा के कारण भी हो सकते हैं। इस स्थिति में सिर के बाल झड़ते हैं और जब दोबारा बाल बढ़ते हैं तो मेलानिन की कमी के कारण सफेद हो जाते हैं।

तनाव भी है एक प्रमुख कारण : जीवन में तनाव का होना, जो कि किसी चोट की वजह से भी हो सकता है, भी समय से पहले बालों को सफेद करने का कारण बन सकता है। इसी तरह, धूमपान करने वाले लोगों में 30 साल की उम्र से पहले ही बालों के सफेद होने की संभावना दो से ढाई गुना तक बढ़ जाती है। विभिन्न तरह की हेयर डाई, हेयर कलर्स और अन्य हेयर प्रोडक्ट्स, यहां तक कि शैंपू वगैरह के इस्तेमाल से भी बालों का समय पूर्व सफेद होना देखा गया है। कारण, इन प्रोडक्ट्स में नुकसान पहुंचाने वाले कई तत्व मौजूद होते हैं, जो मेलानिन की मात्र घटाते हैं। अधिकांश डाई में मौजूद हाइड्रोजन पैराक्साइड ऐसा ही एक खतरनाक रसायन है। इसका अत्यधिक इस्तेमाल बालों को ब्लीच करता है, जिसके परिणाम स्वरूप बाल सफेद हो जाते हैं।

आनुवांशिक हैं तो नहीं है इलाज : याद रखिए कि अगर बालों में सफेदी का कारण आनुवांशिक या बढ़ती उम्र है तो आप किसी तरह से इसे रोक नहीं सकते, लेकिन अगर बालों में सफेदी का कारण कोई मेडिकल कंडीशन है तो आप हेयर ट्रीटमेंट से बालों का कलर पिगमेंटेशन लौटा सकते हैं। इसी तरह अगर खानपान और विटामिंस-मिनरल्स आदि की कमी के कारण बाल असमय सफेद हो रहे हैं तो उपचार द्वारा इस समस्या को गंभीर होने से रोका जा सकता है। इसके लिए सही उपचार काम आता है और बालों को सफेद होने से पूरी तरह से रोका जा सकता है। कुछ मामलों में तो इस प्रक्रिया को रिवर्स भी किया जा सकता है। नियमित रूप से कुछ प्राकृतिक उपाय बालों के सफेद होने की प्रक्रिया को काफी हद तक धीमा कर सकते हैं या मुमकिन है कि इसे रिवर्स भी कर सकते हैं, लेकिन एक समय तो ऐसा आता ही है कि हरेक के बाल सफेद होते ही हैं।

संक्षिप्त खबरें

कांग्रेस से भाजपा में आए घाड़गे पर एफआईआर

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। जहांगीराबाद पुलिस ने कांग्रेस से भाजपा में गए केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के समर्थक कृष्णा घाड़गे के खिलाफ भड़काऊ भाषण देने के मामले में मामला दर्ज किया है। घाड़गे ने आपत्तिजनक बयान का वीडियो वायरल हुआ था। फिलहाल, आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पुलिस के मुताबिक, स्टेट बैंक कॉलोनी जहांगीराबाद निवासी यशवंत यादव कांग्रेस के ब्लाक अध्यक्ष हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि 28 अप्रैल को सोशल मीडिया में एक वीडियो देखा। जिसमें बीजेपी का नेता कृष्णा घाडगे रात 9 बजे जहाँगीराबाद में आमसभा को संबोधित करते समय मध्य विधायक आरिफ मसूद को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। घाड़गे कह रहे कि कुत्तों को छोडेंगे नहीं, इस चौराहे पर मौजूद पाकिस्तानी ऐंजेट जो सुन रहे हैं..तमाम तरह की भड़काऊ स्पीच उन्होंने दी। पुलिस ने जांच के बाद मामला दर्ज किया।

वेतन के साथ अनुभव प्रमाण पत्र मांगने पर कर्मचारी से मारपीट

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित मेट्रो प्लाजा में एक ग्राफिक्स डिजाइनिंग के दफ्तर में वेतन और अनुभव प्रमाण पत्र मांगने पहुंचे कर्मचारी से मारपीट करने और अंगूठा दांत से कांटने का मामला सामने आया है। विपिन सिंह पिता दिनेश सिंह (24) नेहरू नगर में रहता है और माखन लाल पत्रकारिता यूनिवर्सिटी में मास कम्युनिकेशन की पढ़ाई कर रहा है। उसने पुलिस को बताया कि वह मेट्रो प्लजा में संचालित ग्राफिक्स डिजाइनिंग के ऑफिस में वीडियो कटिंग व डिजाइनिंग का काम करता था। मूलतः भरतपुर राजस्थान निवासी विपिन सिंह को काम छोड़कर भरतपुर जाना था। बुधवार दोपहर दो बजे वह ग्राफिक्स डिजाइनिंग के दफ्तर पहुंचा वहां उसे प्रखर मलिक और उसका साथी मिला। विपिन ने बची हुई सेलरी और अनुभव प्रमाण पत्र देने की बात कही। इस पर वहां मौजूद प्रखर मलिक ने उसे अनुभव प्रमाण पत्र देने से इंकार कर दिया। विपिन का कहना था कि अनुभव प्रमाण पत्र नहीं मिलने से वह दूसरी जगह काम नहीं कर सकेगा। विवाद के वाद उससे मारपीट कर दी गई।

कर्मचारियों ने सीएम को लिखे खून से पोस्टकार्ड

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मप्र कर्मचारी मंच के नेतृत्व में गुरुवार को मजदूर दिवस पर अंशकालीन कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नाम से पोस्टकार्ड लिखा है। खून से पोस्टकार्ड लिखने वालों में मंगल सिंह गंधवानी जिला धार, आदित्य सिसोदिया धर्मपुरी धार, चंपा वारटी बैतूल, जयंती उईके बैतूल, प्रमिला धुर्वे बैतूल, लीला चौहान, सीता नायक और राम प्रसाद राजगढ़ प्रमुख रूप से शामिल हैं। मप्र कर्मचारी मंच के प्रांताध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि प्रदेश के 50 हजार अंशकालीन कर्मचारियों को 10 साल की सेवा पूर्ण होने के बावजूद कलेक्टर दर का वेतन नहीं दिया जा रहा है। 8 घंटे सेवा करने के बाद भी मात्र 5000 रुपये वेतन प्रतिमाह दिया जा रहा है। पीएफ, बीमा, पेंशन और अवकाश सुविधा भी नहीं दी जा रही है।

आरोपियों पर हो सख्त कार्रवाई

विसं, भोपाल। पूर्व विधायक ध्रुव नारायण सिंह ने गुरुवार को भोपाल पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्र को आवेदन देकर कालेजी छात्राओं के साथ दुष्कर्म करने वाले सभी आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। सिंह ने कहा कि मुस्लिम लड़कों ने लव जिहाद के फार्मूले के माध्यम से वर्ग विशेष की छात्राओं का देह शोषण किया है। पुलिस प्रशासन को उनकी जांच करके कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने सीपी से आग्रह किया कि इस मामले में जितने युवक शामिल हैं उनके मकान की जांच हो उनके मकानों को ध्वस्त किया जाए ।

शराब ठेकेदारों की मनमानी, एमआरपी से ज्यादा वसूल रहे दाम

ग्राहकों की डिमांड वाले ब्रांड गायब, सिंडिकेट के आगे आबकारी महकमा भी असहाय

मुख्य संवाददाता, भोपाल। राजधानी में शराब दुकानों के नए वित्त वर्ष (2025-26) के लिए हुए ठेकों ने शराब के शौकीनों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। भोपाल में अब वाइन शॉप्स पर न केवल अधिकतम विक्रय मूल्य (एमआरपी) से अधिक पर शराब बेची जा रही है, बल्कि शराब के कई ब्रांड दुकानों से गायब हो गए हैं। ऐसे में मदिरा के शौकीनों को न केवल मनमाने दाम पर महंगी शराब खरीदनी पड़ रही है, वहीं उन्हें अधिक पैसा देकर भी मनचाहे ब्रांड की शराब नहीं मिल पा रही है। सरकार और आला अफसरों की नाक के नीचे खुलेआम जारी इस मनमानी पर आबकारी महकमा भी शांत है। दिखावे के लिए भले ही विभाग की टीमें छोटे-मोटे अवैध शराब के तस्करों को पकड़ रही हैं, लेकिन शराब कारोबारियों द्वारा संगठित रूप से ग्राहकों से हो रही लूट को लेकर आबकारी महकमा अलग ही तर्क दे रहा है। इसकी हकीकत जानने के लिए जागरण की टीम ने अलग-अलग इलाकों में शराब दुकानों पर जाकर हकीकत का पता लगाया।

जीटीवी कांप्लेक्स और टीन शेड सहित शहर की कई दुकानों पर एपआरपी से महंगी शराब बेची जा रही है। जागरण टीम ने दुकानों पर जाकर इसकी हकीकत जानी।

केस नंबर 1

शराब दुकान जीटीबी कॉम्पलेक्स

बुधवार - शाम 4 बजकर 30 मिनट

दुकान पर तय रेट से अधिक दाम वसूले जा रहे हैं। 230 रुपए एमआरपी वाली बीयर के लिए 260 और 180 एमआरपी वाली बीयर के 230 रुपए मांगे गए। दुकान पर बैठे कर्मचारी से जब अधिक दाम मांगने पर सवाल किया तो कहा कि हम इसी रेट पर बेचते हैं, अगर कहीं और से एमआरपी पर मिल जाए तो वहां से खरीद लो।

केस नंबर 2

शराब दुकान जहांगीराबाद

बुधवार - शाम 5 बजे

पुलिस मुख्यालय के ठीक सामने स्थित इस शराब दुकान पर भी यही कहानी दोहराई गई। बीयर के कैन पर 160 रुपए प्रिंट था जबकि इसके लिए 180 रुपए मांगे गए। जब सवाल किया तो सेल्समेन ने जवाब दिया कि हम तो इतने रेट में ही बेच रहे हैं। साथ ही उसने बोला कि इस ब्रांड की सप्लाई शॉर्ट हो जाएगी तो इसे 200 में भी बेचेंगे।

केस नंबर 3

कंपोजिट शराब दुकान टीन शेड

गुरुवार शाम 5 बजकर 30 मिनट

दुकान पर जाकर व्हिस्की की एक बोतल की मांग की गई। दुकान के सेल्समेन ने कहा कि जिस डिमांड की व्हिस्की मांग रहे हो उसकी सप्लाई बंद हो गई है। इसके बाद हमने दूसरे ब्रांड की सस्ती व्हिस्की की बोतल मांगी। इस पर 600 रुपए एमआरपी दर्ज थी जिसके लिए 800 रुपए मांगे गए।

केस नंबर 4

शराब दुकान एमपी नगर

मंगलवार रात 9.30

शराब दुकान पर व्हिस्की के एक क्वार्टर पर प्रिंट रेट 170 के बजाय 200 रुपए की डिमांड की गई। जब दाम एमआरपी से अधिक होने की बात कही तो सेल्समेन ने साफ कह दिया कि एमआरपी पर शराब नहीं मिलेगी। डिपार्टमेंट से ही महंगी शराब सप्लाई हो रही है। बता दें कि राजधानी की अधिकतर दुकानों पर एमआरपी से अधिक कीमत पर शराब बेची जा रही है।

दाम बढ़ने और ब्रांड गायब होने की इनसाइड स्टोरी

भोपाल में 4 समूह में बंटी 87 शराब दुकानों को चलाने का ठेका इस बार सिंडिकेट के हाथ में है, पिछले वित्त वर्ष (2024-25) में शराब दुकानों का संचालन छोटे कारोबारियों के पास था। इस वित्त वर्ष (2025-26) के लिए राजधानी की शराब दुकानों को चार समूह में बांटा गया। इनमें से तीन समूह के ठेके एक बड़े कारोबारी ने अलग-अलग फर्म के नाम पर लिए हैं। यह फर्म खुद ही शराब निर्माता भी है। इसी कारण वह अन्य ब्रांड के बजाय केवल अपने ही बनाए ब्रांड की शराब बेच रही है। इस मामले में आबकारी विभाग के अफसर भी हाथ नहीं डाल पा रहे हैं, क्योंकि शराब कारोबारी विभाग से होने वाली सप्लाई के लिए दूसरे ब्रांड की शराब ही नहीं खरीद रहा है।

सीधी बात - वीरेंद्र धाकड़ सहायक आबकारी आयुक्त, भोपाल

सवाल - शराब दुकानों पर एमआरपी से अधिक पर शराब बेची जा रही है। क्या कार्रवाई की ?

जवाब - आबकारी विभाग में एमआरपी का कॉन्सेप्ट है। तय कीमत से अधिक पर शराब बेचने वाली दुकानों पर कार्रवाई और जुर्माने के प्रावधान है। हमारे पास कई शिकायतें आई हैं, जिनकी जांच की गई। पता चला है कि पुरानी और नई एमआरपी के कारण इस तरह की शिकायतें आ रही हैं। कई शराब दुकान के संचालकों के पास पुराने स्टॉक की शराब सप्लाई हुई है जिस पर एमआरपी वर्तमान दरों से कम प्रिंट है। ऐसे में शराब दुकान संचालकों को अधिकार है कि वे नई एमआरपी पर शराब बेच सकें।

सवाल - कई ब्रांड बाजार से गायब हैं, मांगने पर भी नहीं मिल रहे। क्या यह ग्राहकों (उपभोक्ता) के अधिकार का हनन नहीं है ?

जवाब - इस पर एक्साइज का कंट्रोल नहीं है। रिटेलर अपनी डिमांड के हिसाब से ऑनलाइन मांग विभाग को भेजता है। भोपाल में ऑन रिकॉर्ड कोई भी ठेकेदार नहीं है, जो खुद निर्माता हो। शराब नशीले पदार्थ में होने के कारण कंज्यूमर के अधिकार में नहीं है। अगर ठेकेदार किसी रजिस्टर्ड ब्रांड की डिमांड भेजेगा तो उसे उस ब्रांड की मदिरा सप्लाई कर दी जाएगी।

मंत्री के पास पहुंचे स्कूलों की मान्यता के 500 आवेदन

आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय ने निरस्त किए हैं आवेदन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। सूबे में संचालित निजी स्कूलों को मान्यता देने का मामला अब स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह के पास पहुंच गया है। क्योंकि आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय और संयुक्त संचालक ने बड़ी संख्या में स्कूलों के आवेदनों निरस्त कर दिए हैं। सिंह ने आवेदनों पर सुनवाई शुरू कर दी है।

अभी तक मंत्री सिंह को करीब पांच सौ स्कूलों के आवेदन मिल चुके हैं। स्कूलों की मान्यता के आवेदन आनलाइन लिए जाते हैं। पहले मान्यता में पोर्टल पर सभी को देखने की सुविधा दी गई थी। किस आधार पर स्कूलों को मान्यता दी गई है और निरस्त की गई है। अब पोर्टल से उक्त आप्शन को हटा दिया गया है। पोर्टल पर सिर्फ मान्यता प्राप्त स्कूलों की सूची भर दिखाई जा रही है। पहली से आठवीं तक के अधिकांश स्कूलों को मापदंड पूरे नहीं होने के कारण मान्यता देने या निरस्त करने के विकल्प को पोर्टल से हटा दिया गया है। सूबे में स्कूलों की मान्यता का अंतिम दौर चल रहा है। पहली से आठवीं तक की मान्यता राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा डीपीसी के माध्यम से दी गई। जबकि नवमीं से बारहवीं तक की मान्यता लोक शिक्षण ने संभागीय

संयुक्त संचालकों के माध्यम से दी है। भोपाल समेत कुछ जिलों में मान्यता के प्रकरणों का डीपीसी पूरा नहीं कर पाए हैं। जबकि संभागीय संयुक्त संचालक मान्यता के प्रकरणों का निराकरण कर चुके हैं। जेडी के मान्यता निरस्त करने के बाद पहली अपील में आयुक्त लोक शिक्षण के समक्ष शुरू होकर समाप्त भी हो चुकी है। आयुक्त लोक शिक्षण के पास मान्यता के 900 आवेदन पहुंचे थे। इनमें से जेडी के निरस्त करने के बाद चार सौ स्कूलों को मान्यता मिली है। अब विभागीय मंत्री राव उदय प्रताप सिंह दूसरी अपील में मान्यता के प्रकरणों की सुनवाई कर रहे हैं। उनके पास ऑफलाइन पांच सौ आवेदन पहुंचे हैं। इनकी सुनवाई के बाद ही साफ हो सकेगा कि जेडी व आयुक्त के मान्यता निरस्त करने के बाद अब कितने स्कूलों को मंत्री स्तर पर मान्यता दी जाएगी।

मीडियाकर्मी के साथ देर रात मारपीट कर लूट का प्रयास

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। पिपलानी इलाके में एक मीडियाकर्मी के साथ देर रात मारपीट कर लूट का प्रयास किया गया। पिपलानी पुलिस के मुताबिक संजीव श्रीवास्तव निजी मीडिया संस्थान में पत्रकार हैं। 29 अप्रैल की देर रात डेढ़ बजे वह काम खत्म कर घर जा रहे थे। वह गोपालनगर दीप मोहनी कॉलोनी के सामने पुलिया पर पहुंचे थे, तभी मोपेड सवार दो बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। मारपीट कर उन्हें लूटने की कोशिश की। संदीप बदमाशों से भिड़ गए। एक बदमाश ने चाकू निकालकर संदीप के पेट पर जानलेवा हमला किया। संदीप ने हाथ से चाकू पकड़ लिया। इससे उनके हाथ में चोट आई। बदमाश ने फिर से चाकू से उनके सिर पर हमला कर लहूलुहान कर दिया। इसके बाद आरोपी मौके से भाग निकले। गंभीर रूप से घायल संदीप को एम्स में भर्ती कराया गया। पिपलानी थाना प्रभारी अनुराग लाल का कहना है कि आरोपियों की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है।

इधर, कमलानगर इलाके में बुधवार को बदमाश असद, दादू, गौरव ने दक्ष बुंदेला (18) पिता संजय बुंदेला पर अड़ीबाजी कर तलवार से हमला कर दिया। हमले से दक्ष के हाथ में गंभीर चोट आई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हर सप्ताह होगा कामकाजी महिलाओं का हेल्थ चेकअप

मजदूर दिवस पर लगा शिविर, 1000 महिलाओं ने कराई जांच

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। घरों में काम करने वाली कामकाजी दीदियों एवं महिला श्रमिकों के लिए लगाए गए स्वास्थ्य परीक्षण शिविरों में 1056 महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भोपाल द्वारा 1 मई को अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर 21 स्थानों पर शिविर लगाए गए थे। कामकाजी महिलाओं की सुविधा के अनुरूप दोपहर 1.00 बजे से लगाए शिविरों में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। शिविरों में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। सीएमएचओ भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि अब हर गुरुवार को कामकाजी महिलाओं के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविरों में स्त्री एवं प्रसूति रोग, टीकाकरण, हाई रिस्क चिन्हांकन, पोषण परामर्श सेवाएं दी गईं। एनीमिया प्रबंधन के लिए आयरन फोलिक एसिड गोलियां देकर उनके सेवन की विधि बताई गई। शिविरों में 646 की उच्च रक्तचाप की जांच में 59 का रक्तचाप बढ़ा हुआ मिला है। 628 की मधुमेह जांच में 42 लोगों में शर्करा बड़ी हुई पाई गई है। इन सभी को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से टैग कर नियमित जांच करवाई जावेगी एवं चिकित्सकीय परामर्श अनुसार उपचार प्रारम्भ किया जायेगा। शिविरों में 104 आभा आईडी एवं 25 आयुष्मान कार्ड बनाए गए। 68 गर्भवती महिलाओं की जांच भी की गई। साथ ही 42 बच्चों का टीकाकरण किया गया।

ग्लोबल स्किल्स पार्क के 50 स्टूडेंट्स का प्लेसमेंट

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क के आठवें बैच को शत-प्रतिशत प्लेसमेंट मिला है। कुल 54 विद्यार्थियों में से 50 ने प्लेसमेंट प्रक्रिया में भाग लिया और सभी को देश की नामचीन कंपनियों में नौकरी मिली। विद्यार्थियों को हाईएस्ट पैकेज 4 लाख रुपए सालाना पर जॉब ऑफर दिए गए हैं। मजबूत ट्रेनिंग सिस्टम, अनुभवी ट्रेनर्स और विद्यार्थियों की मेहनत के चलते उन्हें यह प्लेसमेंट मिले हैं। संस्थान प्रदेश के युवाओं को विदेशों, खासकर जर्मनी में भी रोजगार दिलाने की दिशा में काम कर रहा है। इसके लिए जर्मन भाषा, व्यावसायिक स्किल्स, परीक्षा शुल्क और स्टाइपेंड जैसी सुविधाएं भी निःशुल्क दी जा रही हैं।

गोल्ड गिरवी रखने का झांसा देकर तीन लाख की ठगी

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। शाहपुरा इलाके में मुथुट फायनेंस कंपनी को एक जालसाज ने तीन लाख रुपए की चपत लगा दी। आरोपी ने कंपनी को झांसा दिया कि उसका गोल्ड किसी दूसरी फायनेंस कंपनी में गिरवी रखा है। यदि मुथुट फायनेंस कंपनी अधिक पैसा देगी तो वह गोल्ड उस कंपनी से निकालकर उनकी कंपनी में गिरवी रख देगा। जरूरी कागजी कार्रवाई करने के बाद फायनेंस कंपनी ने बिना सोना गिरवी रखे जालसाज को सवा तीन लाख रुपए का चेक थमा दिया। आरोपी चेक के माध्यम बैंक से नगदी निकालकर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार वसंत देशपांडे रोहित नगर शाहपुरा स्थित मुथुट फायनेंस कंपनी के कर्मचारी हैं। उन्होंने बताया कि नर्मदापुरम निवासी राकेश चौरे नामक व्यक्ति का उनकी शाखा में आना-जाना था। जनवरी 2025 में राकेश मुथुट फायनेंस कंपनी की रोहित नगर ब्रांच पहुंचा और मैनेजर से कहा कि उसने न्यू मार्केट स्थित एक गोल्ड लोन कंपनी में गोल्ड गिरवी रखकर लोन लिया है। मुथुट अधिक पैसा देगा तो वह उस कंपनी से गोल्ड निकालकर यहां गिरवी रख दूंगा। मैनेजर तैयार हो गए। कंपनी के मुख्यालय से संपर्क करने के बाद जरूरी कागजी कार्रवाई की गई और राकेश चौरे को सवा तीन लाख रुपए का चेक थमा दिया।

जिला प्रशासन ने अवैध कॉलोनी की बाउंड्रीवॉल और गेट तोड़े

जागरण, भोपाल। बिशनखेड़ी क्षेत्र में गुरुवार को जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की। यहां दो अवैध कॉलोनियों के निर्माण को जेसीबी की मदद से तोड़ा गया। इसमें बाउंड्रीवॉल और गेट शामिल हैं। हुजूर एसडीएम विनोद सोनकिया ने बताया कि अवैध कॉलोनियों में किए गए निर्माण की पहले जांच की गई। जांच के बाद गुरुवार को पुलिस बल के साथ कार्रवाई की। दोनों ही जमीनों की कुल कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपए है। बिशनखेड़ी में शुभम साहू और नजमा बी की जमीन पर अवैध कॉलोनी का निर्माण किया गया था। साथ ही, प्लॉट भी बेचे जा रहे थे। इसके अलावा जियाबाई की जमीन पर भी कॉलोनी काटी गई थी। इन दोनों कालोरियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

रीढ़ की हड्डी में था टेढ़ापन, एम्स के डॉक्टरों ने सर्जरी से किया ठीक

3डी सीटी इमेजिंग की मदद से 14 वर्षीय किशोर का सफल आपरेशन

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के चिकित्सकों ने एक 14 वर्षीय किशोर मरीज का सफल आपरेशन कर उसकी बचपन की बीमारी को ठीक किया है। इस आपरेशन के बाद मरीज स्वस्थ्य है। जानकारी अनुसार हाल ही में एम्स भोपाल में एक 14 वर्षीय मरीज की गंभीर स्कोलियोसिस (रीढ़ की हड्डी में अत्यधिक टेढ़ापन) की सफल सर्जरी की गई। यह जटिल ऑपरेशन एम्स भोपाल के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा अत्याधुनिक नेविगेशन तकनीक और 3डी सीटी इमेजिंग की मदद से किया गया। सर्जरी के बाद मरीज अब पूरी तरह स्वस्थ है और उसकी लम्बाई ऑपरेशन से पहले की तुलना में लगभग 2 सेंटीमीटर बढ़ गई है। यह न केवल चिकित्सकीय दृष्टि से बल्कि भावनात्मक और मानसिक रूप से भी मरीज और उसके परिवार के लिए अत्यंत सुकूनदायक उपलब्धि रही। यह सर्जरी डॉ. वीके वर्मा एवं उनकी टीम के द्वारा की गई और एनेस्थीसिया से डॉ. शिखा जैन शामिल थीं।

कारण और लक्षण

डॉक्टरों के अनुसार, यह समस्या जेनेटिक, न्यूरोमस्कुलर विकार (जैसे सेरेब्रल पाल्सी), चोट, या अज्ञात कारणों से हो सकती है। लक्षणों में असमान कंधे/कूल्हे, पीठ दर्द, चलने में कठिनाई, और गंभीर मामलों में सांस लेने की समस्या शामिल हैं।

क्या होता है स्कोलियोसिस

पीडियाट्रिक स्पाइनल डिफॉर्मिटी बच्चों में रीढ़ की हड्डी के असामान्य आकार या संरचना को दर्शाती है। यह जन्मजात, विकास के दौरान उत्पन्न, या किसी चोट/बीमारी के कारण हो सकती है। यह चार प्रकार की होती है।

स्कोलियोसिसः इसमें रीढ़ का बगल की ओर असामान्य घुमाव।

काइफोसिसः रीढ़ का अत्यधिक झुकाव, जिससे कूबड़ जैसी स्थिति।

लॉर्डोसिसः रीढ़ का अंदर की ओर असामान्य झुकाव।

स्पॉन्डिलोलिस्थीसिसः एक कशेरुका का दूसरे पर खिसकना।

JAIPRAKASH POWER VENTURES LIMITED

Regd. Office : Complex of Jaypee Nigrie Super Thermal Power Plant, Nigrie, Tehsil Sarai, District Singrauli - 486 669, (Madhya Pradesh)
Corporate Office: 'JA House' 63, Basant Lok, Vasant Vihar, New Delhi - 110057 (India)
Website: www.jppowerventures.com **Email:** jpvl.investor@jalindia.co.in **CIN :** L40101MP1994PLC042920

STATEMENT OF STANDALONE & CONSOLIDATED AUDITED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER/YEAR ENDED 31st MARCH, 2025

(Rs. in Lakhs Except Earning Per Share)

Sr. No.	Particulars	Standalone					Consolidated				
		Quarter Ended			Year Ended		Quarter Ended			Year Ended	
		31.03.2025	31.12.2024	31.03.2024	31.03.2025	31.03.2024	31.03.2025	31.12.2024	31.03.2024	31.03.2025	31.03.2024
		Audited	Unaudited	Audited	Audited	Audited	Audited	Unaudited	Audited	Audited	Audited
1	Total Income from Operations (net)	136,634	125,635	186,353	570,630	715,100	136,667	125,663	186,363	570,755	715,129
2	Net Profit / (Loss) for the period (before tax and exceptional items)	20,069	19,232	85,055	121,456	171,028	20,092	19,251	85,058	121,561	171,032
3	Net Profit / (Loss) for the period before tax (after exceptional items)	20,069	19,232	21,222	121,456	91,323	20,092	19,251	54,817	121,561	124,919
4	Net Profit / (Loss) for the period (after tax and exceptional items)	15,549	12,465	25,284	81,073	68,610	15,567	12,668	58,879	81,355	102,195
5	Total Comprehensive Income for the period [Comprising Profit / (Loss) for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	15,540	12,469	25,239	81,075	68,625	15,558	12,672	58,834	81,357	102,210
6	Equity Share Capital	685,346	685,346	685,346	685,346	685,346	685,346	685,346	685,346	685,346	685,346
7	Other Equity				161,978	80,903				162,221	80,864
8	Earnings Per Share (of Rs. 10/- each) (in Rs.)										
	Basic :	0.16	0.14	0.33	0.89	0.73	0.15	0.14	0.69	0.89	1.09
	Diluted :	0.16	0.14	0.33	0.89	0.73	0.15	0.14	0.69	0.89	1.09

Note : The above is an extract of the detailed statement of Quarter/Year ended Financial Results filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full Quarter/Year ended Financial Results are available on the Stock Exchange websites i.e. **www.bseindia.com** & **www.nseindia.com** and also on the Company's website i.e. **www.jppowerventures.com.**

Place : New Delhi
Dated : 01st May,2025

JAYPEE GROUP

For and on behalf of the Board
MANOJ GAUR
Chairman
DIN 00008480

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

जातिगत जनगणना बदल सकती है सारे समीकरण

भारत सरकार ने आखिर एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए आगामी जनगणना में जातिगत गणना को शामिल करने की घोषणा कर ही दी है। यह निर्णय केंद्रीय मंत्रिमंडल और राजनीतिक मामलों की कैबिनेट कमेटी द्वारा मंजूर किया गया। यह भी तय है कि जाति जनगणना के बाद जातियां आबादी के हिसाब से आरक्षण की भी मांग करेंगी। वहीं, सरकार के इस कदम के साथ विपक्ष के हाथ से एक बड़ा मुद्दा भी निकल गया है, जिसे उसने पिछले आम चुनाव में भुनाने की कोशिश की थी। हालांकि, इस घोषणा के साथ एक महत्वपूर्ण सवाल अनुत्तरित रह गया है कि जनगणना और इसके साथ होने वाली जातिगत गणना आखिर कब शुरू होगी?

समय सीमा की यह अस्पष्टता न केवल प्रशासनिक चुनौतियों को उजागर करती है, बल्कि राजनीतिक और सामाजिक बहस को भी हवा दे रही है। जातिगत गणना का यह निर्णय बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले लिया गया है, जो इसके राजनीतिक निहितार्थों को और गहरा करता है। भारत में जनगणना की शुरुआत अंग्रेजी हुकूमत के दौर में, सन 1872 में हुई थी। 1931 तक हुई हर जनगणना में जाति से जुड़ी जानकारी को भी दर्ज किया गया। आजादी के बाद सन 1951 में जब पहली बार जनगणना कराई गई, तो तय हुआ कि अब जाति से जुड़े आंकड़े नहीं जुटाए जाएंगे। स्वतंत्र भारत में हुई जनगणनाओं में केवल अनुसूचित जाति और जनजाति से जुड़े डेटा को ही पब्लिश किया गया। 2011 के सामाजिक आर्थिक और जातिगत जनगणना में जाति के आंकड़ों को सरकार ने इसलिए सार्वजनिक नहीं किया, क्योंकि इसमें कई विसंगतियां बताई गई थीं। विपक्षी दलों ने जाति जनगणना की मांग इसलिए उठाई थी ताकि इस आधार पर आगे आरक्षण को तर्कसंगत बनाया जाए और जातीय गोलबंदी कर चुनावी फायदा लिया जाए। एनडीए पहले तो इसे लेकर दुविधा में थी, लेकिन जाति जनगणना का ऐलान कर अब उसने इस मुद्दे पर बढ़त बना ली है। लेकिन यह भी देखना होगा कि इसके आंकड़े आने के बाद आबादी के अनुपात में आरक्षण की मांग से वह कैसे निपटती है। फिर इस तरह की पहल जिन राज्यों में हुई है, वहां भी इसे लेकर विवाद चल रहा है।

> केंद्र सरकार का अगली जनगणना के साथ जाति जनगणना कराने का निर्णय जितना बड़ा है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। यह कदम देश के राजनीतिक और सामाजिक समीकरणों को बदल सकता है।

हाल में कर्नाटक में जाति जनगणना की रिपोर्ट लीक हो गई। इसने वहां कांग्रेस सरकार के लिए मुश्किलें खड़ी कर दीं। रिपोर्ट में ओबीसी के लिए आरक्षण को 32फीसद से बढ़ाकर 51फीसद और मुस्लिम समुदाय के लिए 4फीसद से 8फीसद करने की सिफारिश की गई थी। वहीं, राज्य में प्रभावशाली लिंगायत और वोक्कालिगा समुदायों की आबादी उनकी उम्मीद से कम निकली। सर्वे के तरीके पर भी सवाल उठाए गए। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जातिगत जनगणना की घोषणा करते हुए कहा कि इससे समाज आर्थिक-सामाजिक दृष्टि से मजबूत होगा। लेकिन, अगर इसे सही ढंग से नहीं संभाला गया, तो यह विवाद भी खड़े कर सकता है। कर्नाटक हो या बिहार, पुराने सर्वे यही बताते हैं कि कभी भी, हर कोई पूरी तरह संतुष्ट नहीं हुआ। यह भी तय है कि इससे आरक्षण का मुद्दा जोर पकड़ सकता है।

मौसम का बदलता मिजाज और सुलगते जंगल

पर्यावरण संरक्षण

नैसर्गिक सौंदर्य, हरी-भरी पहाड़ियों और उनमें बसने वाले दुर्लभ जानवरों के लिए मशहूर कश्मीर के जंगल बुरी तरह सुलग रहे हैं। पिछले वर्ष यहां 1,024 जंगल में आग की घटनाओं में कोई 3,551 हेक्टेयर जंगल खाक हुए थे। इस वर्ष अकेले फरवरी-मार्च में 91 जगह जंगल सुलगे, अप्रैल के दस दिनों में दक्षिण कश्मीर में त्राल, पिनहलीता, डाचीनपुरा, खुबारीपुरा सहित 20 जगहों पर कई किलोमीटर जंगल सूने हो गये। बिहार के वाल्मीकि संरक्षित वन में तो गर्मी आते ही कई जगह आग लग गयी। बिहार आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट 2024-25 बताती है कि इस जंगल में एक वर्ष में 283 से 771 वनाग्नि की घटनाएं हो गयी हैं। घने जंगलों के लिए मशहूर बस्तर में तो चित्रकोट के आसपास बार-बार जंगल सुलग रहे हैं। बीते एक वर्ष में यहां 512 स्थानों पर आग लगी जिसमें 25 हेक्टेयर से अधिक जंगल जल गये। राजस्थान के माउंट आबू के भील बस्ती के पास के जंगल गत 20 दिनों में तीन बार सुलगे। उधर रणथंभौर और राजसमंद के जंगल भी धधक रहे हैं।

जलवायु परिवर्तन के कारण धरती की कम होती नमी और गर्मी के बढ़ते दिनों की संख्या के चलते जंगलों की आग केवल वन के लिए ही नहीं, कार्बन उत्सर्जन बढ़ने से समूची पृथ्वी के लिए हानिकारक है। भारत में वनों की आग एक गंभीर पर्यावरणीय और सामाजिक संकट बन चुकी है। उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र और हिमाचल जैसे राज्यों में हर वर्ष हजारों हेक्टेयर जंगल आग की भेंट चढ़ जाते हैं। यह न केवल जैव विविधता को खतरे में डालता है, बल्कि स्थानीय जनसंख्या, वनों पर निर्भर समुदायों और पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर भी असर डालता है।

जलवायु परिवर्तन भारत में जंगलों में आग लगने की समस्या को और भी जटिल बना रहा है। मानसून की अनियमितता और कम वर्षा के कारण कई वन क्षेत्र सूखे का सामना कर रहे हैं। शुष्क वनस्पति आग के लिए ईंधन का काम करती है। जलवायु परिवर्तन के कारण हीटवेव और सूखे जैसी चरम मौसम की घटनाएं अधिक बार और अधिक तीव्र हो रही हैं, जिससे जंगलों में आग लगने का खतरा बढ़ रहा है। हाल ही में देश में कई जगह आंधी के साथ बिजली गिरी, इससे भी जंगलों में आग की संभावना बढ़ी। कुछ जगह पेड़ों पर बिजली गिरने से आग लगी और तेज हवा ने उसे विस्तार दे दिया। वन और पर्यावरण मंत्रालय द्वारा हाल ही में संसद में पेश रिपोर्ट के अनुसार, देश के दस प्रतिशत वनक्षेत्र को आग लगने वाले अति संवेदनशील क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, जंगल में आग लगने की घटनाओं का आकलन नवंबर से जून महीने तक किया जाता है। इस दौरान नवंबर 2022 से जून 2023 के बीच देश में जंगल में आग लगने की कुल 2.12 लाख घटनाएं रिपोर्ट हुई थीं, जबकि नवंबर 2023 से जून 2024 के बीच यह संख्या 2.03 लाख रिपोर्ट हुई थी। हालांकि मध्य भारत के अधिकांश जंगलों में आग के पारंपरिक कारण मानवीय लापरवाही रही है। पर कश्मीर और हिमालय की गोद में बसे राज्यों जैसे उत्तराखंड, या उत्तर-पूर्वी राज्यों में जंगल सुलगने का सबसे बड़ा कारण लंबे समय तक मौसम का सूखा रहना और कम बर्फबारी है। इससे हवा और भूमि में नमी कम हो गयी।

> जलवायु परिवर्तन के कारण धरती की कम होती नमी और गर्मी के बढ़ते दिनों की संख्या के चलते जंगलों की आग केवल वन के लिए ही नहीं, कार्बन उत्सर्जन बढ़ने से समूची पृथ्वी के लिए हानिकारक है। भारत में वनों की आग एक गंभीर पर्यावरणीय और सामाजिक संकट बन चुकी है। उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र और हिमाचल जैसे राज्यों में हर वर्ष हजारों हेक्टेयर जंगल आग की भेंट चढ़ जाते हैं।
>
> पंकज चतुर्वेदी

अधिकांश मामलों में वनाग्नि की शुरुआत छोटी झाड़ियों से होती है। परिवेश में नमी कम होने से पत्ते भी सूख जाते हैं। यही हाल झाड़ियों की डालियों का है। ऐसे में हवा चलने पर यदि इनमें आपसी रगड़ होती है, तो चिंगारी पैदा हो जाती है और यहीं से जंगल में आग शुरू हो जाती है। जंगलों में लगी आगों का जैव विविधता, पारिस्थितिक स्थिरता, अर्थव्यवस्था और स्थानीय आजीविका पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है। सुलगते जंगल आसपास की बस्ती के रहवासियों के लिए बड़ा संकट होते हैं। जंगल की आग से कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन और ब्लैक कार्बन सहित कई ग्रीनहाउस गैसें और एरोसोल निकलते हैं, जो हवा की गुणवत्ता को कम करते हैं। सबसे बड़ा संकट तो जंगल में बिल या खोह बनाकर रहने वाले सरीसर्प जैसे जानवरों के लिए होता है, वे ज्यादा दूर भाग नहीं पाते।

वैसे तो भारत सरकार ने जंगल की आग के प्रभावों को कम करने के लिए कई पहलें की हैं। वर्ष 2018 में, उसने वन अग्नि पर राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीएफएफ) लागू की, जिसका उद्देश्य जंगलों के बाहरी इलाकों में रहने वाले समुदायों को सशक्त बनाना है। परंतु जमीनी स्तर पर अभी यह सब कुछ कागजों और औपचारिकताओं से आगे बढ़ नहीं पाया है।

पिछले साल की बात करें तो जंगल को वनाग्नि से बचाने के लिए 25 वन प्रभागों में नियंत्रित फुकान का काम किया गया, इसमें वन विभाग 201253.94 हेक्टेयर में नियंत्रित फुकान किया था। इसके बाद भी 1273 घटनाएं हुईं, इनमें 1768 हेक्टेयर जंगल में जैव विविधता प्रभावित हुई।

पिछले साल वन महकमे ने जंगल की आग से वनों को बचाने के लिए दो लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में नियंत्रित फुकान (कंट्रोल बर्निंग) किया। इसके बावजूद प्रदेश के वन धधकते रहे। ऐसे में वन महकमे का किया गया नियंत्रित फुकान सवालों में है। यही नहीं जंगल की आग के नियंत्रण के लिए एक बड़ी रकम विभाग को तब जारी की गई, जब फायर सीजन खत्म हो रहा था। हालांकि इस बार पहले से अधिक चाकचौबंद इंतजाम होने का दावा किया जा रहा है। वन विभाग जंगल से आग से बचाव के लिए फायर लाइन की सफाई, कंट्रोल बर्निंग, जागरूकता अभियान चलाने जैसे प्रयास करता है। इन कोशिशों के बाद भी जंगल में आग लगने की घटनाएं हो रही हैं।

कंट्रोल बर्निंग के प्रभावों को लेकर अध्ययन नहीं

वन विभाग जंगल से आग से बचाव के लिए सूखी पत्तियां जैसे फ्यूल लोड वनों में होता है, उसको हटाने के लिए उसे नियंत्रित तौर पर जलाया (कंट्रोल बर्निंग) जाता है। पर जिन प्रभागों और स्थानों पर कंट्रोल बर्निंग होती है वहां क्या प्रभाव पड़ा है, शायद ही कभी इसका अध्ययन किया गया हो। जबकि वन विभाग में कर्मियों की टीम से लेकर वन अनुसंधान जैसी शाखा भी है। कंट्रोल बर्निंग के प्रभाव के अध्ययन को लेकर अधिकारियों के पास भी सटीक जवाब नहीं है।

जंगलों में आग लगने की घटनाओं को कम करने और उन्हें नियंत्रित करने के लिए प्रभावी कदम उठाना आवश्यक हो गया है। स्थानीय समुदायों और आम जनता को जंगलों में आग लगने के कारणों और प्रभावों के बारे में जागरूक करना तथा आग से बचाव के उपायों के बारे में शिक्षित करना एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। यह जंगल महकमे की भी जिम्मेदारी है कि वह वनों की नियमित निगरानी और आग लगने के जोखिम वाले क्षेत्रों की पहचान कर समय पर सूखी पत्तियों और अन्य ज्वलनशील पदार्थों को हटाए। आग लगने पर तुरंत कार्रवाई करने के लिए एक मजबूत और सुसज्जित प्रतिक्रिया प्रणाली जरूरी है। यह भी जरूरी है कि वनों में आग लगाने वालों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई हो।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

बिना युद्ध घुटने टेकने के लिए मजबूर हो पाकिस्तान

आतंकवाद के खिलाफ

पहलगाम में आतंकी हमले के दो दिन बाद, क्वेटा के पास बलूच विद्रोहियों ने एक विस्फोट किया, जिसमें दस पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। बलूच विद्रोही लगातार मजबूत होते जा रहे हैं, जिससे भारत को जैसे को तैसा वाले अंदाज में बदला लेने का अवसर मिल सकता है। हमें बालाकोट जैसा हवाई हमला करने या उरी के बाद की तरह सर्जिकल स्ट्राइक करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि पाकिस्तान यही उम्मीद कर रहा है। ऐसे हमले तभी सफल होते हैं, जब हैरान करने वाला तत्व हो। इससे बेहतर पाकिस्तान के अंदर सक्रिय विद्रोही गुटों का इस्तेमाल करके उसकी सेना को नुकसान पहुंचाना है।

भारत ने पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में 1960 की सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया है और राजनयिक प्रतिनिधित्व को कम करने के अलावा पाकिस्तानियों को वीजा देना बंद कर दिया है। यह बात कुछ लोगों को पसंद नहीं आएगी, जो पाकिस्तान को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। कुछ लोगों का सुझाव है कि भारत को वही करना चाहिए, जो इस्राइल ने गाजा में हमास के साथ किया था। भारत के पास कोई आसान उपाय नहीं है। हम वह नहीं कर सकते, जो इस्राइल ने गाजा में किया, क्योंकि पाकिस्तान परमाणु शक्ति संपन्न देश है, हमास जैसा कोई संगठन नहीं।

अगर हम पीओके में घुसकर आतंकी ठिकानों पर हमला करते हैं, तो बड़े पैमाने पर युद्ध का जोखिम उठाना होगा। कुछ लोग पीओके में मौजूद आतंकवादियों के ठिकानों और लॉन्चपैड्स पर बालाकोट जैसे हवाई हमले को उचित ठहरा सकते हैं। बालाकोट इसलिए संभव हुआ, क्योंकि इसकी पाकिस्तानियों को तब उम्मीद नहीं थी। अब वे जानते हैं कि ऐसा हो सकता है। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, पूरे पाकिस्तान में हवाई अड्डे पहले से ही हाई अलर्ट पर हैं। कुछ सेवानिवृत्त भारतीय सैन्य अधिकारी सही कहते हैं कि असली दुश्मन आतंकी गुट नहीं, बल्कि उनकी प्रायोजक पाकिस्तानी सेना है। जब तक उसे नुकसान नहीं पहुंचाया जाएगा, आतंकी घटनाएं नहीं रुकेंगी। इसलिए सोचना यह है कि पाकिस्तानी सेना को किस तरह से नुकसान पहुंचेगा। बलूचिस्तान, नॉर्थ-वेस्ट फ्रंटियर प्रोविंस और कभी-कभी सिंध में ऐसा होता है। हाल ही में बलूच विद्रोहियों द्वारा एक पूरी ट्रेन को अगवा करने के कारण पाकिस्तानी सेना को भारी अपमान का सामना करना पड़ा था। पिछले कुछ वर्षों में बलूच विद्रोही और भी ज्यादा मजबूत और साहसी हो गए हैं। इसकी हताशा पाकिस्तान के सेना प्रमुख के हिंदुओं और कश्मीर के खिलाफ उग्र बयानों में दिखी तथा शायद इसी वजह से आईएसआई ने पहलगाम पर हमला करवाया।

> अगर पाकिस्तान कश्मीर, पंजाब या पूर्वोत्तर में आतंकवाद का समर्थन करना जारी रखता है, तो भारत बलूचिस्तान, नॉर्थ-वेस्ट फ्रंटियर प्रोविंस और सिंध में विद्रोह को बढ़ावा देने पर विचार कर सकता है। अगर हम पीओके में घुसकर आतंकी ठिकानों पर हमला करते हैं, तो बड़े पैमाने पर युद्ध का जोखिम उठाना होगा। बजाए इसके अगर सीधी लड़ाई के बगैर ही पाकिस्तान घुटने टेक दे, तो इससे बेहतर क्या होगा?
>
> सुबीर भौमिक

अगर पाकिस्तान कश्मीर, पंजाब या पूर्वोत्तर में आतंकवाद का समर्थन करना जारी रखता है (बांग्लादेश के अंतरिम शासन का उपयोग करके), तो भारत बलूचिस्तान, नॉर्थ-वेस्ट फ्रंटियर प्रोविंस और सिंध में बिना जिम्मेदारी लिए विद्रोह को बढ़ावा देने पर विचार कर सकता है। छाती ठोककर जीत का बखान करने की कोई जरूरत नहीं है। गुप्त ऑपरेशन तभी सफल होते हैं, जब उन्हें गुप्त रखा जाता है।

किसी विरोधी को घुटनों पर लाने के लिए जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। 1971 में काफी योजनाएं बनाई गई थीं, तब पाकिस्तान को तोड़कर स्वतंत्र बांग्लादेश का जन्म हुआ। लेकिन पाकिस्तान की सेना ने सबक नहीं सीखा और कश्मीर, पंजाब तथा पूर्वोत्तर में अपनी शरारतें जारी रखीं।

पहलगाम हमले पर कश्मीरियों के गुस्से को देखें। पहलगाम आतंकी हमले के बाद पूरे कश्मीर में मोमबत्ती जलाकर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं, क्योंकि उनकी रोजी-रोटी दांव पर है।

कश्मीर भारत के तेजी से बढ़ते पर्यटन उद्योग का बड़ा लाभार्थी है।

हैरानी नहीं कि कश्मीर में लोगों की मानसिकता में भारी बदलाव आया है और स्थानीय लोगों को डर है कि कहीं आतंकी हमले से पर्यटन चौपट न हो जाए। आर्थिक एकीकरण भावनात्मक एकीकरण की नींव रखता है।

अगर सरकार पाकिस्तान को सबक सिखाने के लिए गंभीर है, तो उसे जनता की भावनाओं के बहकावे में जल्दबाजी आकर नहीं करनी चाहिए। भारत और उसके डीप स्टेट को पाकिस्तान की जातीय दरारों पर काम करना चाहिए और इसे पूरी तरह से विफल राज्य में बदलने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ना चाहिए। यह एक दीर्घकालिक परियोजना है, जिसे शक्ति के दिखावटी प्रदर्शन के बगैर चुपचाप चलाना चाहिए। राष्ट्रीय नीतियों को गंभीरता से तैयार करके आगे बढ़ाया जाना चाहिए और अल्पकालिक चुनावी लाभ के लिए कभी भी घुटने टेकने वाली प्रतिक्रियाओं तक सीमित नहीं होना चाहिए।

चाणक्य ने दंड को अंतिम विकल्प बताया था, न कि पहला। लेकिन दंड का बुद्धिमानीपूर्ण उपयोग यह होगा कि इसे इस तरह से इस्तेमाल किया जाए कि सीधे युद्ध की नौबत आए बगैर ही पाकिस्तान घुटने टेक दे।

प्रसंगवश

सेनाओं की क्षमताओं पर प्रधानमंत्री ने जताया विश्वास

प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट किया गया है कि आतंकवाद को करारा जवाब देना हमारा दृढ़ राष्ट्रीय संकल्प है। कश्मीर में ही उरी और पुलवामा आतंकी हमलों के बाद भी प्रधानमंत्री मोदी ने सेना को खुली छूट दी थी। हालांकि सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट हवाई हमले की अंतिम स्वीकृति प्रधानमंत्री से जरूर ली गई थी। प्रधानमंत्री ने बीते दो दिनों में दो बार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। उन बैठकों में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ भी मौजूद रहे, लेकिन निर्णायक बैठक में तीनों सेनाओं के प्रमुख भी मौजूद थे। जाहिर है कि प्रधानमंत्री के सामने संभावित हमलों के प्रारूप और रोडमैप रखे गए होंगे! अंततः सेना को स्वतंत्र छूट दी गई।

बुधवार, 30 अप्रैल को सुरक्षा मामलों की कैबिनेट कमेटी, राजनीतिक और आर्थिक मामलों की कैबिनेट समितियों की बैठकों में भी व्यापक विमर्श किया गया। कैबिनेट की पूरी बैठक भी की गई। अब सर्वोच्च स्तर पर यह स्पष्ट हो चुका है कि भारत ने पहलगाम नरसंहार का बदला लेना तय कर लिया है। तीनों सेना प्रमुखों के प्रारूपों में जो संशोधन जरूरी लगे होंगे, वे कैबिनेट की बैठकों में कर लिए गए। अब हमारी सेनाओं का आक्रामक प्रहार क्या होगा, यह उसी पल ही सामने आएगा, जब हमला किया जाएगा। भारत अपनी तरफ से युद्ध का आगाज करने नहीं जा रहा है। जो आतंकवाद के चेहरे हैं, निशाने पर सिर्फ वही होने चाहिए। रक्षा विशेषज्ञ अपने लंबे, सैन्य अनुभवों के आधार पर आकलन कर रहे हैं कि आतंकियों के साथ-साथ पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई, वहां की फौज और सेना प्रमुख जनरल मुनीर हमारी सेनाओं के निशाने पर हो सकते हैं। ये ही आतंकवाद का क्रमबद्ध सिलसिला हैं। सेना के ऑपरेशन जमीन और हवा के अलावा समंदर से भी किए जा सकते हैं। हमारी सेनाओं ने दुश्मन का अच्छी तरह अध्ययन कर लिया होगा! हमारी सेनाओं के निशाने पर पाकिस्तान के 30 से ज्यादा महत्वपूर्ण लक्ष्य हैं, जिन्हें सेनाएं मिसाइल हमलों में ही उड़ा सकती हैं। हमारी सेनाओं के पास ऐसे भी अस्त्र हैं, जिन्हें भारत की सीमा में रहते हुए भी छोड़ा जा सकता है। वे वाकई बेहद विध्वंसक हैं। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार सैन्य ऑपरेशन व्यापक और बहुध्रुवीय हो सकता है। बहरहाल सेना जो भी करेगी, पूरी दुनिया के सामने होगा, लेकिन एक बार फिर दोहरा रहे हैं कि यह देश के एकजुट रहने का वक्त है। यह विवादास्पद, घटिया और मानहानि वाले पोस्टर पोस्ट करने का वक्त नहीं है। यह देश के प्रधानमंत्री को अपमानित करने का भी समय नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के इस आग्रह को समर्थन दिया जाना चाहिए कि संसद का एकदिनी विशेष सत्र बुलाया जाए और पाकिस्तान, आतंकवाद के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया जाए। ऐसे विशेष सत्र 'निर्भया कांड' के बाद भी बुलाए गए हैं। जम्मू-कश्मीर विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया गया, तो मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का नया विचार सामने आया। प्रधानमंत्री मोदी संसद के भीतर सैन्य रणनीति का खुलासा बिल्कुल न करें। एक राष्ट्र के तौर पर, संसद के जरिए, आतंकवाद और पाकिस्तान की भूमिका को पुरजोर बेनकाब करें। बेशक दुनिया भी हमारी संसद से गूंजने वाले हुंकारों को सुनेगी। यदि सरकार संसद का सत्र नहीं बुलाती है, तो कमोबेश अभी उसे सियासत का आधार न बनाएं। भारत को पलटवार कर प्रतिशोध लेने दें, पीड़ित परिवारों को कुछ तसल्ली मिलने दें। देश सामान्य हो जाएगा, तो सरकार का विरोध जायज होगा।

> प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान, आतंकियों और उनके आकाओं पर प्रहार करने की सेना को खुली छूट दे दी है। हमले का तरीका, जगह, लक्ष्य और समय सेनाएं ही तय करेंगी। प्रधानमंत्री ने देश की सेनाओं की क्षमताओं पर विश्वास जताया है।

॥गीता॥

श्लोक : नास्ति विद्यासमो बन्धुर्नास्ति विद्यासमः सुहृत।
नास्ति विद्यासमं वित्तं नास्ति विद्यासमं सुखम॥

भावार्थ : विद्या जैसा बंधु नहीं, विद्या जैसा मित्र नहीं, (और) विद्या जैसा अन्य कोई धन या सुख नहीं।

जीवन दर्शन

आलोचनाओं और निंदा को दिल पर न लें

कल्पना कीजिए कि एक चमकदार गुब्बारे में सूई चुभो दी जाए, तो क्या होगा? इससे वह या तो फट पड़ेगा या फिर हवा निकल जाएगी। ऐसा इन्सानों के साथ भी होता है। एक सोशल मीडिया क्रिएटर ने बताया कि अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर (एडीएचडी) यानी ध्यान आकर्षित न कर पाने से उत्पन्न विकार से पीड़ित व्यक्ति के लिए अस्वीकृति ऐसी हो सकती है, मानो भावनाओं का विस्फोट हो गया। इस क्लिप को लाखों लाइक्स मिले हैं। यह रिजेक्शन सेंसिटिव डाइस्फोरिया (आरएसडी) यानी अस्वीकृति से उपजी बेचैनी से संबंधित हजारों पोस्टों में से एक है। इन शब्दों का उपयोग चिकित्सकों द्वारा भी बहुत कम किया जाता है, पर ये आजकल खूब वायरल हो रहे हैं। एडीएचडी से पीड़ित 24 वर्षीय शिक्षिका एरिन राइडर ने बताया कि हाल ही में उनके प्रेमी ने सप्ताह भर काम करने के बाद अपनी योजना स्थगित कर दी। वह कहती हैं कि इससे उन्हें काफी गुस्सा आया कि उसने पहले से बने कार्यक्रम को रद्द क्यों कर दिया। वह कहती हैं कि थोड़ी देर के लिए तो वह पगला-सी गई थीं। हालांकि, बाद में उन्हें एहसास हुआ कि उनकी प्रतिक्रिया गलत थी। एडीएचडी का उपचार करने वाले मनोवैज्ञानिक डॉ। बिल डॉडसन ने आरएसडी शब्द को लोकप्रिय बनाया है। वह कहते हैं कि यह शब्द उन्होंने नहीं गढ़ा, बल्कि अवसाद पर उपलब्ध पुराने साहित्य से उधार लिया है। उनके अनुसार, अस्वीकृति संवेदनशीलता कथित आलोचना पर तीव्र प्रतिक्रिया देना है। मनोचिकित्सा और व्यवहार न्यूरोसाइंस विशेषज्ञ डॉ एरिक मेसियस कहते हैं कि आरएसडी दिमागी और व्यक्तित्व संबंधी विकारों से जुड़ा है। इससे पीड़ित व्यक्ति न केवल कथित आलोचना के प्रति संवेदनशील होता है, बल्कि कई मामलों में खुद को कमतर भी समझता है। यदि ऐसे व्यक्ति को चिढ़ाया जाए, मजाक उड़ाया जाए, उसकी बात काट दी जाए, या फिर कुछ अप्रिय बोल दिया जाए, तो उसका मूड तुरंत बदल जाएगा और वह या तो गुस्सा करेगा या उदासी में डूब जाएगा। यहीं से 'डिस्फोरिया' शब्द आता है, जिसका अर्थ है- बेचैन या असंतुष्ट महसूस करने की स्थिति। मनोवैज्ञानिक डॉ लिंडसे ब्लास कहती हैं कि आलोचना किसी-किसी के लिए बहुत दर्दनाक होती है। डॉ डॉडसन कहते हैं एडीएचडी पीड़ितों के लिए कोई मान्य दवा नहीं है, उन्हें अवसाद की ही दवा दी जाती है। एक्सपोजर थेरेपी के तहत चिकित्सक धीरे-धीरे रोगी के आत्मविश्वास को जगाते हैं, ताकि आलोचना या अन्य किसी बात से उपजी उदासी या हीन भावना को दूर किया जा सके। उन्हें प्रेरित किया जाता है कि छोटी-छोटी बातों पर क्रोध न करें और जब जिंदगी में कोई बात बिगड़ जाए, तो उसे दिल पर न लें।

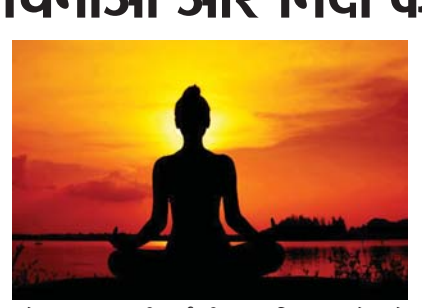

क्रिस्टीना कैरन

संक्षिप्त खबरें

कनिष्का कृष्णानी ने हासिल किए 97.8 प्रतिशत नम्बर

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। सीआइएससी बोर्ड की परीक्षा में इस बार संत हिरदाराम नगर की कनिष्का कृष्णानी ने बाजी मारी है और उपनगर का नाम रोशन किया है। उन्होंने इस परीक्षा में 97.8 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं, जो एक बड़ी उपलब्धि है। वह बिलाबांगउहाइ इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा है। उन्होंने अपनी सफलता के लिए अपनी माता रोशनी कृष्णनी एवं पिता हरीश कृष्णानी को श्रेय दिया है, साथ ही स्कूल प्रबंधन एवं टीचर के प्रति भी बेहतर ढंग से पढ़ाई हेतु आभार माना है। उन्होंने बताया कि उनके माता पिता ने पढ़ाई के लिए हमेशा उचित माहोल दिया और किसी भी प्रकार की कमी नहीं होने दी। उन्होंने बताया कि भविष्य में वे वित्तीय क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने की इच्छा रखती हैं। उनकी इस सफलता के लिए उपनगर की अनेक संस्थाओं ने बधाई दी है।

शिक्षकों को कब मिलेगा चतुर्थ समयमान वेतनमान : शर्मा

जागरण, बैरसिया। मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सतीश शर्मा ने मध्य प्रदेश शासन द्वारा 35 वर्ष सेवा काल उपरांत अधिकारी कर्मचारियों को चतुर्थ समयमान वेतनमान प्रदाय करने के आदेश दिए गए हैं। समस्त विभागों में चतुर्थ समय मान वेतनमान प्रदाय किया जा रहा है. परंतु शिक्षा विभाग में कार्यरत सहायक शिक्षक/ उच्च श्रेणी शिक्षक को वरिष्ठ अधिकारियों की मनमानी के कारण यह लाभ प्राप्त नहीं हो पा रहा है। इससे शिक्षकों में रोष व्याप्त है। सामान्य प्रशासन विभाग के आदेश अनुसार यह लाभ सभी विभागों के अधिकारी कर्मचारियों को दिया जाना है। मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस के अशोक प्रताप सिंह अनीता सारस्वत धर्मेंद्र सिंह सुनील मिश्रा हरीश नामदेव आर पी सिंह कौशल शर्मा दौलत पवार राम रतन सिंह नरेंद्र सिंह तोमर धर्मेंद्र रघुवंशी विजय सिंह नरेश मिश्रा हेमराज राणा सलमा शाह संतोष मिश्रा मोहन चंद्र गौतम साधना सिंह निर्भय सिंह परिहार कोमल सिंह केशव सिंह अमरीश शर्मा पंकज सिंह अरुण कुमार विश्वकर्मा धनंजय सिंह महेंद्र सिंह दीपक तिवारी मनोज मेहर राजेश नामदेव, अनिल भार्गव आदि सभी ने शीघ्र चतुर्थ समयमान वेतनमान दिए जाने की मांग की है। जवकि शिक्षा विभाग में ही अन्य संवर्ग को चतुर्थ समय मान वेतनमान का लाभ प्रदाय किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री से समस्याओं का समाधान नहीं करवा पाया सिंधु भवन का वार्षिक कार्यक्रम

सबनानी को छोड़, शेष ने पेश नहीं की सही तस्वीर, समाज में निराशा

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। सिंधियों की प्रदेश स्तरीय अग्रणी सामाजिक संस्था मप्र सिंधु भवन ट्रस्ट का वार्षिक समारोह रविवार को था, लेकिन इस कार्यक्रम की चर्चा प्रदेशभर के सिंधी समाज के भीतर चर्चाओं का विषय बनी हुई है।

24 साल पूर्व जब कांग्रेस शासनकाल के मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का सिंधु भवन में आगमन हुआ, उन्होंने न केवल समाज की अनेक समस्याओं के निराकरण की दिशा में अधिकारियों को निर्देशित किया बल्कि कुछ समय बाद भी प्रदेश स्तरीय सिंधी विकास समिति का गठन करते हुए उस समय के केबिनेट मंत्री हरवंश सिंह को अध्यक्ष, सिंधु भवन के अध्यक्ष मूलचंद मनवानी एवं इदौर के जाने माने सिंधी कांग्रेसी लीडर नंदलाल सचदेवा को उपाध्यक्ष बनाते हुए प्रदेश के ख्याति प्राप्त 11 विद्वानों को उसका सदस्य मनोनीत किया। इस समिति ने सरकारी खर्च से प्रदेशभर का दौरा कर सितम्बर 2003 को रिपोर्ट सरकार को प्रस्तुत की लेकिन दुर्भाग्य से सितम्बर अंतिम सप्ताह में ही विधान सभा चुनाव की घोषणा हो गई जिसके बाद भाजपा सत्ता में आई उसके साथ ही सिंधी विकास समिति की सिफारिशें फाईलों में दबकर रह गई जो आज तक सार्वजनिक नहीं हुई है।

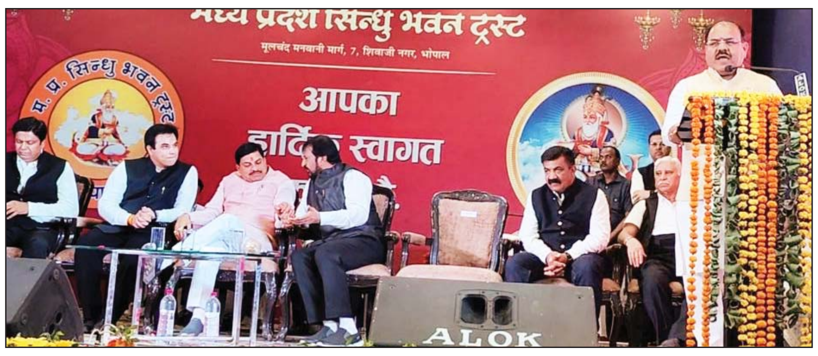

थी अनेक अपेक्षाएं

जब पता चला कि 27 अप्रैल को मुख्यमंत्री सिंधु भवन आ रहे हैं, प्रदेशभर के सिंधी समाज में खुशी की लहर दौड़ गई और इस बात की अपेक्षा की जाने लगी कि दशकों से जिन समस्याओं से समाज जूझ रहा है, उनका निराकरण अवश्य हो पाएगा। लेकिन ऐसा हुआ नहीं।

सबनानी के अलावा किसी ने नहीं रखी समस्याएं

समारोह के दक्षिण पश्चिम के भाजपा विधायक भगवानदास सबनानी ने अपने भाषण के दौरान सिंधी समाज की प्रापर्टी के मालिकाना हक, मप्र सिंधी साहित्य अकादमी की बजट राशि बढ़ाने की समस्या रखी, लेकिन जिस समय वे ये समस्याएं गिना रहे थे, उस समय मंच पर मप्र सिंधु भवन ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेन्द्र मनवानी एवं इंदौर के गुलाब ठकुर मुख्यमंत्री को अपनी कुछ अन्य बातों पर चर्चा में व्यस्त दिखे, और मुख्यमंत्री भगवानदास सबनानी क्या समस्याएं गिना रहे हैं, उस पर ध्यान नहीं दे पाए। हालांकि इससे पूर्व अध्यक्षीय उद्बोधन राजेन्द्र मनवानी ने दिया परन्तु वे भी सिंधी समाज की समस्याएं गिना पाने में नाकाम रहे यही कारण है कि जब मुख्यमंत्री डा. यादव के उदबोधन की बारी आई, तब उन्होंने प्रदेश सिंधी समाज के किसी भी समस्या का उल्लेख नहीं किया और सभागार में मौजूद प्रदेशभर से आए समाज सेवियों, भाजपा व कांग्रेसी नेताओं एवं नागरिकों को भारी निराशा का सामना करना पड़ा।

24 साल बाद दूसरे सीएम

इसी मूलचंद मनवानी जिसके अथक प्रयासों एवं परिश्रम से मप्र सिंधु भवन, पला, बढ़ा हुआ तथा आज वटवृक्ष का रूप ले चुका है, उनका स्वर्गवास हो गया उसके बाद लगातार हर साल सिंधु भवन ने उमा भारती, बाबूलाल गौर एवं शिवराज सिंह चौहान को आमंत्रित किया पर कोई सीएम नहीं पहुंचा। 24 साल बाद डा. मोहन यादव का पिछले रविवार को आगमन हुआ।

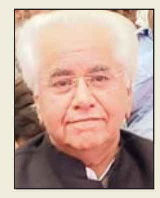

“हम केवल खुशामद से भ्रमित हैं। सीएम को इसलिए बुलाया गया था ताकि समाज की तकलीफें का समाधार हो सके लेकिन पूरे प्रोग्राम में लीपापोती के बाद इतिश्री कर ली गई।

-ईश्वरदलाल झामनानी, पूर्व अध्यक्ष, मप्र सिंधु भवन ट्रस्ट इंदौर

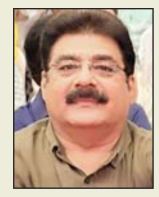

“सीएम के समक्ष सिंधी समाज प्रभावी ढंग से समस्याएं रखने में नाकाम रहा। हर सीएम, मंत्री समाज को कुछ न कुछ दे जाता है, लेकिन लगता है कि हमारा समाज केवल फोटो सेशन तक सीमित रहा।

-मनोज राजानी, पूर्व अध्यक्ष देवास विकास प्राधिकरण

ये हैं मुख्य समस्याएं

जहां तक सिंधी समाज की समस्याओं का सवाल है तो आजादी के 77 साल बाद भी सिंधी लिपि को रोजगार से जोड़ा नहीं जा सका है, सिंधी शिक्षकों के सैकडों पद रिक्त हैं, जिन्हें भरने का प्रयास नहीं हुआ है, समाज को उनकी प्रापर्टी का मालिकाना हक नहीं मिला है, इसी तरह संत हिरदाराम नगर के वन ट्री हिल्स भूखण्डों का लीज नवीनीकरण नहीं हो रहा है। 31 मार्च 2023 को सिंधियों के महामंडलेश्वर हंसराम महाराज ने आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत के समक्ष 21 हजार करोड़ की राशि एवं 8 हजार एकड़ जमीन की मांग की, जिसे मोहन भागवत ने जायज ठराया वहीं तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सिंधियों को प्रापर्टी का मालिकाना हक देने, मप्र सिंधी साहित्य अकादमी का बजट 5 करोड़ करने, लेह लद्दाख की सिंधु दर्शन यात्रा करने वाले प्रत्येक व्यक्ति 25 हजार का अनुदान देने, संत कंवरराम, राजा दाहिरसेन, भगवान झूलेलाल की अमरगाथाओं को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने एवं शहीद हेमू कालानी की राजधानी भोपाल के अलावा जबलपुर, ग्वालियर एवं इंदौर में आदम कदम प्रतिमा स्थापित करने के साथ ही भोपाल में आलीशान संग्रालय स्थापना की भी घोषणा की, लेकिन इनमें से किसी भी घोषणा पर आज तक अमल नहीं हो पाया है। अगर बीते रविवार को मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के समक्ष इन सारी समस्याओं को प्रभावी ढंग से रखा जाता तो निराकरण निश्चित था, पर ऐसा नहीं होने से सिंधी समाज निराश है।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के सामूहिक सम्मेलन में 37 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

कलारा। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत बैरसिया जनपद के ग्राम कलारा में आयोजक घनश्याम शर्मा जनपद सदस्य के द्वारा बुधवार को सामूहिक कन्या विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में 37 जोड़े विवाह सूत्र में बंधे। इस सामूहिक विवाह सम्मेलन में बैरसिया क्षेत्रीय विधायक विष्णु खत्री ने विवाह सूत्र में बंधे नव दंपतियों को आशीर्वाद दिया तथा भावी जीवन की मंगल कामना की। उन्होंने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अन्तर्गत हितग्राहियों को 49 हजार रुपये राशि के चेक प्रदान किए। जनप्रतिनिधियों के अलावा तहसीलदार करुणा दंडोतिया ने सभी नव दंपत्तियों को भावी जीवन की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विधायक खत्री ने कहा कि प्रदेश में जब से मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना और मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना शुरू हुई है, तब से बेटियाँ बोझ नहीं बल्कि वरदान बन गई हैं। अब बेटी के जन्म पर खुशियाँ मनाई जाती हैं। हर माता-पिता का सपना होता है कि बेटी की शादी धूमधाम से करें, लेकिन आर्थिक तंगी के कारण यह संभव नहीं हो पता। गरीब माता-पिता के इस सपने को प्रदेश सरकार साकार कर रही है और अब बेटियों की शादी धूमधाम से हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकार प्रदेश के युवाओं के लिए रोजगार के नवीन अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

पीएमश्री कन्या उमावि में समर कैंप का शुभारंभ

बैरसिया। पीएम श्री शासकीय सरोजिनी नायडू कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बैरसिया में छात्राओं के कौशल विकास के लिए गुरूवार को समर कैंप का शुभारंभ किया गया। प्राचार्य गीता जोशी ने बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार छात्राओं मे कौशल विकास के लिए 20 दिनों तक समर कैंप चलेगा। इस समर कैंप में प्रतिदिन योग एवं गेम्स डांस एवं म्यूजिक स्पोकन इंग्लिश पर्सनैलिटी डेवलपमेंट बेसिक कंप्यूटर स्किल्स की कक्षाएं प्रातः 8 से 11 बजे तक आयोजित की जाएंगी। समर कैंप के पहले दिन 65 छात्राओं ने विभिन्न विधाओं में अपना पंजीयन कराया। समर कैंप के प्रभारी शिक्षक दिनेश कुमार शुक्ला ने सभी छात्राओं से अपील की है अधिक से अधिक संख्या में पंजीयन करा कर इस समय कैंप का लाभ उठाएं। समर कैंप के पहले दिन योग और गेम्स में सुरेश अहिरवार एवं तिलकना पवार डांस एवं म्यूजिक में काव्य जोशी व प्रियंका ठाकुर, स्पोकन इंग्लिश में शिवानी यादव, पर्सनैलिटी डेवलपमेंट में किरण निखोरिया, चित्रकला में रचना ठाकुर आदि ने छात्राओं का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक आरसी गोयल,रमा दांगी, राजेंद्र कुशवाह, जगदीश सागर ने भी सहयोग किया।

भाजपा भूली, कांग्रेसियों ने किया पीठा मजदूरों का सम्मान

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। पहले मजदूरों को कम्युनिस्ट माना जाता था। कांग्रेसी मजदूरों को अपना वोट बैंक मानती है, यही कारण है कि मजदूर दिवस पर कांग्रेसियों ने उन्हें याद किया वहीं कम से कम संत हिरदाराम नगर में भाजपा उन्हें भूल गई। अंतराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी द्वारा मुख्य चोराहा पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पार्षद अशोक मारण, उप ब्लॉक अध्यक्ष घनश्याम लालवानी प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव दिनेश मेघानी मजदूर युनियन के अध्यक्ष जगदीश सांवले प्रवक्ता महेश गुरबानी, आत्माराम सूर्यवंशी जीतु बलवा राजेश लोहट द्वारा मजदूरों का सम्मान किया गया।

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि मेरा नाम डॉ. सार्थक मोहरिंर, आत्मज श्री संजय मोहरिंर है। मेरा गुजरात मेडिकल काउंसल का सर्टिफिकेट GUJRAT MEDICAL COUNCIL IS G-67200 DATED 15 JULY 2019 कोलार क्षेत्र भोपाल म.प्र. में खो गया है। इस संबंध में मै संबंधित थाने के अतिरिक्त संबंधित प्राधिकारियों को सूचित कर रहा हूं। यदि किसी को यह दस्तावेज प्राप्त होता है तो निम्न पते पर संपर्क करें - डी. के. 2/133 दानिश कुंज कोलार रोड भोपाल म.प्र., संपर्क सूत्र 9425018675 एवं 9977086705

नाम परिवर्तन सूचना

मैं, राम सूरत वर्मा आत्मज श्री रामकुंवार वर्मा आयु वयस्क निवासी-मलिकमऊ चौबारा रायबरेली उ.प्र., आधार नम्बर 7497 3339 7803 । मेरा पुत्र-अथर्व वर्मा जो पी. एम. श्री केन्द्रीय 3 ई. एम. ई. सेंटर बैरागढ़ भोपाल में कक्षा 5वीं में अध्ययनरत् है। मेरे पुत्र के आधार कार्ड, जन्म प्रमाण-पत्र पर उसका नाम - अथर्व वर्मा (ATHARV VERMA) दर्ज है जो कि सत्य व सही नाम है, एवं मेरे पुत्र का नाम आपके विद्यालय में अर्थव वर्मा (ATHRAV VERMA) त्रुटिवश दर्ज हो गया है। यह कि अब मैं अपने पुत्र का नाम उसके दस्तावेजों के अनुसार अथर्व वर्मा (ATHARV VERMA) विद्यालय में अंकित कराना चाहता हूँ।

गर्मी के तेवर तीखे होते ही बिजली के झटके, तीन घंटे पॉवर डिम

पानी चालू होते ही लाइट गुल, जनता त्रस्त, जनप्रतिनिधि मौन

.**हिरदाराम नगर प्रतिनिधि ।** संत हिरदाराम नगर में डेढ़ करोड़ की लागत से 19 जगहों पर ट्रांसफारमर स्थापित कर बिजली व्यवस्था को सुचारू बनाने का दाव करने वाला मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के अधिकारी आम जनता को बिजली प्रदान करने में बुरी तरह से नाकम रहे हैं। बिजली अत्यावश्यक सेवाओं शामिल है, लेकिन ये सेवाएं संत हिरदाराम नगर में लम्बे समय तक लड़खड़ा रही हैं। पिछले कुछ दिनों से गर्मी के तेवर तीखे होने के बाद तो बिजली कब आए कब जाए इसका कोई ठिकाना नहीं रहता। गुरूवार को जब लोग सोकर भी नहीं उठे तब तब 6.30 बजे बिजली गुल हो गई इस तरह जिन इलाकों में पानी की सप्लाई का टर्न था, वहां काफी दिक्कत हुई इसी तरह शाम को भी पहले तो दो तीन बार झटके मारे बाद में 4.30 बजे से पावर डिम हो गया और लगभग तीन घंटे तक आम जनता को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। इसी बीच शाम को पानी की सप्लाई भी शुरू हो गई और जो लोग फ्लेट या ऊपरी मजिलों पर निवास करते हैं उनके यहां बिना मोटर के पानी नहीं चढ़ पाता इस वजह से शाम को भी अनेक मोहल्लों में लोगों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ा। इधर एफ वार्ड एवं प्रेम रामचंदानी मार्ग पर मार्ग विभाजक के मध्य बिजली की खुली केबिल की समस्या का समाधान भी नहीं हो सका है, जिस वजह से हमेशा दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है।

जनप्रतिनिधि शांत

आम जनता को बिजली, पानी एवं सफाई की समस्या का सामना नहीं करना पड़े इसके लिए सांसद, विधायक एवं पार्षदों की जिम्मेदारी है लेकिन संत हिरदाराम नगर में बिजली की समस्या के मामले में फिलहाल तीनो स्तर के निर्वाचित जनप्रतिनिधि अपनी जिम्मेदारी का वहन पूरी निष्ठा के साथ नही कर रहे हैं। एक बार भी बिजली की समस्या को लेकर सांसद, विधायक, एमआईसी सदस्य या पार्षदों ने अधिकारियों की बैठक नहीं बुलाई है ऐसे में आम जनता को बिजली समस्या के कारण भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और उनमें निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के खिलाफ आक्रोश व्याप्त है।

थिएटर की पाठशाला 'स्वप्नयान' शुरू

जागरण, भोपाल। समर वेकेशन में बच्चों को रंगमंच से जोड़ने के उद्देश्य से विहान ड्रामा वर्क्स द्वारा आयोजित बाल रंगमंच कार्यशाला 'स्वप्नयान' का शुभारंभ गुरुवार को हुआ। यह कार्यशाला न्यू मार्केट स्थित सेवन हिल्स पब्लिक स्कूल में रोजाना शाम 4 से 8 बजे तक आयोजित की जा रही है, जिसमें 3 से 16 वर्ष तक के बच्चे भाग ले रहे हैं। वर्कशॉप के पहले दिन बच्चों को थिएटर की समझ देने के लिए डिसिप्लिन, डांस, आत्मविश्वास बढ़ाने के अभ्यास, मेमोरी गेम्स और कम्यूनिकेशन स्किल्स से जुड़े सेशन से हुई। इसके अलावा 'सोचो-सोचो कितने' नामक रोचक आइस-ब्रेकिंग गेम में बच्चों ने जानवरों की नकल करते हुए ग्रुप में काम करना और तालमेल सीखा। इसके बाद नाम-परिचय खेल के जरिए एक-दूसरे को जानने, सुनने की कला सिखाई गई। वहीं बच्चों को थिएटर का वृत्त बनाकर यह सिखाया गया कि मंच पर केवल बोलना या दिखना नहीं, बल्कि गहराई से सुनना, महसूस करना और प्रतिक्रिया देना भी होता है।

नाम परिवर्तन

मैं मुकेश तलरेजा सूचित करता हूँ कि त्रुटिवश पिछले कुछ समय में मेरे एवं मेरे परिवार द्वारा कागजातों में मेरा नाम मुकेश कुमार तलरेजा लिखा गया है अतः अब मैं इस विज्ञापन के द्वारा उन त्रुटियों का सुधार कर अपना नाम मुकेश तलरेजा ही करना चाह रहा हूँ अतः भविष्य में किसी भी कागजात के काम में नाम की त्रुटि होने पर इस अखबार की कटिंग द्वारा उसमे बदलाव किया जा सके।

मुकेश तलरेजा
मोबा.: +91 93031 32302

नाम परिवर्तन सूचना

मैं, **मोहम्मद ज़ैद कुरैशी (Mohammad Zaid Qureshi)** आत्मज श्री इरफान अहमद कुरैशी (Irfan Ahmed Qureshi), आयु- वयस्क, निवासी- बी-128, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, कोहेफिजा, भोपाल (म.प्र.)। मेरा सही व पूरा नाम **मोहम्मद ज़ैद कुरैशी (Mohammad Zaid Qureshi)** है जो कि मेरे सभी शैक्षणिक दस्तावेजों में दर्ज है। मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम **मोहम्मद ज़ैद (Mohammad Zaid)** दर्ज है जो कि मेरा ही अधूरा नाम है। दोनों नाम **मोहम्मद ज़ैद कुरैशी (Mohammad Zaid Qureshi)** व **मोहम्मद ज़ैद (Mohammad Zaid)** मेरे स्वयं के अर्थात एक ही व्यक्ति के नाम हैं। अब भविष्य में मेरे द्वारा मेरा नाम **मोहम्मद ज़ैद कुरैशी (Mohammad Zaid Qureshi)** का उपयोग किया जायेगा तथा मैं **मोहम्मद ज़ैद कुरैशी (Mohammad Zaid Qureshi)** के नाम से ही जाना व पहचाना जाऊंगा।

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

आम-सूचना

क्रमांक 8984/राजस्व/भोविप्रा/25 भोपाल दिनांक 20/02/25

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि प्राधिकरण की साकेत नगर योजना स्थित भूखण्ड क्रमांक-132 सेक्टर-9-B श्री बहादुर सिंह राजपूत आ. स्व. श्री बारूराम के नाम पर आवंटित/अंकित है। आवंटी श्री बहादुर सिंह राजपूत का स्वर्गवास दिनांक 18/01/2025 एवं माता श्रीमती रंजना रानी पत्नी श्री बहादुर सिंह राजपूत का स्वर्गवास दिनांक 1996 को हो जाने के कारण उनके वारिसगण जिनमें 03 पुत्रियां एवं 01 पुत्र (1) - श्रीमती डॉ. कंचन सिंह पत्नी श्री बलराज सिंह (2)- श्रीमती संगीता चोपड़ा पत्नी श्री नीरज चोपड़ा (3)- श्रीमती अनुपमा राजपूत पत्नी श्री अमित कुमार राजपूत (4) - श्री संदिप सिंह राजपूत आ. श्री बहादुर सिंह राजपूत द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र, शपथ-पत्र, मृत्यु प्रमाण-पत्र एवं नोटराईज्ड वसीयत के आधार पर उक्त भूखण्ड का नामान्तरण अपने संयुक्त नाम पर चाहा गया है। (1) श्रीमती डॉ. कंचन सिंह पत्नी श्री बलराज सिंह (2) — श्रीमती संगीता चोपड़ा पत्नी श्री नीरज चोपड़ा (3)- श्रीमती अनुपमा राजपूत पत्नी श्री अमित कुमार राजपूत (4)- श्री संदिप सिंह राजपूत आ. श्री बहादुर सिंह राजपूत द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र, शपथ-पत्र, नोटराईज्ड वसीयतनामा एवं मृत्यु प्रमाण-पत्र के आधार पर उक्त भूखण्ड का नामान्तरण अपने संयुक्त नाम पर चाहा गया है।

उक्त संबंध में किसी व्यक्ति/उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से सात दिवस के अन्दर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजों के साथ इस कार्यालय में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपनी दावा/आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात् कोई भी दावा/आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी, तथा प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

कार्यालय भोपाल विकास प्राधिकरण भोपाल

प्रगति भवन प्रेस कॉम्पलेक्स जोन -1 महाराणा प्रताप नगर भोपाल
क्रमांक 776/राजस्व/भो.वि.प्रा/25 भोपाल दिनांक 1/5/2025

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि प्राधिकरण की कस्तूरबा नगर योजना में स्थित भूखण्ड क्र.-57 सेक्टर-ए, वर्तमान में श्री दयानंद चतुर्वेदी आ. श्री दुर्गा प्रसाद चतुर्वेदी एवं श्री प्रभात चन्द्र चतुर्वेदी आ. श्री दयानंद चतुर्वेदी के संयुक्त नाम पर आवंटित है। संयुक्त आवंटी में से श्री दयानंद चतुर्वेदी का स्वर्गवास दिनांक 24/07/2014 एवं श्री प्रभात चन्द्र चतुर्वेदी का स्वर्गवास दिनांक 07/07/2020 को हो जाने के कारण संयुक्त आवंटी के वारिसगण श्री मनीष चतुर्वेदी आ. स्व. श्री दयानंद चतुर्वेदी, श्रीमती चित्रा चतुर्वेदी पत्नि स्व. श्री प्रभात चन्द्र चतुर्वेदी, श्री अनिक चतुर्वेदी, श्री अंकित चतुर्वेदी पुत्रगण स्व. श्री प्रभात चन्द्र चतुर्वेदी ने आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, परिचय पत्र एवं पंजीकृत वसीयत की छायाप्रति संलग्न कर उक्त भूखण्ड का संयुक्त नाम पर नामांतरण चाहा गया है।

यदि उक्त संबंध में किसी व्यक्ति/ उत्तराधिकारी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की दिनांक से 7 दिवस के अन्दर लिखित एवं साक्ष्य/दस्तावेजों के साथ अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष उपस्थित होकर आपत्ति/दावा प्रस्तुत करें। उक्त समयावधि के पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी, एवं प्राधिकरण नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

राजस्व अधिकारी
भोपाल विकास प्राधिकरण, भोपाल

SUDOKU 118

		3			2			
5	7				1			
		6			9		1	4
	1	9						
	3			6			9	
						7	8	
8	4		3			2		
			5				4	9
			2			3		

SOLUTIONS 117

9	8	6	7	3	2	1	5	4
1	3	4	8	6	5	9	7	2
2	7	5	4	9	1	3	8	6
7	2	8	1	5	6	4	3	9
6	4	9	2	7	3	8	1	5
3	5	1	9	4	8	6	2	7
8	9	3	6	2	7	5	4	1
4	1	7	5	8	9	2	6	3
5	6	2	3	1	4	7	9	8

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : किसी को उधार दिया हुआ पैसा वापस मिलने की उम्मीद कर सकते हैं। व्यावसायिक संबंधों को मजबूत करने के लिए यह एक अच्छा दिन है। पारिवारिक विवाद को सुलझेंगे।

वृषभ राशि : आपको किसी भी काम का ज्यादा प्रेशर लेने की जरूरत नहीं है। मानसिक शांति बनाए रखने के लिए प्रयास करें।

मिथुन : हो सकता है किसी मुद्दे पर परिवार आपके साथ न हो। कुछ स्टूडेंट्स के लिए पढ़ाई के मामले में सुधार होने की संभावना है।

कर्क : यदि आपने व्यवसाय में पैसा खो दिया है, तो आप इसे फिर से कमाने के लिए तैयार हैं। सफलतापूर्वक पूरा हुआ कोई प्रोजेक्ट आपको प्रतिष्ठा के पद पर पहुंचा सकता है।

सिंह : कभी-कभी आपको लोगों को उनकी इच्छाओं के अनुसार चलने देना चाहिए और उन्हें खुश करने की कोशिश में खुद पर तनाव नहीं डालना चाहिए। स्वास्थ्य नरम गरम रहेगा।

कन्या : जब आप कोई दरवाजा खुलता हुआ देखें तो मौके को हाथ से न जाने दें। अपनी भावनाओं के वश में रखें। बातचीत में संतुलित रहें।

तुला : मन परेशान हो सकता है। अपनी भावनाओं को वश में रखें। परिवार की सेहत का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। आय में कमी आ सकती है। रचनात्मक प्रयास सफल होंगे।

वृश्चिक : आज आपकी दिनचर्या प्रभावित हो सकती है। कुछ लोगों के लिए शहर से बाहर की यात्रा का आनंद लेना संभव है। प्रेम जीवन में दिन रोमांटिक साबित हो सकता है।

धनु : यह तो बस आपकी यात्रा की शुरुआत है। संपत्ति का कोई मसला सही ढंग से सुलझने की संभावना है। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है।

मकर : अपने सपनों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। प्रमोशन मिल सकता है। आपने जो कमाया है उसका पूरा लाभ उठाएं।

कुंभ : अपना समय लें लेकिन यह ध्यान रखें कि आपको अपनी यात्रा अकेले ही पूरी करनी होगी। रोजगार के अवसर मिल सकते हैं।

मीन : कुछ लोगों को कमाई बढ़ाने के नए रास्ते मिलेंगे। कार्यस्थल पर आपने जो सोच रखा है उसे हासिल करने से आपको कोई नहीं रोक सकता।

आज का पंचांग : 02 मई शुक्रवार 2025। **दिशाशूल :** पश्चिम। **पर्व एवं त्योहार :** श्री आदि शंकराचार्य जयंती विक्रम संवत 2082 शके 1947 उत्तरायण, उत्तरगोल, बसंत ऋतु वैशाख मास शुक्ल पक्ष की पंचमी 09 घंटे 15 मिनट तक तत्पश्चात षष्ठी आद्रा नक्षत्र 13 घंटे 04 मिनट तक, तत्पश्चात पुनर्वसु नक्षत्र सुकर्मा योग 05 घंटे 38 मिनट तक, तत्पश्चात धृति योग मिथुन में चंद्रमा।

जाहिर सूचना

ग्राम- छान, तहसील कोलार, जिला भोपाल के संबंध में

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ने श्रीमती रंजना पटेरिया पत्नी श्री राजेन्द्र कुमार पटेरिया, आयु- वयस्क, निवासी- मकान नं. 146, वार्ड क्रमांक - 12, बाड़ी पोस्ट आफिस के पास, जिला रायसेन म.प्र. के स्वत्व, स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि खसरा क्रमांक - 397 रकबा - 2.00 एकड़, खसरा क्रमांक 406 /2 रकबा - 3.81 एकड़, खसरा क्रमांक 415 रकबा - 0. 98 एकड़, खसरा क्रमांक 406/1 रकबा - 1.08 एकड़, खसरा क्रमांक 393 रकबा - 2.84 एकड़, खसरा क्रमांक 383 रकबा - 1.75 एकड़, खसरा क्रमांक 395, 396 रकबा -1.03 एकड़, खसरा क्रमांक 365, 366, 369, 370, 391, 392 रकबा - 3.31 एकड़, खसरा क्रमांक 379, 380, 381, 382/2 रकबा-3.705 एकड़, खसरा क्रमांक 388 रकबा 1.43 एकड़, खसरा क्रमांक 384 रकबा 2.223 एकड़, खसरा क्रमांक 385, 386, 387 रकबा-4.446 एकड़, खसरा क्रमांक 377/1, 377/2/1, 378 रकबा-4.88 एकड़, खसरा क्रमांक 389, 390, 394 रकबा - 5.00 एकड़, खसरा क्रमांक 376 रकबा-8.99 एकड़, खसरा क्रमांक 371 रकबा-0.520 एकड़ इस प्रकार कुल रकबा - 48.00 एकड़ में से 787.63 वर्गफिट अर्थात 73.20 वर्गमीटर है, जिसे सुविधा की दृष्टि से भूखण्ड क्रमांक-पुष्कर 126, 'आकृति एक्वा सिटी' नाम से संबोधित किया गया है जिस पर डूप्लेक्स निर्मित है, जो कि ग्राम-छान, तहसील कोलार, जिला भोपाल में नगर निगम सीमाओं के अंदर वार्ड क्रमांक-85 में स्थित है जिसको क्रय करने हेतु टोकन राशि का भुगतान कर दिया गया है, यह कि उक्त वर्णित संपत्ति के संबंध में किसी भी व्यक्ति , संस्था, बैंक, फर्म, सरकारी व गैर सरकारी कार्यालय को कोई आपत्ति हो या कहीं दान, बंधक, गिरवी, हस्तांतरण, विक्रय, अनुबंध इत्यादि हो तो वह व्यक्ति अथवा संस्था इस सूचना प्रकाशन के 07 दिन के अंदर मेरे कार्यालय में मय दस्तावेज उपस्थित होकर लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा मेरे पक्षकार द्वारा उक्त संपत्ति का पंजीयन अपने पक्ष में करा लेगा, ऐसी स्थिति में कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी। स्थान- भोपाल म.प्र. दिनांक - 30.04.2025

विकास सिंह गुर्जर, अधिवक्ता
कार्यालय- जी.बी. 40, ब्लॉक-सी, मानसरोवर कॉम्प्लेक्स, एचबीजे स्टेशन के पास, भोपाल (म.प्र.) संपर्क- 9713126807

In The Court Of XVI Civil Judge Class-II, District Court, Bhopal
Presiding Officer : **कपिल बौरासी**

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अन्तर्गत प्रकाशन हेतु)

(RCSB/0000047/2023)

जम्मू एंड कश्मीर बैंक ....वादी
V/s
इन्दु सियोते ....प्रतिवादी

Process Id-/2025
पेशी दिनांकः- 26/06/2025

प्रेषिती-(1) **इन्दु सियोते पिता अमर चन्द सियोते पता - मकान नम्बर 26 अयोध्या बायपास नियर टनाटन ढाबा कम्फर्ट रॉयल कॉलोनी गोविन्दपुरा तहसील हुजूर जिला भोपाल म.प्र.**

यह कि प्रार्थी जम्मू एंड कश्मीर बैंक ने आपके विरूद्ध वाद वास्ते वसूली के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 17 April 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायालय की मुद्रा

(कपिल बौरासी)
सोलहवें व्यवहार न्यायाधीश,
कनिष्ठ खण्ड भोपाल (म.प्र.)

कृपया ध्यान दें : 1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो आगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, मेरे पक्षकार ने भूमि का विक्रय कर लिया है जिसका खसरा क्रमांक-753, 754, 764, 765 कुल 0.676 हेक्टयर में से 1 एकड़, ग्राम भौंरी वार्ड नं.-3, तहसील हुजूर, जिला भोपाल जो पुरुषोत्तम शर्मा आ. जगदीश प्रसाद, निवासी भौंरी, भोपाल के नाम से दर्ज है, जिसकी दिशाएं पूरब में-विक्रेता भूमि, पश्चिम में-रोड, उत्तर में-विक्रेता की भूमि, दक्षिण सुनिल जाट की भूमि है, भूमि की संपूर्ण राशि चैक/नगद द्वारा दी जा चुकी है। यदि उक्त संपत्ति अथवा उसके किसी भी भाग पर किसी भी अन्य व्यक्ति या संस्था का कोई स्वत्व, स्वामित्व, आधिपत्य, विक्रय अनुबंध पत्र, विक्रय पत्र, बंधक या किसी भी प्रकार का कोई अंतरण हो तो व मुझे इस आम सूचना के प्रकाशन से 07 दिन की अवधि में अपनी लिखित दस्तावेजों सहित आपत्ति मेरे कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें, अन्यथा उक्त समयावधि निकलने के पश्चात मेरे पक्षकार द्वारा उक्त भूमि की रजिस्ट्री अपने पक्ष में निष्पादित करा ली जावेगी, तत्पश्चात कोई भी आपत्ति मान्य नहीं होगी।

भवदीय-**विजय कुमार लोदवाल** अधिवक्ता
कार्यालयः ग्राम-फंदा कलां, जिला भोपाल, मो.7470448996

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

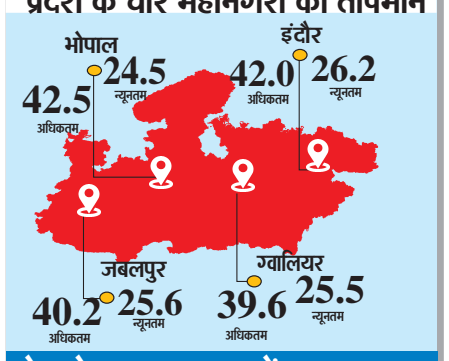

देश के चार महानगरों का तापमान

	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	38.6	26.8
मुंबई	33.9	26.0
चेन्नई	40.5	23.5
कोलकाता	32.2	23.4

सूर्यास्त 6:48 PM
सूर्योदय 5:47 AM
चन्द्रोदय 8:39 AM
चन्द्रास्त 11:02 PM

ब्यौहारी के कुंडुल पानी में दिखा जंगली हाथियों का झुंड

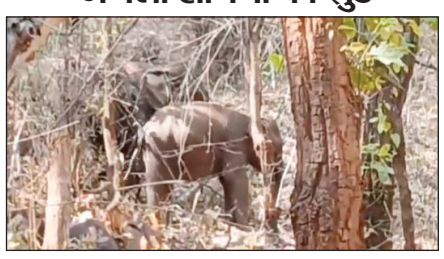

जागरण, शहडोल। जिले के ब्यौहारी वन परिक्षेत्र के कुंडुल पानी मदई बीट में गुरुवार सुबह हाथियों का झुंड दिखाई दिया। सूचना पर वन विभाग की टीमें मौके पर पहुंची और जंगली हाथियों के निगरानी शुरू की। हाथियों की संख्या 24 से अधिक है, जो बीते कुछ माह से ब्यौहारी वन परिक्षेत्र के जंगलों में विचरण कर रहे हैं। इनकी निगरानी के लिए वन विभाग ने तीन टीमों का गठन किया है। हाथियों को देखकर ग्रामीण काफी दहशत में हैं। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि गुरुवार की सुबह जंगली हाथियों का फिर एक बार मूमेंट मिला है, जोकि ब्यौहारी वन परिक्षेत्र के कुंडुल पानी मदई बीट में देखा गया। जंगलों के बीच जंगली हाथी विचरण कर रहे हैं, यहां से गांव की बस्तियां लगी हुईं हैं। हाथियों को देखकर लोगों ने वन विभाग को खबर दी। इसके बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंच हाथियों पर नजर बनाए है। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बीते कई माह से 24 से अधिक जंगली हाथी इसी क्षेत्र में विचरण कर रहे हैं, जिनकी निगरानी के लिए 18 आधिकारी कर्मचारी लगाए गए हैं, जो तीन टीमों में काम कर रहे हैं।

जीवाजी यूनिवर्सिटी में एक ही दिन दो पेपर, छात्र परेशान

जागरण, ग्वालियर। जीवाजी यूनिवर्सिटी से जुड़े कॉलेजों में बीकॉम फर्स्ट ईयर के छात्रों की परेशानी बढ़ गई है। यूनिवर्सिटी ने 2 मई से यूजी फर्स्ट ईयर की परीक्षाएं शुरू करने का ऐलान किया है। इस बीच 15 मई को बीकॉम फर्स्ट ईयर का पेपर है। वहीं, सीए फाउंडेशन की परीक्षा भी इसी दिन एक ही समय पर दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक रखी है।छात्रों का कहना है कि वो एक ही दिन दो परीक्षाएं कैसे दे पाएंगे? उन्होंने रजिस्ट्रार अरुण चौहान, परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजेश मिश्रा और कुलगुरु प्रो. राजकुमार आचार्य से शिकायत की है, लेकिन अब तक कोई हल नहीं निकला है। छात्रों ने कहा कि उन्होंने पूरे साल सीए फाउंडेशन की तैयारी की है और साथ में बीकॉम की भी पढ़ाई की है। अगर यूनिवर्सिटी ने 15 मई की बीकॉम परीक्षा की तारीख नहीं बदली, तो उनका साल बर्बाद हो सकता है। यूनिवर्सिटी प्रशासन का कहना है कि परीक्षाएं राजभवन के निर्देश के अनुसार एकेडमिक कैलेंडर के तहत हो रही हैं। अगर तारीखों में बदलाव किया तो इससे परीक्षा और रिजल्ट में देरी हो सकती है। फिर भी छात्रों को उम्मीद है कि उनकी परेशानी को देखते हुए परीक्षा की तारीख बदली जाएगी।

आरोप : गरम तेल की कड़ाई उड़ेली, फिर पिलाया जहर

जागरण, पन्ना। कोतवाली थाना अंतर्गत मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है, जहां कलयुगी पति, सास, ससुर ने मिलकर अपनी पत्नी व बहू को इस हद तक प्रताड़ित किया कि माहिला के आंसू नहीं रुक रहे हैं। इतना ही नहीं पीड़ित महिला ने पति, सास ससुर पर हाथ जलाने एवं जहरीला पदार्थ खिलाकर जान से मारने का प्रयास करने के भी गंभीर आरोप लगाए हैं। हालांकि घटना के बाद पीड़ित महिला ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जिस पर केस दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

गुना और मंदसौर जिले में दो सड़क हादसों में सात लोगों की मौत, तीन घायल

बारात से लौटते समय डिवाइडर से टकराई कार, चार युवकों ने मौके पर ही तोड़ा दम

जागरण, गुना/ मंदसौर। प्रदेश में दो स्थानों पर दर्दनाक सड़क हादसे हुए, जिनमें सात लोगों की मौत हो गई। हादसे में तीन लोग घायल हुए हैं। इसमें एक युवक की हालत गंभीर है। गुना के मावन गांव में हुई दुर्घटना में एक ही गांव के चार युवकों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हैं। इनमें से एक को नाजुक हालत में इलाज के लिए भोपाल भेजा है। दूसरा हादसा मंदसौर के गरोठ-उज्जैन फोरलेन पर गुराड़िया माता के पास हुआ। इस दर्दनाक घटना में बाइक सवार पति-पत्नी और उनकी चार साल की मासूम बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों हादसों की सूचना मिलने के बाद गांवों में गमगीन माहौल है।

जागरण, गुना। एक भीषण सड़क हादसे ने शादी की खुशियों को मातम में बदल दिया। शिवपुरी जिले के कोलारस क्षेत्र से गुना के मावन गांव आई बारात समारोह से लौटते वक्त युवकों की कार डिवाइडर से टकराकर पलट गई। बुधवार और गुरुवार की दरमियानी रात लगभग 2.30 बजे हादसे में चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से एक को गंभीर हालत में भोपाल रेफर किया है। जानकारी अनुसार कोलारस के रिजौदा गांव से बारात गुना जिले के मावन गांव आई थी। विवाह संपन्न होने के बाद कुछ युवक स्विफ्ट डिजायर कार से वापस अपने गांव लौट रहे थे। भदौरा के समीप कार अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए और कार में सवार सात में से चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में जान गंवाने वालों की पहचान गोविंद रघुवंशी (28), सोनू रघुवंशी (35), वीरू कुशवाह (24) और हितेश बैरागी (24) के रूप में हुई है। ये सभी युवक शिवपुरी जिले के रिजौदा गांव के रहने वाले थे। हादसे में सुदीप रघुवंशी (24), सुमित रघुवंशी (24) और रवि रघुवंशी (22) घायल हुए हैं। इनमें सुदीप की हालत नाजुक होने के कारण उसे भोपाल रेफर किया है। हादसे की सूचना मिलते ही म्याना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया। म्याना थाना प्रभारी उप निरीक्षक गोपाल चौबे ने बताया कि कार की रफ्तार बहुत तेज थी, जिससे वह अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा भिड़ी। इस दर्दनाक हादसे के बाद शादी की खुशियों में डूबे दोनों गांवों में शोक की लहर दौड़ गई है। एक साथ चार युवकों की मौत से पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

टवेरा ने बाइक सवार दंपति और मासूम बेटी को कुचला, एक ही चिता पर अंतिम संस्कार

जागरण, मंदसौर। जिले के शामगढ़ क्षेत्र में गुरुवार दोपहर तेज रफ्तार टवेरा गाड़ी ने बाइक सवार दंपति और बेटी को कुचल दिया। हादसे में दंपति और 4 साल की बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक गुरुवार को कमल सिंह राजपूत, पत्नी लाली बाई और बेटी खुशी के साथ सेमली शंकर गांव से शादी समारोह से अपने गांव रूपरा (थाना गरोठ) लौट रहे थे। इसी दौरान शाम करीब 4 बजे गरोठ-उज्जैन फोरलेन पर गुराड़िया माता के पास तेज रफ्तार टवेरा ने पीछे से बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में तीनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पीएम के बाद शवों को रूपरा गांव लाया गया। यहां गमगीन माहौल में एक ही चिता पर मां-बेटी और एक पर पिता का अंतिम संस्कार किया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसे के बाद टवेरा का एक टायर फट गया। इसके बाद भी दहशत में ड्राइवर ने फटे टायर के साथ 10-12 किमी तक गाड़ी दौड़ाई और कृषि उपज मंडी में गाड़ी छिपा दी। शामगढ़ टीआई मनोज महाजन ने बताया कि पुलिस ने गाड़ी बरामद कर ली है और ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी है।

मंदसौर के गुराड़िया माता के पास हादसा फटे टायर से 10-12 किमी दौड़ाई टवेरा

अंबेडकर प्रतिमा टूटने पर हाईकोर्ट ने सिवनी कलेक्टर-एसपी को दिया नोटिस

जागरण, जबलपुर। सिवनी जिले के धूमा क्षेत्र में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने के मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने जिले के कलेक्टर, एसपी और एसएचओ धूमा को नोटिस जारी कर एक हफ्ते में शपथ पत्र के साथ जवाब मांगा है। यह घटना फरवरी 2025 की है। मामले में दायर जनहित याचिका में कोर्ट को बताया गया कि प्रतिमा तोड़ने की शिकायत की गई थी, मगर उस पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। सिवनी निवासी जितेंद्र अहिरवार की ओर से अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय ने कोर्ट में पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि धूमा थाना अंतर्गत एक गांव में 10-11 फरवरी की रात कुछ लोगों ने डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा में तोड़फोड़ की, अगले ही दिन धूमा पुलिस थाने में एफआईआर भी दर्ज कराई गई। मगर आज तक आरोपी पुलिस गिरफ्त से बाहर हैं। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने की बजाय जर्जर मूर्ति को किसी अज्ञात स्थान में रख दिया और वहां पर नई प्रतिमा लाकर रख दी। जो नई मूर्ति लगाई गई है वह किसके द्वारा लाई गई, कहां से लाई गई और किस मद से उसमें पैसा खर्च किया है यह जानकारी नहीं दी गई। याचिकाकर्ता ने इस मामले को लेकर लगातार सिवनी कलेक्टर, एसपी सहित अन्य अधिकारियों से जाकर शिकायत की, लेकिन किसी ने भी संतोषजनक जवाब नहीं दिया। हाई कोर्ट को यह भी बताया गया कि सिवनी पुलिस प्रतिमा तोड़ने वालों की न जांच कर रही है और ना ही उनके खिलाफ कार्यवाही। घटना को ढाई महीने से ज्यादा समय हो गया है, लेकिन आज तक पुलिस ने एक भी आरोपियों को गिरफ्तार नहीं कर पाई। उल्टा याचिकाकर्ता को ही पुलिस परेशान कर रही है कि कार्यवाही के लिए दबाव न बनाया जाए। जनहित याचिका पर चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत और जस्टिस विवेक जैन की डिवीजन बेंच ने सिवनी कलेक्टर, एसपी और एसएचओ धूमा को नोटिस जारी कर 7 दिन में जवाब मांगा है। मामले में अगली सुनवाई 7 मई को होगी। अदालत ने इस मामले में अभी तक की गई कार्रवाई का ब्यौरा भी तलब किया है।

एक हफ्ते में अफसरों से मांगा जवाब

किशोरी को बंधक बनाकर मुंह बोले नाना ने कराया देह व्यापार, पार्षद भी गिरफ्तार

जज के सामने पीड़िता का खुलासा, पुलिस पर मामला दबाने के आरोप

जागरण, मुरैना। जिले के अंबाह क्षेत्र से लापता 16 साल की किशोरी को बंधक बनाकर मुंह बोले नाना द्वारा देह व्यापार कराने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। किशोरी 11 अप्रैल को घर से किसी बात पर नाराज होकर कुछ ही दूरी पर रहने वाले नाना के यहां चली गई थी। पुलिस ने 27 अप्रैल को नाना के घर से उसकी सामान्य बरामदगी दिखाकर कोर्ट में पेश किया था। कोर्ट में पुलिस की यह कहानी टिकी नहीं और जज के सामने ही पीड़िता ने बयान दिया कि नाना ने उसे एक कमरे में बंधक बना लिया। वहां हर दिन कुछ लोग आते, जिन्होंने उससे दुष्कर्म किया। किशोरी के बयान के बाद पुलिस ने मुंहबोले नाना और एक निर्दलीय पार्षद को गिरफ्तार किया है, अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है। 11 अप्रैल को जब किशोरी लापता हुई तो घरवालों ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई थी। बाद में पुलिस ने मामले में बहला फुसलाकर ले जाने का अपराध दर्ज किया। परिजनों ने किसी को शक के आधार पर चिह्नित नहीं किया था। 27 अप्रैल को नाबालिग घर पहुंची, जिस पर पुलिस को सूचना दी गई, उसका कहना था कि वह घर से कुछ ही दूरी पर रहने वाले मुंह बोले नाना के घर थी। पुलिस ने नाना के घर से उसकी बरामदगी दिखाकर कोर्ट में पेश किया, लेकिन यहां से पूरी कहानी बदल गई। किशोरी ने कोर्ट में कहा कि घर से जाने के बाद ही वह सीधे मुंह बोले नाना के घर पहुंची थी, जहां नाना ने उसे एक कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद उसके घर में ही हर दिन तीन से चार लोगों को लेकर आता और उसके साथ दुष्कर्म किया। इन 16 दिनों में कई लोगों ने उसके साथ दुष्कर्म किया है। पुलिस ने तुंरत उसके मुंहबोले नाना को उठाया और पूछताछ की। इसके बाद वार्ड एक के निर्दलीय पार्षद कदम सिंह को उठाया, दो अन्य नाम भी बताए। पुलिस ने पार्षद व मुंहबोले नाना को गिरफ्तार कर लिया है।

महिला प्रधान आरक्षक को किया लाइन अटैच

इस मामले में अंबाह थाने की प्रधान आरक्षक मालती पाराशर को लाइन अटैच कर दिया है। बताया जाता है कि मालती पाराशर ने ही किशोरी को दुष्कर्म की बात कोर्ट में बताने की सलाह दे दी थी। वहीं यह भी सामने आया है कि पुलिस ने इस मामले को दबाने का प्रयास किया, लेकिन कोर्ट के सामने कलई खुलने के बाद पुलिस कार्रवाई में जुट गई है।

फर्जी मार्कशीट मामले में महापौर के खिलाफ याचिका खारिज

जागरण, मुरैना। कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुई महापौर शारदा सोलंकी को उच्च न्यायालय से बड़ी राहत मिली है, उनकी 10 वीं की फर्जी अंकसूची मामले में उच्च न्यायालय ग्वालियर की खण्डपीठ ने याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि उससे आम जनता को कोई लेना-देना नहीं है। भाजपा की मेयर पद की दावेदार रही मीना जाटव ने शारदा सोलंकी के खिलाफ न्यायालय में परिवाद दायर किया था। इसमें उन्होंने कहा शारदा सोलंकी की 10 वीं की अंकसूची को फर्जी बताया था। साथ ही चुनाव घोषणा पत्र में उनके न्यू हाउसिंग बोर्ड में निवास की जानकारी को गलत कहा था। यह याचिका जिला न्यायालय में दायर की थी। मुरैना जिला न्यायालय ने उस याचिका पर गौर करते हुए मुरैना कोतवाली पुलिस को आदेश जारी किया था कि शारदा सोलंकी को गिरफ्तार किया जाए। इसके बाद महापौर ने उच्च न्यायालय में याचिका लगाई थी।

रेप की रिपोर्ट कराने वाली महिला के साथ अर्धनग्न नजर आया आरोपी

पुलिस के छोड़े ड्रोन से सामने आई हकीकत

जागरण, मुलताई। दो बार हाथ से निकल चुके बलात्कार के आरोपी को पकड़ने पुलिस द्वारा छोड़े गए ड्रोन में सामने आई हकीकत ने पुलिस के ही होश उड़ा दिए। आरोपी अर्धनग्न हालत में उसी महिला के साथ घर में था जिस महिला ने दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। ड्रोन में तस्वीर देख पुलिस ने फौरन उस घर में दस्तक दी और आरोपी को गिरफ्तार करने में सफल हो गई।

यह मामला मुलताई के सारणी का है, जहां एक मकान से पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस ने तीन टीमें बनाई थीं, जो लगातार सक्रिय थीं। पुलिस को जानकारी मिली थी की आरोपी शहर में देखा जा रहा है। लेकिन, पुलिस जब भी मौके पर पहुंचती वो पहले ही वो फरार हो जाता। बार-बार खाली हाथ लौट रही पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए ड्रोन की मदद ली। गुरुवार सुबह पुलिस को सूचना मिली की आरोपी को शहर में देखा गया है। इसके बाद पुलिस ने उसके घर के करीब 150 मीटर ऊपर ड्रोन उड़ा दिया। दूर से तीन टीम निगरानी रखने लगीं। जैसे ही आरोपी अपने घर में दाखिल हुआ। 20 मिनट बाद पुलिस टीम उसके घर के पीछे की दीवार फांद अंदर घुस गई। घर में घुसी पुलिस वहां का नजारा देख आश्चर्य में पड़ गई, आरोपी उसी महिला के साथ आधे कपड़ों में था, जिसने उसके खिलाफ रेप का मामला दर्ज कराया है। बताया जाता है कि आरोपी के घर के पीछे बहुत अधिक झाड़ियां हैं। इसी का फायदा उठाकर आरोपी हर बार फरार हो जाता था। इस बार भी पुलिस के आते ही आरोपी पीछे की ओर भागने लगा। इसी दौरान टीम ने एक दूसरे को संदेश दिया कि आरोपी पीछे की ओर भाग रहा है, तभी पीछे झाड़ियों में छिपी टीम ने एक्शन लिया। ये टीम आरोपी के घर की दीवार फांदकर अंदर घुस गई और आरोपी को हिरासत मे ले लिया।

घर से लापता नाबालिग से 4 लोगों ने किया गैंगरेप, डिप्टी जेलर संग होटल में मिली

जागरण, शहडोल। घर से तीन दिन से गायब एक नाबालिग के साथ चार युवकों द्वारा गैंगरेप का मामला सामने आया है। बाद में एक युवक उसे शहडोल स्टेशन पर छोड़ गया। रात में सड़क पर घूम रही यह लड़की एक होटल में डिप्टी जेलर के साथ मिली। डिप्टी जेलर पर लिफ्ट देने के बहाने लड़की को जबरन होटल ले जाने के आरोप लगे हैं। शहडोल के पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने मीडिया को बताया कि इस लड़की की गुमशुदगी की रिपोर्ट उसकी मां ने सोहागपुर थाने में कराई थी। यह 17 वर्षीय लड़की गैंगरेप की शिकार हुई है। इसे गांव के ही लड़के समीर खान ने फोन करके मिलने के लिए बुलाया था। चंदनिया के जंगल में ले जाकर उसने लड़की के साथ दुष्कर्म किया। फिर अपने दोस्त छोटू को भी बुला लिया। उसने भी लड़की के साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद वे उसे शहडोल स्टेशन पर छोड़ गए। यहां शाम को अनमोल ने फोन करके बुलाकर दुष्कर्म किया। उसके दोस्त आकिब ने भी उसका बलात्कार किया। रात में जब वह सड़क पर भटक रही थी तो डिप्टी जेलर विकास सिंह मिल गए और अपने साथ होटल कृष्णा ले गए। यहां गश्ती पुलिस ने शक के आधार पर कमरे से उसे बरामद किया। गुरूवार को चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। डिप्टी जेलर के परिजनों का कहना है कि लड़की ने उनसे मदद मांगी थी। कृष्णा होटल में हमारे घर शादी में आए कई मेहमान रुके थे। इसलिए वे लड़की को वहां ले गए थे। उन्हें झूठा फंसाया जा रहा है। पुलिस ने जेलर पर अपहरण का केस दर्ज किया है।

सीएम का साला बताकर भाजपा नेता से डेढ़ करोड़ रुपए ठगे

जागरण, ग्वालियर। खुद को मुख्यमंत्री मोहन यादव का साला बताकर एक युवक ने ससुराल से मिली जमीन का डेढ़ करोड़ रुपए में सौदा कर लिया। तीन किस्तों में उसने भाजपा नेता से पूरी रकम भी ले ली। अब छह महीने से वह रजिस्ट्री करने के नाम पर टहला रहा है। पैसे वापस मांगने पर सीएम से रिश्तेदारी का रौब दिखाकर आरोपी ने भाजपा नेता और उनकी पत्नी से गाली-गलौच व मारपीट कर दी। भाजपा नेता के ड्रायवर को भी आरोपी ने घायल कर दिया। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत लेकर मामला जांच में लिया है। पुलिस के मुताबिक भाजपा नेता अमित सिरोठिया ठेकेदारी भी करते हैं। उनके रिश्तेदार मनोज दुबे के माध्यम से मई 2024 में उनकी मुलाकात थाटीपुर निवासी विजय यादव से हुई। विजय यादव ने खुद को बेहट के एक कॉलेज में प्रोफेसर बताया है। साथ ही खुद को रिश्ते में मुख्यमंत्री यादव का साला भी बताया। बातचीत में उसने थाटीपुर में 10 हजार वर्गफीट से ज्यादा जमीन बेचने की बात कही। अमित सिरोठिया ने जमीन देखकर 5 जून 2024 को विजय से एग्रीमेंट कर लिया।

सामूहिक विवाह समरसता का सशक्त माध्यम : सीएम

गढ़ाकोटा में 3,219 नव दंपत्ति बंधे परिणय सूत्र में

जागरण, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारे सनातन धर्म में सभी की सुख-समृद्धि और उन्नति की कामना की गई है। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह सामाजिक समरसता का सशक्त माध्यम है। विवाह में सिर्फ वर-वधु का विवाह नहीं, बल्कि दो परिवारों और कुटुम्बों का मिलन भी होता है। उन्होंने कहा कि हर माता-पिता का यह सपना होता है कि उसकी बेटी का, उन्होंने जितने अच्छे से लालन-पालन किया उससे अच्छा लालन-पालन और प्यार उसे ससुराल में मिलेगा। इस विश्वास के साथ ही बेटी के माता-पिता उसे वर को सौंपते हैं। मुख्यमंत्री सागर जिले के गढ़ाकोटा में 23वें वृहद सामूहिक विवाह समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस समारोह में 3 हजार 219 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे। समारोह में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत, मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, मंत्री लखन पटैल, सांसद लता वानखेडे, सांसद राहुल सिंह, पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव, पूर्व मंत्री जयंत मलैया, विधायक प्रदीप लारिया, विधायक ब्रज बिहारी पटैरिया, पूर्व विधायक पारुल साहू, पूर्व मंत्री रामकृष्ण कुसमरिया, पूर्व मंत्री ललिता यादव, श्रीश्री 108 श्री किशोरदास महाराज, जिला पंचायत अध्यक्ष हीरासिंह राजपूत आदि मौजूद थे।

एमआर-10 आरओबी बनेगा आठ लेन

जागरण, इंदौर। एमआर-10 पर आवागमन की सुविधा के लिए वर्तमान रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) के समांतर ही चार लेन का नया आरओबी बनाया जाना है। रेलवे ने इसकी ड्राइंग को मंजूरी दे दी है। अब इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) इसके लिए टेंडर जारी करेगा। सिंहस्थ से पहले चार लेन आरओबी का निर्माण किया जाएगा। इसके बनने से वाहनों का आवागमन आसान होगा और वर्तमान चार लेन आरओबी से भी दबाव कम होगा।

शहर के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल एमआर-10 पर बने आरओबी की चौड़ाई बढ़ाई जाएगी। वर्तमान आरओबी के समांतर कुमेड़ी की तरफ चार लेन का नया आरओबी आकार लेगा। विगत दिनों बोर्ड बैठक में सहमति के बाद आईडीए ने रेलवे को मंजूरी के लिए प्रस्ताव भेजा था। रेलवे ने जनरल अरेंजमेंट ड्राइंग (जीएडी) को मंजूरी दे दी है। अब आईडीए आगे की प्रक्रिया करेगा। सिंहस्थ में वाहनों का सर्वाधिक दबाव एमआर-10 पर रहेगा, इसलिए इसका निर्माण दो साल में पूरा करने का लक्ष्य तय किया है।

हार्न से बिदकी घोड़ी, बारातियों ने कार सवारों को जमकर पीटा

जागरण, मुरैना। कार के हॉर्न से दूल्हे की घोड़ी बिदक गई, जिससे दूल्हा घोड़ी से गिरने से बच गया। इसके बाद भड़के बारातियों ने कार को घेरकर जमकर पथराव किया और फिर कार सवारों को बुरी तरह पीटा। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने इस मामले में पांच लोगों पर केस दर्ज किया है। दिल्ली के हरफूल विहार, नजबगढ़ नागलोई के निवासी रमेश राठौर, बेटे दीपक राठौर व परिजनों के साथ अपनी भांजी के देवर की शादी में शामिल होने मुरैना आए थे। रमेश का बेटा दीपक रात एक बजे कार से निकला था। इसी दौरान इस्लामपुरा के दूल्हे की बारात कृष्णा नगर जा रही थी। कार निकालने के लिए दीपक ने लगातार हार्न बजाया, जिससे घोड़ी बिदक गई और दूल्हा भी घबरा गया। यह देख बाराती भड़क गए। दीपक वहां से कार लेकर भागा, लेकिन बारातियों के झुंड ने दूसरे वाहन से पीछा कर दीपक को घेर लिया, भीड़ ने सड़क से पत्थर उठाकर कार पर फेंकना शुरू किया, जिससे कार के सभी शीशे फूट गए। बरातियों ने दीपक और उसे बचाने आए नीतेश के साथ जमकर मारपीट की। दीपक ने थाने में बताया कि मारपीट में गले से सोने की चेन भी गायब हो गई। कोतवाली पुलिस ने शिकायत पर केस दर्ज किया है।

बिजनेस प्लस

अंतरराष्ट्रीय लॉ मूट कोर्ट प्रतियोगिता ऑक्सफोर्ड में जज बनीं छग की सुगंधा

रायपुर। बोनवेरो इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन राइट्स की ओर से 21 से 25 अप्रैल के बीच ऑक्सफोर्ड में आयोजित हुए 18वें वार्षिक मोनरो ई. प्राइस मीडिया लॉ मूट कोर्ट प्रतियोगिता के अंतरराष्ट्रीय राउंड में छत्तीसगढ़ की बेटी और सुप्रीम कोर्ट की वकील सुगंधा जैन संपूर्ण भारत से बतौर जज अकेले शामिल हुई। यह पहला अवसर था जब विधि से जुड़ा छग का कोई व्यक्ति अंतरराष्ट्रीय लॉ से संबद्ध आयोजन में जज बनी है। आयोजन में दुनिया भर के लगभग 150 देशों के लॉ यूनिवर्सिटी के छात्र शामिल हुए थे। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय लॉ से संबंधित बारीकियों विशेष तौर पर मानवाधिकार पर भी जज के रूप में सुगंधा ने दुनियाभर के विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। रायपुर की रहने वाली 30 वर्षीय सुगंधा जैन पिछले 8 सालों से सुप्रीम कोर्ट में वकालत कर रही हैं। इसके साथ ही विभिन्न राज्यों के शासकीय संस्थानों से संबद्ध हैं। वह महिला उत्थान एवं कानूनी जागरुकता को लेकर जन जागरण अभियान में भी अपना योगदान देती रही है। भारत का मान बढ़ाने वाली सुगंधा की उपलब्धि पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप मुख्यमंत्री अरुण साव एवं सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने उन्हें छग का गौरव बताते हुए बधाई एवं उज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी है और उन्हें नौजवान पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बताया है।

वेकोलि में श्रम में सहभागी बन देशहित का दिलाया संकल्प

नागपुर। टीम वेकोलि ने अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर गुरुवार को कोयला श्रमिक (खनिक) दिवस मनाया। कंपनी मुख्यालय में अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक जय प्रकाश द्विवेदी ने कोयला खनिक की मूर्ति एवं शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने सभी को श्रमिक दिवस तथा महाराष्ट्र स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कर्मियों की खुशहाली और बेहतरी के लिए हर संभव प्रयास करने की अपील की। साथ ही श्रम एवं श्रमिक के इतिहास का जिक्र करते हुए उन्होंने श्रम तथा श्रमिकों के महत्व पर अपनी बात रखी। इस अवसर पर उपस्थित निदेशक तकनीकी (संचालन)अनिल कुमार सिंह, निदेशक तकनीकी (योजना एवं परियोजना) श्री आनंदजी प्रसाद, निदेशक (वित्त) श्री बिक्रम घोष, निदेशक (मानव संसाधन) डॉ. हेमंत शरद पांडे तथा मुख्य सतर्कता अधिकारी अजय मधुकर म्हेत्रे ने भी कोयला खनिक की मूर्ति एवं शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। सीएमडी श्री द्विवेदी ने उपस्थित सभी को देशहित में श्रम के द्वारा सहभागी होने का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर संचालन समिति सदस्य सीजे जोसफ ने सभी को खनिक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए विचार प्रकट किए। कार्यक्रम में महाप्रबंधक/ विभागाध्यक्ष, अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। उपस्थित सभी ने शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की।

बाजार पर नजर

'एक राज्य एक आरआरबी' योजना
देश भर के 700 जिलों में 28 आरआरबी करेंगे काम

नयी दिल्ली, जेएनएन। वित्त मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि एक मई से 'एक राज्य एक आरआरबी' योजना लागू होने के साथ ही 700 जिलों में 22,000 से अधिक शाखाओं वाले 28 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी) देशभर में काम करेंगे। 'एक राज्य एक आरआरबी' के अंतर्गत 11 राज्यों/केंद्र शासित क्षेत्रों के 26 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों को राज्य/केंद्र शासित क्षेत्र में एकल आरआरबी में समाहित कर दिया गया है। वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने कहा, इस विलय से आरआरबी की संख्या 43 से घटकर 28 हो गई है, जिससे आरआरबी की व्यवहार्यता तथा वित्तीय प्रदर्शन में और सुधार होगा। डीएफएस से सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, अब 28 आरआरबी होंगे जिनकी 700 जिलों में 22000 से अधिक शाखाएं होंगी। इस विलय के परिणामस्वरूप एकीकृत क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का पूंजी आधार बढ़ेगा, जिससे संबंधित राज्य विशिष्ट लक्ष्यों के अनुरूप ऋण वृद्धि तथा विविधीकरण को बढ़ावा मिलेगा।

जोमैटो का मुनाफा चौथी तिमाही में 78% कम हुआ

मुंबई, जेएनएन। ऑनलाइन फूड डिलिवरी कंपनी जोमैटो ने वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में 6,201 करोड़ रुपए की कुल कमाई की है। यह पिछले साल के मुकाबले 63 प्रतिशत ज्यादा है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी ने 3,797 करोड़ रुपए की कमाई की थी। कुल कमाई में से कर्मचारियों की सैलरी और टैक्स जैसे खर्चे निकाल दें तो कंपनी के पास 39 करोड़ रुपए शुद्ध मुनाफे (कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट) के रूप में बचे। सालाना आधार (2024 के जनवरी-मार्च) पर यह 77.71 प्रतिशत कम हुआ है। वहीं, पिछली तिमाही यानी अक्टूबर-दिसंबर के मुकाबले यह 33.90 प्रतिशत घटा है। चौथी तिमाही में जोमैटो ने संचालन (प्रोडक्ट-सर्विस बेचकर) 5,833 करोड़ रुपए का राजस्व यानी रेवेन्यू जनरेट किया। पिछले साल के जनवरी-मार्च के मुकाबले यह 63.76 प्रतिशत बढ़ा है।

अडाणी एंटरप्राइजेज का मुनाफा 753 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई, जेएनएन। अडाणी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड का वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में कंसॉलिडेटेड मुनाफा 753 प्रतिशत बढ़कर 3,845 करोड़ रुपए पहुंच गया है। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी को 451 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। इस मुनाफे में अडाणी विल्मर में 13.5 प्रतिशत हिस्सेदारी की बिक्री से मिले 3,286 करोड़ रुपए शामिल है, इसलिए 753 प्रतिशत की ग्रोथ दिख रही है। इस वन टाइम गेन को हटा दें तो मुनाफा सालाना आधार पर केवल 24 प्रतिशत ही बढ़ा है। यानी, कंपनी की ग्रोथ धीमी है। ऑपरेशन से कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू मार्च 2025 तिमाही में 7.5 प्रतिशत घटकर 26,966 करोड़ रह गया, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 29,180 करोड़ था।

जीएसटी कलेक्शन ने तोड़े सारे रिकॉर्ड 12.6% बढ़कर 2.37 लाख करोड़ पहुंचा

इस महीने में हुआ अब तक का सबसे ज्यादा जीएसटी कलेक्शन, इससे पहले कभी नहीं हुआ

नई दिल्ली, जेएनएनन। जीएसटी कलेक्शन में हर साल बढ़ोतरी देखने को मिलती है। इस बार तो जीएसटी ने अपने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए है और रिकॉर्ड हाई लेवल पर पहुंच गया है। जीएसटी अप्रैल 2025 में सालाना आधार पर 12.6 प्रतिशत के उछाल के साथ 2.37 लाख करोड़ रुपए के रिकॉर्ड पर पहुंच गया है। अब तक का सबसे ज्यादा जीएसटी कलेक्शन इस महीने में हुआ है। एक महीने में इतना अब तक कभी नहीं हुआ है। सरकार ने इस दौरान डोमेस्टिक ट्रांजैक्शन से 1.90 लाख करोड़ टैक्स वसूला है। सालाना आधार पर इसमें 10.7 प्रतिशत की ग्रोथ हुई है। वहीं, इम्पोर्ट के जरिए 46,913 करोड़ जीएसटी सरकार ने जुटाया है। एक साल में इसमें 20.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

किस राज्य में कितना रहा टैक्स कलेक्शन ?

हमेशा की तरह सबसे ज्यादा टैक्स कलेक्शन महाराष्ट्र से हुआ है। अप्रैल 2025 में महाराष्ट्र से सरकार ने 41,645 करोड़ रुपये टैक्स कलेक्ट किया है। जो पिछले साल अप्रैल के मुकाबले 11 फीसदी ज्यादा है।

अप्रैल 2024 में महाराष्ट्र से सरकार ने 37,671 करोड़ रुपये टैक्स के रूप में जुटाए थे। अप्रैल 2024 में जीएसटी कलेक्शन 2.10 लाख करोड़ रुपये रहा था, जो अब तक का ऑल टाइम हाई था. वहीं दिसंबर 2024 में जीएसटी कलेक्शन 1.77 लाख करोड़ रुपये था, जो साल-दर-साल 7.3 प्रतिशत की वृद्धि को दिखाता है। जीएसटी कलेक्शन इकोनॉमिक हेल्थ का एक महत्वपूर्ण संकेतक है। हायर कलेक्शन मजबूत उपभोक्ता खर्च, औद्योगिक गतिविधि और प्रभावी कर अनुपालन का संकेत देते हैं। अप्रैल महीने में बिजनेसेज अक्सर मार्च से वर्ष के अंत के लेन-देन को क्लियर करते हैं, जिससे टैक्स फाइलिंग्स और कलेक्शन्स में वृद्धि होती है। KPMG के नेशनल हेड अभिषेक जैन ने कहा कि अब तक का हाईएस्ट जीएसटी कलेक्शन मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था को दर्शाता है।

एक जुलाई 2017 से देशभर में लागू हुआ था जीएसटी

सरकार ने 1 जुलाई 2017 को देशभर में जीएसटी लागू किया था। इसके बाद केंद्र और राज्य सरकारों के 17 करों और 13 उपकरों को हटा दिया गया था। जीएसटी के 7 साल पूरे होने पर वित्त मंत्रालय ने पिछले सात वर्षों के दौरान हासिल की गई उपलब्धियों को लेकर पोस्ट किया। जीएसटी एक इनडायरेक्ट टैक्स है। इसे कई तरह के इनडायरेक्ट टैक्स जैसे वैट सर्विस टैक्स, परचेज टैक्स, एक्साइज ड्यूटी को रिप्लेस करने के लिए 2017 में लागू किया गया था। जीएसटी में 5, 12, 18 और 28 प्रतिशत के चार स्लैब हैं।

27,341 करोड़ का रिफंड जारी हुआ

जीएसटी कलेक्शन ने 2025 अप्रैल के महीने में सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने यानी अप्रैल 2025 में जीएसटी 12.60 प्रतिशत उछाल के साथ 2.37 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। जानकारी के अनुसार, सरकार ने अप्रैल के महीने में कुल 27,341 करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया, जिसमें 48.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। बताते चले कि देशभर में जीएसटी 1 जुलाई 2017 से लागू की गई थी। घरेलू लेनदेन से जीएसटी रेवेन्यू 10.7 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.9 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि आयातित वस्तुओं से राजस्व 20.8 प्रतिशत बढ़कर 46,913 करोड़ हो गया है।

अब अपने मोबाइल फोन पर खरीदें गोल्ड

नई दिल्ली, जेएनएन। आज के डिजिटल जमाने में खरीदारी के तरीके पूरी तरह बदल चुके हैं। अब किसी चीज को खरीदने के लिए बाजार तक जाने की जरूरत नहीं पड़ती। ऐसी ही एक सुविधा अब सोने को लेकर भी है, जिसे हम डिजिटल रूप में खरीद सकते हैं। डिजिटल गोल्ड ने लोगों को निवेश का एक आसान, सुरक्षित और पारदर्शी विकल्प दिया है। अब बिना किसी झंझट के केवल एक क्लिक से आप अपने मोबाइल से भी सोना खरीद सकते हैं।

डिजिटल गोल्ड के फायदे

डिजिटल गोल्ड असल में फिजिकल सोने का ही डिजिटल रूप होता है। जब आप इसे ऑनलाइन खरीदते हैं, तो आपके नाम पर उतना ही सोना एक सुरक्षित वॉल्ट में जमा कर दिया जाता है। इसे आप ग्राम या रुपये के हिसाब से खरीद सकते हैं। इसमें निवेश की कोई न्यूनतम सीमा नहीं होती। डिजिटल गोल्ड को बाद में आप फिजिकल गोल्ड में बदल सकते हैं या उसे बेच भी सकते हैं।

डिजिटल गोल्ड की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे किसी भी समय और कहीं से भी खरीदा या बेचा जा सकता है। इसे रखने के लिए कोई लॉकर या सुरक्षा की जरूरत नहीं होती, क्योंकि यह सुरक्षित वॉल्ट में रखा जाता है। इसकी वैल्यू बाजार भाव के अनुसार होती है, जिससे निवेशक को रियल टाइम फायदा मिलता है। साथ ही इसे ईएमआई में खरीदना और गिफ्ट करना भी आसान होता है।

डिजिटल गोल्ड कहां से खरीदें?

डिजिटल गोल्ड खरीदने के लिए कई आसान विकल्प मौजूद हैं। आप पेटीएम, गूगल पे, फोनपे जैसे डिजिटल वॉलेट से या जेरोधा, ग्रो जैसे निवेश प्लेटफॉर्म्स से भी इसे खरीद सकते हैं। बैंक ऐप्स और जूलरी कंपनियों की वेबसाइट से भी यह उपलब्ध है। इसके लिए बस ऐप खोलें, गोल्ड सेक्शन में जाएं, जितने रुपये या ग्राम का सोना खरीदना है, वह चुनें और ऑनलाइन पेमेंट करें। अब डिजिटल गोल्ड आपके अकाउंट में जुड़ जाएगा। डिजिटल गोल्ड खरीदते समय हमेशा यह सुनिश्चित करें कि आप किसी मान्यता प्राप्त और विश्वसनीय प्लेटफॉर्म से ही खरीदारी कर रहे हैं। किसी अनजान ऐप या वेबसाइट से निवेश करने से बचें। यह भी जांचें कि गोल्ड सप्लायर कौन है, जैसे MMTC-PAMP, सेफगोल्ड, ऑग्मोंट या अन्य नामी सप्लायर।

डेलॉयट का जीडीपी अनुमान 6.5 से 6.7% की दर से बढ़ेगी

नयी दिल्ली, जेएनएन। डेलॉयट ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए देश की आर्थिक वृद्धि के 6.5 से 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। पेशेवर सेवा कंपनी डेलॉयट ने कहा कि बजट में प्रदान किए गए कर प्रोत्साहन से अनिश्चित वैश्विक व्यापार वातावरण के बीच घरेलू मांग को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। डेलॉयट के भारत अर्थव्यवस्था परिदृश्य में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 6.3-6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया। साथ ही कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए आर्थिक परिदृश्य उभरते व्यापार संबंधों तथा घरेलू उपभोक्ता मांग को बढ़ावा देने के सरकारी प्रयासों के बीच एक नाजुक संतुलन पर टिका है। इसमें कहा गया, चालू वित्त वर्ष में वृद्धि दो विरोधी ताकतों पर निर्भर करेगा। पहला कारक उपभोक्ता खर्च बढ़ाने के उद्देश्य से कर प्रोत्साहन का सकारात्मक प्रभाव होगा। दूसरा एवं विरोधी कारक, वैश्विक व्यापार तंत्र में अनिश्चितता है जिसका भारतीय अर्थव्यवस्था पर संभावित नकारात्मक प्रभाव होगा। इसमें कहा गया, कर प्रोत्साहन और व्यापार अनिश्चितताओं के परस्पर प्रभाव से चालू वित्त वर्ष में वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत से 6.7 प्रतिशत के बीच रह सकती है। डेलॉयट इंडिया की अर्थशास्त्री रुमकी मजूमदार ने कहा, बजट के दौरान घोषित कर छूट से युवा आबादी के हाथों में खर्च योग्य आय बढ़ेगी और आय लोच बढ़ेगा। रिपोर्ट में साथ ही कहा गया कि भारत तथा अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौता, वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं के बीच भारत को नए अवसर तलाशने और अमेरिकी बाजार में प्रवेश करने में मदद करेगा।

इन्फोसिस ने एमआरई कंसल्टिंग का अधिग्रहण किया

नयी दिल्ली, जेएनएन। आईटी कंपनी इन्फोसिस ने प्रौद्योगिकी एवं व्यापार परामर्श कंपनी एमआरई कंसल्टिंग का 3.6 करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 305 करोड़ रुपये) में अधिग्रहण पूरा कर लिया है। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी इन्फोसिस नोवा होल्डिंग्स एलएलसी के माध्यम से कंसल्टेंसी कंपनी का अधिग्रहण किया है।

कंपनी बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, यह अधिग्रहण कंपनी द्वारा 17 अप्रैल 2025 को की गई घोषणा के बाद किया गया है। इससे इन्फोसिस को व्यापार तथा जोखिम प्रबंधन, विशेषकर ऊर्जा क्षेत्र में, नई क्षमताएं मिलेंगी।

धोखाधड़ी से निपटने के लिए पर्याप्त नियंत्रण और संतुलन मौजूद : सेबी

मुंबई, जेएनएन। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने कहा है कि भारत में धोखाधड़ी से निपटने के लिए पर्याप्त नियंत्रण व संतुलन मौजूद है। इसलिए जब भी कोई घोटाला सामने आता है तो किसी को यह नहीं सोचना चाहिए कि 'प्रणाली काम नहीं कर रही है।' सेबी के नवनियुक्त प्रमुख ने कहा कि आम तौर पर हम बातों पर आधारित साक्ष्यों से प्रभावित हो जाते हैं और आंकड़ों पर गौर किए बिना ही धोखाधड़ी के बारे में धारणा बना लेते हैं। वाइटल कम्युनिकेशंस मामले में कथित असफलता पर पांडेय ने कहा कि इस मामले में सेबी द्वारा उठाए गए तीन मुद्दों में से दो को सर्वोच्च न्यायालय ने स्वीकार कर लिया है। सेबी प्रमुख ने कहा कि पूंजी बाजार नियामक अपने प्रति विश्वास को और मजबूत करना चाहता है। इसीलिए उसने शीर्ष प्रबंधन द्वारा खुलासे और खुद को अलग करने के मामले पर गौर करने के लिए एक समिति का गठन किया है।

देश में धोखेबाज लोगों की संख्या चिंता का विषय

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने एक साक्षात्कार में कहा, नियंत्रण व संतुलन मौजूद है। शेयर बाजार प्रथम पंक्ति के विनियामक हैं, बहुत सारे खुलासे हो रहे हैं, बहुत सारे लेखा परीक्षक अपना काम कर रहे हैं। इसलिए हमें यह नहीं सोचना चाहिए कि प्रणाली काम नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि हालांकि नियमों का उल्लंघन करने वाले या धोखाधड़ी करने वाले लोगों की संख्या चिंता का विषय होनी चाहिए। निजी क्षेत्र के एक बैंक के हाल ही में सामने आए उस मामले के बारे में उनसे सवाल किया गया जिसमें लेखा परीक्षकों की भूमिका अपर्याप्त पाई गई थी और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा शेयर बिक्री की बात सामने आई थी। इस पर पांडेय ने सीधे तौर पर कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने सेबी के आदेशों को चुनौती देने के मामले में नियमित विफलताओं की धारणाओं से इनकार किया। वित्त वर्ष 2024-25 के आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि सेबी के 92 प्रतिशत आदेशों को प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण ने बरकरार रखा है और उच्चतम न्यायालय में 80 प्रतिशत आदेश नियामक के पक्ष में गए हैं।

प्रथम पृष्ठ के शेष

डीओजीई कार्यकाल को...

उन्होंने कहा, 'अगर राष्ट्रपति या कैबिनेट को किसी आपातकाल में मेरी जरूरत हो, तो मैं तुरंत हाजिर हो जाऊंगा।' इस बीच, टेस्ला बोर्ड की ओर से उनके उत्तराधिकारी की तलाश की खबरें भी सामने आई हैं, जिन्हें मस्क ने 'झूठा और अनैतिक' बताया है। मस्क ने ट्रंप के साथ अपने करीबी रिश्ते का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि दोनों देर रात आइसक्रीम खाते हुए बातें करते थे। 'वह आधी रात को कॉल करके कहते, 'फ्रिज से आइसक्रीम ले आओ।' एक बार मैंने एक ही रात में तीन पाउंड वजन बढ़ा लिया था।' उन्होंने बताया कि डीओजीई ने अब तक करीब 160 बिलियन डॉलर (लगभग 13 लाख करोड़ रुपए) की सरकारी बचत की है और इसका दीर्घकालिक लक्ष्य 1 ट्रिलियन की बचत है। मस्क ने डीओजीई को एक 'जीवनशैली, लगभग बौद्ध दर्शन' की तरह बताया। डीओजीई में अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए मस्क ने कहा कि यह '60 से 70 प्रतिशत मजेदार था', लेकिन लगातार आलोचनाओं और हमलों ने काम को कठिन बना दिया। उन्होंने कहा, 'कारों को जलते हुए देखना कभी भी मजेदार नहीं होता।' मस्क ने खुलासा किया कि वे वेस्ट विंग कार्यालय में पाथफाइंडर जैसे वीडियो गेम भी बड़े मॉनिटर पर खेलते थे।

रामदेव अपनी दुनिया...

बता दें कि इससे पहले 22 अप्रैल को हाईकोर्ट ने रामदेव को दिए आदेश में कहा था- हमदर्द उत्पादों को लेकर न तो कोई बयान दें और न ही कोई वीडियो शेयर करें। हाईकोर्ट शुक्रवार को फिर इस मामले की सुनवाई करेगा। इसमें देखेगा कि पूर्व आदेश का पालन हुआ या नहीं।

वकील ने किया आपत्तिजनक हिस्सा हटाने का वादा : हाईकोर्ट ने रामदेव के वीडियो पर तल्खी जताई तो उनके वकील ने कहा कि योगगुरु के ताजा वीडियो से आपत्तिजनक हिस्सा हर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से 24 घंटे के अंदर हटा दिया जाएगा। इस पर कोर्ट ने कहा कि आपने आदेश का पालन किया, एक हफ्ते के भीतर हलफनामा दायर करें। बता दें कि बाबा रामदेव ने 3 अप्रैल को पतंजलि के शरबत की लॉन्चिंग की थी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा था कि एक कंपनी शरबत बनाती है। उससे जो पैसा मिलता है, उससे मदरसे और मस्जिदें बनवाती है। जैसे लव जिहाद और वोट जिहाद चल रहा है, वैसे ही शरबत जिहाद भी चल रहा है।

असम के सीएम के ...

कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस प्रवक्ता मोनालिसा बरुआ हजारिका ने बताया कि राज्य के सभी जिलों में कांग्रेस नेताओं और जिला अध्यक्षों ने स्थानीय थानों में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने मांग की कि सीएम के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई की जाए।

'नपुंसक' कहना आत्महत्या ...

केवल उत्पीड़न के आरोपों के आधार पर और वह भी एक महीने पहले, जब अपीलकर्ताओं की ओर से किसी भी तरह का कोई संपर्क नहीं था, घटना के समय तक जिसके बारे में कहा जा सकता है कि मृतक ने आत्महत्या की है या उसे मजबूर किया है, अपराध नहीं बनता है। उपर्युक्त के संदर्भ में न्यायालय ने अपील को स्वीकार कर लिया और अपीलकर्ताओं के विरुद्ध आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला रद्द कर दिया।

अर्थांक

तारा	235-0, 578-0
दिन	150-6, 180-9
ताराना	369-8, 569-0
रात	279-8, 490-9

मकोका मामले में आप विधायक पर आरोपपत्र

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली पुलिस ने यहां की एक अदालत में बृहस्पतिवार को आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व विधायक नरेश बाल्यान के खिलाफ महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) के तहत आरोपपत्र दाखिल किया। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा, जिनके समक्ष अंतिम रिपोर्ट दाखिल की गई, ने मामले को शुक्रवार के लिए विचारार्थ सूचीबद्ध कर दिया। पूरक आरोपपत्र चार आरोपियों साहिल उर्फ पोली, विजय उर्फ कालू, ज्योति प्रकाश उर्फ बाबा और बाल्यान के खिलाफ दायर किया गया था। इन सभी आरोपियों को गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू द्वारा कथित रूप से संचालित संगठित अपराध 'सिंडिकेट' के खिलाफ जांच से संबंधित मकोका मामले में गिरफ्तार किया गया था। बाल्यान को पिछले साल चार दिसंबर को इस मामले में गिरफ्तार किया गया था, जबकि एक अदालत ने उन्हें जबरन वसूली के एक मामले में जमानत दे दी थी। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले आप नेता नरेश बाल्यान को दिल्ली की अदालत ने जमानत देने से इंकार कर दिया था। नरेश बाल्यान दिल्ली की उत्तम नगर विधानसभा से विधायक रहे हैं।

अप्रैल में गाड़ियों की बिक्री में 7.5% की गिरावट

नई दिल्ली, जेएनएन। वित्त वर्ष 2025-26 की शुरुआत ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए कुछ खास अच्छी नहीं रही है। अप्रैल महीने में देश में कुल 20.6 लाख गाड़ियों की रजिस्ट्रेशन हुईं, जो पिछले साल की तुलना में 7.5 प्रतिशत कम हैं। हालांकि, अगर मार्च के मुकाबले देखें तो गिरावट थोड़ी कम, करीब 4 प्रतिशत रही, क्योंकि मार्च में यह आंकड़ा 21.5 लाख यूनिट्स का था। अप्रैल में पैसेंजर गाड़ियों की बिक्री में लगभग 10 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। मार्च में जहां 3.49 लाख कारें बिकी थीं, वहीं अप्रैल में यह संख्या घटकर करीब 3.18 लाख रह गई।

जोमैटो ने 15 मिनट में डिलीवरी सर्विस बंद की

नई दिल्लीस, जेएनएन। फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो (इटर्नल) ने 15 मिनट में क्विक डिलीवरी सर्विस को बंद कर दिया है। यह फीचर चार महीने पहले ही लॉन्च किया गया था। इसे बेंगलुरु, गुरुग्राम, हैदराबाद, मुंबई जैसी मेट्रो सिटी में हैवी एडवर्टाइजमेंट के साथ पेश किया गया था। जोमैटो क्विक, यूजर्स को 2 किलोमीटर के दायरे में 15 मिनट के अंदर रेडी-टू-ईट फूड ऑप्शन देता था। कंपनी सीईओ दीपिंदर गोयल हाल ही दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि रेस्तरां पार्टनर्स की कमी और प्रोडक्ट-मार्केट फिट के सही न होने से क्विक डिलीवरी सर्विस में चुनौतियों का सामना करना पढ़ रहा था। इससे इससे पहले 2022 में जोमैटो इंस्टेंट नाम की 10 मिनट डिलीवरी सर्विस भी बंद की थी।

कार्यालय सहायक संचालक उद्यान जिला - भोपाल
दूरभाष / फै.नं. 0755-2540769 Email - adhbhopal16@gmail.com
क्रमांक/उद्यान/भंडार / निविदा / 2025-26 /112 भोपाल दिनांक 28.04.2025
//अल्प निविदा सूचना//
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि शासकीय आम्रपाली उद्यान करोंदिया विकास खंड बैरसिया जिला भोपाल की आम फलबहार की निविदा प्रक्रिया टेण्डर द्वारा की जाना है, आम फलबहार के क्रय हेतु इच्छुक व्यक्ति / संस्था दिनांक 07/05/2025 को समय दोपहर 2 बजे तक कार्यालय उद्यान अधीक्षक शासकीय आम्रपाली उद्यान करोंदिया विकास खण्ड बैरसिया में उपस्थित होकर टेण्डर बाक्स में दरें डाल सकते हैं। टेंडर डालने के पूर्व क्रेता को आम फलबहार हेतु राशि रूपये 10000/- (दस हजार रूपये मात्र) अग्रिम धरोहर राशि जमा करना होगा। टेण्डर डालने के पूर्व शासकीय आम्रपाली उद्यान करौंदिया में आम फलबहार का अवलोकन करने एवं संतुष्टि के उपरांत ही टेण्डर बाक्स में डालें। टेंण्डर की शर्तें कार्यालयीन समय में कार्यालय शा. आम्रपाली उद्यान करोंदिया / कार्यालय सहायक संचालक उद्यान जिला भोपाल में देखी जा सकती हैं। टेण्डर फार्म शा. आम्रपाली उद्यान करौंदिया / कार्यालय सहायक संचालक उद्यान जिला भोपाल से निःशुल्क प्राप्त किये जा सकते है।
जी-12267/25 | पॉक्सो है सुरक्षा का हथियार, बच्चों पर न करें अत्याचार | सहायक संचालक उद्यान/जिला भोपाल

M.P. STATE COOPERATIVE UNION LTD.
E-8/77, Shahpura, Trilanga Road Bhopal - 462039
E-mail : rajyasanghbpl@yahoo.co.in
Website: www.mpscu.in, Tel. : 0755-2926160
INVITES RATE FOR PURCHASE OF MACHINERY FOR CFC BHOPAL
The detailed terms and conditions of the Tender are given on our website **www.mpscu.in** Interested agencies may download application form and other documents from the website **www.mpscu.in** or procure hard copy from our Head office MP STATE COOPERATIVE UNION LTD.E-8/77, SHAHPURA, TRILANGA ROAD BHOPAL- 462039.
The interested agencies may apply as per the directives mentioned in the document on or before 15.05.2025 by 5 P.M. in the office of under signed. The Managing Director reserves the right to cancel this assignment.
Tender Documents uploaded from our Website :-
1. Profile of the Organization
2. Technical Bid form
3. Financial Bid form
4. Check List.
5. Special Conditions for Bidder.
6. General Conditions for Bidder.
M.P. Madhyam/119868/2025 **MANAGING DIRECTOR**

मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम मर्यादित
कार्यालय महाप्रबंधक (संपदा/निर्माण), संभाग-क्र. 1, भोपाल
पंचानन भवन, द्वितीय तल, मालवीय नगर, भोपाल (म.प्र.)
दूरभाष क्रमांक : 0755-2673196, E-mail : laghubpl01@gmail.com
क्रमांक : लउनि/निर्माण/संभाग-क्र. 1, भोपाल/2025-26/21
भोपाल, दिनांक 29.04.2025
निविदा आमंत्रण सूचना
निम्न कार्यों की निविदा ई-टेण्डरिंग पद्धति से वेबसाइट **https://www.mptenders.gov.in** पर आमंत्रित की जाती हैं :-
कार्य का नाम - 1. औद्योगिक क्षेत्र पगारियाराम तहसील आष्टा जिला सीहोर में सीमेंट कांक्रीट रोड, आर.सी.सी. ड्रेन, ह्यूम पाइप कल्वर्ट एवं समतलीकरण निर्माण कार्य, अनुमानित लागत राशि रु. 746.51 लाख। 2. औद्योगिक क्षेत्र अचारपुरा तहसील हुजूर जिला भोपाल में सीमेंट कांक्रीट रोड, आर.सी.सी. ड्रेन, ह्यूम पाइप कल्वर्ट, समतलीकरण एवं साइन बोर्ड निर्माण कार्य, अनुमानित लागत राशि रु. 268.53 लाख। 3. औद्योगिक क्षेत्र अचारपुरा तहसील हुजूर जिला भोपाल में ओवरहेड टैंक, सम्पवेल एवं जलप्रदाय मय ट्यूबवेल खनन निर्माण कार्य, अनुमानित लागत राशि रु. 59.75 लाख। निविदाओं की बिड जमा करने की **अंतिम तिथि 13.05.2025 सायं 05.30 बजे।** निविदाओं की समस्त जानकारी उक्त वेबसाइट पर दी जावेगी। निविदाओं में कोई संशोधन व परिवर्तन किया जाता है, तो वह उपरोक्त वेबसाइट पर देखा जा सकता है। बिना कोई कारण बताये निविदा को स्वीकृत अथवा निरस्त करने का अधिकार निगम के पास सुरक्षित है।
म.प्र. माध्यम/119860/2025 **महाप्रबंधक (सं./नि.)**

मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी लिमिटेड
कार्यालय उप महाप्रबंधक (सिविल), चम्बल कॉलोनी, गोविन्दपुरा, भोपाल
फोन ऑफिस : 0755-2678206, ई-मेल : gmcivil.mkvvcl@gmail.com
क्रमांक 050/उपमहाप्रबं/सि./428-29 भोपाल, दिनांक : 01.05.2025
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
सिविल वृत्त भोपाल के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यों हेतु कम्पनी/म.प्र. शासन/केन्द्रीय शासन के विभिन्न विभागों में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत, ई.पी.एफ. नं. एवं जी.एस.टी. रजिस्ट्रेशन नं. प्राप्त ठेकेदारों से प्रपत्र 'अ' में लोक निर्माण विभाग म.प्र. शासन के दिनांक 01.01.2024 से प्रभावशील (वर्तमान तक संशोधित) एस.ओ.आर. (भवन एवं विद्युत) बेस रेट में 18 प्रतिशत जी.एस.टी. जोड़ कर, भावपत्र e-निविदा के माध्यम से आमंत्रित किये जाते हैं।

निविदा सूचना क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत लाख में	धरोहर राशि रुपये में
उपमप्रसि/भो./06/01 (ई-निविदा क्र. 2025_ MKVVC_420352_1)	संचा./संधा. वृत्त भोपाल अंतर्गत बक्तरा में वितरण केन्द्र कार्यालय भवन का निर्माण कार्य कराने बावत्।	20.00 लाख	40,000/-
उपमप्रसि/भो./06/01 (ई-निविदा क्र. 2025_ MKVVC_420365_1)	शहर वृत्त भोपाल अंतर्गत 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र छोला में आर. सी.सी. ड्रेन का निर्माण कार्य।	5.00 लाख	10,000/-

निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की प्रारंभिक तिथि एवं समय : 02.05.2025 from 10.30 Hrs.
ऑनलाइन निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय : 13.05.2025 up to 15.00 Hrs.
निविदा खुलने की दिनांक/समय : 14.05.2025 at 15.00 Hrs.
निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी कंपनी की बेवसाइट **portal.mpcz.in** पर देखें एवं **mptenders.gov.in** पोर्टल से निविदा क्रय कर सकते हैं।
म.प्र. माध्यम/119874/2025 **उपमहाप्रबंधक (सिविल)**

खराब फील्डिंग, धीमी बल्लेबाजी और कम बाउंड्री बनी सीएसके की प्लेऑफ से जल्द विदाई की वजह

आईपीएल इतिहास में पहली बार सीएसके लगातार दो सीजन तक प्लेऑफ में क्वालिफाई नहीं कर पाई

जेएनएन, चेन्नई

आईपीएल 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) प्लेऑफ की रेस से बाहर होने वाली पहली टीम है। चेपॉक में आईपीएल के 49वें मुकाबले में पंजाब किंग्स के खिलाफ उन्हें चार विकेटों से हार का सामना करना पड़ा। सीएसके ने पहले खेलते हुए 19.2 ओवर में 190 रन बनाए। जवाब में पंजाब ने छह विकेट खोकर 194 रन बना लिए। यह आईपीएल इतिहास में पहली बार है, जब सीएसके लगातार दो सीजन तक प्लेऑफ में क्वालिफाई नहीं कर पाई है। इस सीजन टीम के प्रदर्शन में कई कमजोरियां सामने आईं। अब तक खेले गए 10 मुकाबलों में चेन्नई ने सिर्फ दो मैच जीते हैं। खास बात यह रही कि अब तक घरेलू मैदान पर खेले गए छह में से वे केवल एक ही मुकाबला जीत पाए। उन अहम आंकड़ों पर नजर डालते हैं, जो उनके इस कमजोर प्रदर्शन की बड़ी वजह बने। (सभी आंकड़े अब तक हुए 10 मैचों पर आधारित हैं।)

पावरप्ले में रहा दबाव

सीएसके के बल्लेबाज इस सीजन पावरप्ले में भी नाकाम रहे। उन्होंने शुरुआती छह ओवरों में कुल 18 विकेट गंवाए, जो दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब के साथ संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा है। सीएसके के बल्लेबाजों ने अब तक पावरप्ले में 360 गेंदों पर सिर्फ 475 रन बनाए यानी रनरेट महज 7.91 रहा, जो किसी भी टीम की तुलना में सबसे कम है।

स्पिन के खिलाफ हुए फेल

आईपीएल-2025 में सीएसके ने स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ सबसे ज्यादा 31 विकेट गंवाए हैं। स्पिन के खिलाफ उनका स्ट्राइक रेट भी सबसे खराब रहा है। पंजाब के खिलाफ मैच से पहले तक शिवम दुबे का स्ट्राइक रेट घटकर 115 रह गया है। दुबे पिछले सीजन में स्पिन के खिलाफ 155 के स्ट्राइक रेट से रन बना रहे थे। रवींद्र जडेजा सिर्फ 91 के स्ट्राइक रेट से रन बना पा रहे हैं।

सीएसके के टॉप-5 बल्लेबाज और गेंदबाज

बल्लबोज

खिलाड़ी	रन
शिवम दुबे	248
रचिन रविंद्र	191
रविंद्र जडेजा	183
एमएस धोनी	151
गायकवाड़	122

गेंदबाज

खिलाड़ी	विकेट
नूर अहमद	15
खलील अहमद	14
मथीशा पथिराना	09
रविंद्र जडेजा	07
आर. अश्विन	05

19 अलग-अलग खिलाड़ियों को सीएसके ने अब तक आजमाया है, लेकिन टीम का कुल बल्लेबाजी औसत केवल 22.18 रहा, जो सिर्फ कोलकाता नाइट राइडर्स से बेहतर है। वहीं, टीम का औसत स्ट्राइक रेट 128.81 है, जो सभी टीमों में सबसे नीचे है।

"मुझे लगता है कि बल्लेबाजी में पहली बार हमने बोर्ड पर इतने रन लगाए, लेकिन क्या यह औसत स्कोर था, यह थोड़ा कम था। हमें कुछ कैच लेने चाहिए थे, क्योंकि इससे विकेट लेने में मदद मिलती है और आप विपक्षी टीम के मोमेंटम को धीमा कर सकते हैं। चहल को तीन विकेट देना और पूरी पारी न खेल पाना भी बड़ा फर्क डाल गया। मत भूलिए कि यह हाई-स्कोरिंग गेम था, लेकिन हम आखिरी चार गेंद नहीं खेल पाए और उसके पहले ओवर में हमने चार बल्लेबाज खो दिए।

■ **महेंद्र सिंह धोनी**, कप्तान, सीएसके

कैच छोड़ने की आदत पड़ी भारी

सीएसके की फील्डिंग बेहद लचर रही। लगभग हर मैच में उन्होंने कोई न कोई कैच छोड़ा और उनकी कैचिंग पर्सेंटेज महज 66.7 प्रतिशत रही, जो किसी भी टीम के मुकाबले सबसे खराब है। कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने भी पंजाब के खिलाफ मिली हार के बाद इस कमी को स्वीकार किया और कहा कि बेहतर कैचिंग से टीम विपक्षी बल्लेबाजों पर दबाव बना सकती थी।

सलामी जोड़ी ने भी किया निराश

ओपनिंग बल्लेबाजी सीएसके की बड़ी समस्या बनी। अब तक चार अलग-अलग ओपनर्स मिलकर सिर्फ 199 रन बना सके हैं और उनका औसत 19.90 का रहा है। इस सीजन का खराब ओपनिंग औसत है।

चौकों और छक्कों में भी रहे पीछे

टीम इस सीजन अब तक सिर्फ 56 सिक्सर लगा सकी है, जो किसी भी टीम से कम है। वहीं, पंजाब ने अब तक सबसे ज्यादा 105 सिक्स लगाए हैं। चौकों की बात करें तो सीएसके ने सिर्फ 135 चौके मारे हैं, जो टूर्नामेंट में दूसरा सबसे खराब आंकड़ा है।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
मुंबई	13	09	04	16	1.274
बेंगलुरु	10	07	03	14	0.521
पंजाब	10	06	03	13	0.199
गुजरात	09	06	03	12	0.748
दिल्ली	10	06	04	12	0.362
लखनऊ	10	05	05	10	-0.325
कोलकाता	10	04	05	09	0.271
राजस्थान	11	03	08	06	-0.780
हैदराबाद	09	03	06	06	-1.103
चेन्नई	10	02	08	04	-1.211

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

सूर्यकुमार यादव (मुंबई)	475
साई सुदर्शन (गुजरात)	456
विराट कोहली (बेंगलुरु)	443
जायसवाल (राजस्थान)	439

पर्पल कैप (गेंदबाज)

जोश हेजलवुड (बेंगलुरु)	18
प्रसिद्ध कृष्णा (गुजरात)	17
ट्रेंट वोल्ट (मुंबई)	16
नूर अहमद (चेन्नई)	15

बाउंड्री मीटर

835 छक्के
1522 चौके
99 अर्धशतक

मुंबई इंडियंस के रोहित शर्मा (6008) एक टीम के लिए टी-20 में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। इस मामले में रोहित ने हैम्पशायर के जेम्स विंस (5934) को पीछे छोड़ दिया। पहले नंबर पर आरसीबी के विराट कोहली (8871) हैं।

मैड्रिड ओपन : इगा स्वियातेक सेमीफाइनल में, सामना गॉफ से

मैड्रिड, जेएनएन। दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने मेडिसन कीस को 0-6, 6-3, 6-2 से हराकर मैड्रिड ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। स्वियातेक का सामना अब सेमीफाइनल में कोको गॉफ से होगा, जिन्होंने मिर्रा आंद्रीवा को सीधे सेटों में 7-5, 6-1 से हराया। दूसरे सेमीफाइनल में आर्यना सबालेंका का सामना एलिना स्वितोलिना से होगा। शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका ने मार्ता कोस्त्युक को 7-6, 7-6 से मात दी, जबकि स्वितोलिना ने मोयुका उचिजिमा को 6-2, 6-1 से हराया।

मैच-50 : मुंबई ने एक दशक बाद जयपुर में दर्ज की जीत, राजस्थान 100 रन से हारा

मुंबई का विजयी छक्का, रॉयल्स बाहर

जयपुर, जेएनएन। मुंबई इंडियंस ने गुरुवार को आईपीएल के 50वें मैच में राजस्थान रॉयल्स को 100 रन से हराकर लगातार छठवीं जीत दर्ज की और प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करने की ओर मजबूत कदम बढ़ाए। इस हार के साथ राजस्थान का इस सीजन में सफर समाप्त हो गया है। मुंबई को जयपुर में एक दशक बाद पहली जीत मिली है। शुरुआती पांच मैच में चार हार के साथ शुरुआत करने वाले मुंबई के 11 मैच में सात जीत से 14 अंक हो गए हैं और टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है। रॉयल्स इतने ही मुकाबलों में छह अंक के साथ आठवें स्थान पर है और प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई है। राजस्थान की यह दूसरी बड़ी हार है। इससे पहले आरसीबी ने 2023 में राजस्थान को 112 रन से हराया था। वहीं, मुंबई की किसी भी टीम के खिलाफ यह तीसरी बड़ी जीत है। मुंबई के 218 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉयल्स 16.1 ओवर में 117 रन पर ढेर हो गई। रॉयल्स की ओर से सिर्फ जोफ्रा आर्चर (30) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर पाए। रेयान रिकल्टन (61 रन) और रोहित शर्मा (53) ने अर्धशतक लगाए। दोनों ने पहले विकेट के लिए 116 रन जोड़कर मुंबई को बेजोड़ शुरुआत दिलाई। कप्तान हार्दिक पंड्या (नाबाद 48) और सूर्यकुमार यादव (नाबाद 48) ने इसके बाद अंतिम ओवरों में 44 गेंद में 94 रन की अटूट साझेदारी करके टीम का स्कोर दो विकेट पर 217 रन तक पहुंचाया। रॉयल्स की ओर से महेश तीक्षणा और कप्तान रियान पराग ने एक-एक विकेट चटकाया, लेकिन सभी गेंदबाज काफी महंगे साबित हुए। लक्ष्य का पीछा करने उतरे रॉयल्स की शुरुआत बेहद खराब रही।

प्लेयर ऑफ द मैच
रियान रिकलटन : 61 रन

■ राजस्थान की यह दूसरी बड़ी हार है। इससे पहले आरसीबी ने 2023 में राजस्थान को 112 रन से हराया था। वहीं, मुंबई की किसी भी टीम के खिलाफ यह तीसरी बड़ी जीत है।

स्कोर बोर्ड

मुंबई इंडियंस : 217/2 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
रियान रिकलटन बो. थीक्षणा	61	38	7	3
रोहित का. यशस्वी बो. पराग	53	36	9	0
सूर्यकुमार यादव नाबाद	48	23	4	3
हार्दिक पंड्या नाबाद	48	23	6	1

अतिरिक्त : 7, **कुल :** 20 ओवर में दो विकेट पर 217 रन, **विकेट पतन :** 1-116, 2-123, **गेंदबाजी :** आर्चर 4-0-42-0, फारूकी 4-0-54-0, तीक्षणा 4-0-47-1, कार्तिकेय 2-0-22-0, मधवाल 4-0-39-0, रियान 2-0-12-1.

राजस्थान रॉयल्स : 117/10 (16.1 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
यशस्वी जायसवाल बो. बोल्ट	13	6	0	2
सूर्यवंशी का. जैक्स बो. चाहर	0	2	0	0
नीतीश का. तिलक बो. बोल्ट	9	11	2	0
पराग का. रोहित बो. बुमराह	16	8	3	0
ध्रुव जुरेल का. एंड बो. कर्ण	11	11	1	0
हेटमायर का. सुर्यकुमार बो. बुमराह	0	1	0	0
शुभम दुबे का. बोल्ट बो. हार्दिक	15	9	2	1
आर्चर का. बुमराह बो. बोल्ट	30	27	2	2
तीक्षणा का. सूर्यकुमार बो. कर्ण	2	9	0	0
कार्तिकेय का. चाहर बो. कर्ण	2	4	0	0
आकाश मधवाल नाबाद	4	9	0	0

अतिरिक्त : 15, **कुल :** 16.1 ओवर में 117 रन पर सभी आउट, **विकेट पतन :** 1-1, 2-18, 3-41, 4-47, 5-47, 6-64, 7-76, 8-87, 9-91, 10-117, **गेंदबाजी :** दीपक चाहर 2-0-13-1, ट्रेंट बोल्ट 2.1-0-28-3, जसप्रीत बुमराह 4-0-15-2, कॉर्बिन बॉश 3-0-29-0, हार्दिक पंड्या 1-0-2-1, कर्ण शर्मा 4-0-23-3.

मैदान से हटकर

सोफी का इजहार ए इश्क, धवन ने किया रिलेशनशिप कन्फर्म

पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन प्यार की पिच पर एक नई पारी की शुरुआत कर चुके हैं। आयशा मुखर्जी से तलाक के बाद धवन एक बार फिर से प्यार में हैं। धवन आयरिश प्रोफेशनल सोफी शाइन के साथ रिश्ते में हैं। दोनों को लंबे समय से एक दूसरे के साथ स्पॉट किया जा रहा था, लेकिन अब इस दोनों के रिश्ते पर मुहर लग गई है। दरअसल सोफी ने इंस्टाग्राम पर शिखर के साथ तस्वीर को शेयर की है। सोफी ने कैप्शन में दिल के इमोजी के साथ लिखा मेरा प्यार। वहीं शिखर ने भी सोफी के साथ यह तस्वीर इंस्टाग्राम पर साझा की। सबसे पहले सोफी को मुंबई एयरपोर्ट पर धवन के साथ स्पॉट किया गया था। इसके बाद ये दोनों कपल कई मौकों पर एक साथ देखे गए। सोफी मूल रूप से आयरलैंड की रहने वाली हैं, वह अबुधाबी में नॉर्दर्न ट्रस्ट कॉरपोरेशन से बतौर वाइस प्रेसिडेंट जुड़ी हुई हैं। उन्होंने लिमरिक इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से मार्केटिंग में स्नातक किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शिखर और सोफी कुछ साल पहले दुबई में मिले थे। सोफी ने आईपीएल 2024 की तस्वीरें साझा की थीं। तब शिखर पंजाब किंग्स का हिस्सा थे। धवन ने पहली बार 13 जून, 2023 को उनके इंस्टाग्राम पोस्ट को लाइक किया था। (जेएनएन)

गुजरात टाइटंस को हराकर प्लेऑफ की उम्मीद बरकरार रखने उतरेगी हैदराबाद

अहमदाबाद, जेएनएन। गुजरात टाइटंस शुक्रवार को आईपीएल के 51वें मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत की राह पर लौटने उतरेगी। वहीं सनराइजर्स को प्लेआफ की दौड़ में बने रहने के लिए यह मैच हर हालत में जीतना होगा। गुजरात नौ मैचों में छह जीत के साथ चौथे स्थान पर है। उसे बाकी पांच मैचों में से सिर्फ दो जीतने होंगे, ताकि प्लेऑफ में पहुंचने के लिए 16 अंक पूरे कर सके। पिछले साल की उपविजेता सनराइजर्स नौ में से सिर्फ तीन मैच जीतकर तालिका में नौवे स्थान पर है। एक और हार से प्लेआफ के उसके रास्ते बंद हो जाएंगे। गुजरात को पिछले मैच में दिक्कतों का सामना करना पड़ा था, जब राजस्थान के खिलाफ उनके कप्तान शुभमन गिल पीठ में जकड़न की वजह से मैदान पर फील्डिंग के लिए नहीं उतरे थे। उस मैच में राशिद खान ने कप्तानी की थी। लेकिन अब गिल इस मैच के लिए उपलब्ध हैं, जो टीम के लिए एक सुखद खबर है। शुरुआत की चार टीमों में अंक तालिका में काफी उथल पुथल देखने को मिल रही है। गुजरात यह मैच जीता, तो सीधा नंबर एक पर पहुंच जाएंगा या हो सकता है कि रन रेट के हिसाब से मुंबई से एक कदम पीछे रहें। दूसरी ओर हैदराबाद को कुछ समय का ब्रेक मिला था और उनकी टीम मालदीव घूमने गई हुई थी। हैदराबाद का सफर खराब रहा है, लेकिन अभी भी वे टूर्नामेंट से बाहर नहीं हुए हैं।

चेल्सी ने लगातार छठी बार महिला सुपर लीग खिताब जीता

मैनचेस्टर, जेएनएन। चेल्सी ने लगातार छठी बार महिला सुपर लीग फुटबॉल खिताब जीत लिया, जो इस सत्र का उनका दूसरा खिताब है। दूसरे स्थान पर काबिज आर्सनल के एस्टोन विला के हाथों 5-2 से हारने के बाद चेल्सी ने मैनचेस्टर युनाइटेड को 1-0 से हराकर नौ अंक की अजेय बढ़त बना ली। अभी दो मुकाबले खेले जाने बाकी हैं। चेलसी ने इस सत्र में लीग कप पहले ही जीत लिया है और एफए कप फाइनल में पहुंच गई है, जहां उसका सामना 18 मई को वेम्बली स्टेडियम में मैनचेस्टर युनाइटेड से होगा।

लॉर्ड्स पर खेला जाएगा विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप का फाइनल

2026 में टूर्नामेंट, 12 टीमों के बीच 33 मैच

दुबई, जेएनएन। महिला टी-20 विश्व कप फाइनल अगले साल पांच जुलाई को लार्ड्स क्रिकेट मैदान पर खेला जाएगा। आईसीसी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। 12 टीमों का टूर्नामेंट 12 जून को शुरू होगा, जिसमें 33 मैच खेले जाएंगे। इसका फाइनल लॉर्ड्स पर होगा, जहां 2017 महिला वनडे विश्व कप का फाइनल भी खेला जा चुका है। लार्ड्स के अलावा विश्व कप के मैच ओल्ड ट्रैफर्ड, हेडिंग्ले, एडबस्टन, ओवल, हैंपशर बाउल और ब्रिस्टल काउंटी ग्राउंड पर खेले जाएंगे। टूर्नामेंट में टीमों को दो समूहों में बांटा जाएगा, जिसके बाद नॉकआउट खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज समेत आठ टीमें क्वालिफाई कर चुकी हैं, जबकि बाकी चार टीमों का चयन आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप क्वालिफायर 2025 से होगा। आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने कहा कि ब्रिटेन में सभी टीमों को अपार समर्थन मिलता है। 2017 में लार्ड्स पर महिला विश्व कप फाइनल में स्टेडियम खचाखच भरा था और फाइनल के लिए इससे बेहतर कोई जगह नहीं हो सकती।

ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ तीन चरण में उत्कृष्ण खिलाड़ियों का होगा निर्माण

भोपाल, खेप्र। खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने गुरुवार को टीटी नगर स्टेडियम में प्रदेशव्यापी ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मंत्री सारंग ने कहा कि प्रशिक्षण शिविर युवाओं के शारीरिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक विकास की दिशा में एक सार्थक पहल है। प्रतिवर्ष स्कूली विद्यार्थियों के लिए आयोजित किए जाने वाले पारंपरिक ग्रीष्मकालीन खेल शिविर को इस वर्ष एक नवीन रूप प्रदान किया गया है। मंत्री सारंग ने बताया कि तीन-चरणीय योजना के तहत हम उत्कृष्ट खिलाड़ी निर्माण करेंगे, जिसमें प्रथम चरण में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को चयनित किया जाएगा। द्वितीय चरण में चयनित खिलाड़ियों को विभाग की 'प्रतिभा खोज' और 'खेलो बढ़ो अभियान' जैसे योजनाओं से जोड़ा जाएगा। वहीं तृतीय चरण में शीर्ष खिलाड़ियों को खेल अकादमियों और 'खेलो एमपी' सहित विभाग की प्रमुख प्रतियोगिताओं में सम्मिलित कर भविष्य के चैंपियन तैयार किए जाएंगे।

खेल मंत्री ने किया शुभारंभ

इन खेलों का प्रशिक्षण

कैंप में वालीबॉल, जिम्नास्टिक, जूडो, ताइक्वांडो, बॉक्सिंग, कबड्डी, तलवारबाजी, कराते, मल्लखम्ब, टेबिल टेनिस, स्केटिंग, कुश्ती, लॉन टेनिस, बैडमिंटन, फुटबॉल, बॉस्केटबॉल, एरोबिक, स्क्वाश, एथलेटिक्स, शूटिंग (राइफल/पिस्टल) का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रदेश के समस्त जिलों में 30 जून तक शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में भाग लेने के लिए विद्यार्थी 18 मई तक एमवॉयएमपी पोर्टल www.merayuva.mp.gov.in पर पंजीयन कर सकेंगे।

प्रारब्ध-पृथ्वीराज के दोहरे प्रदर्शन से जीता भोपाल

भोपाल, खेप्र। कप्तान प्रारब्ध मिश्रा और पृथ्वीराज तोमर के दोहरे प्रदर्शन की बदौलत भोपाल डिविजन ने बॉयज-22 लिमिटेड ओवर्स ट्रॉफी इंटर डिविजनल क्रिकेट टूर्नामेंट में उज्जैन को पांच विकेट से हराया। भोपाल 2 मई को जबलपुर के खिलाफ अगला मैच खेलेगा। पहले बल्लेबाजी करने उतरी उज्जैन डिविजन 45.5 ओवर में 177 रन पर सिमट गई। अभियुग प्रजापति ने 32, रिषि ने 25 और दीपेंद्र ने 24 रन बनाए। भोपाल के पृथ्वीराज ने 3 विकेट लिए। प्रारब्ध, तन्मय पांडेय और शिवांश चतुर्वेदी को 2-2 सफलता मिली। जवाब में भोपाल ने 26 ओवर में 5 विकेट खोकर मैच जीत लिया। प्रारब्ध ने नाबाद 70 और पृथ्वीराज ने 69 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। इशान अफरीदी और दीपेंद्र ठाकुर ने 2-2 विकेट लिए।

महिला राष्ट्रीय रैंकिंग तीरंदाजी में देशभर के तीरंदाजों से साधे निशानें

भोपाल, खेप्र। शहर के अंकुर खेल परिसर में खेली जा रही तीसरी महिला राष्ट्रीय रैंकिंग तीरंदाजी प्रतियोगिता में देशभर के तीरंदाज हिस्सा ले रहे हैं। यह प्रतियोगिता भारतीय तीरंदाजी और मप्र मध्यप्रदेश तीरदाजी संघ के तत्वाधान में आयोजित की जा रही है। गुरुवार को सीनियर वर्ग रिकर्व एंव कंपाउंड तीरंदाजी स्पर्धा में भारत की लगभग 130 महिला तीरंदाजी ने भाग लिया। जूनियर वर्ग में 120 तीरंदाजों ने हिस्सा लिया। सब जूनियर वर्ग में 25 खिलाड़ियों ने लक्ष्य को साधा और सर्वश्रेष्ट अंक अर्जित किए। शुक्रवार को प्रतियोगिता के निर्णायक मुकाबले सुबह आठ बजे से खेले जाएंगे। प्रतियोगिता का शुभारंभ खेल मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने किया। इस अवसर पर खेल संचालक राकेश गुप्ता, मप्र तीरदांजी संघ के अध्यक्ष गिरजाशंकर शर्मा और उपाध्यक्ष विनोद प्रधान उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

सबसे बुजुर्ग महिला का 116 की उम्र में निधन

ब्रासीलिया। दुनिया की सबसे बुजुर्ग ब्राजील की नन इनाह कैनाबारो लुकास का बुधवार को 116 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वह मुश्किल से ही शिशु अवस्था में जीवित बची थीं और उन्होंने लंबे जीवन का श्रेय भगवान को दिया, उनके धर्मगुरु और दो दीर्घायु ट्रैकर्स ने यह जानकारी दी। अब यह उपाधि इंग्लैंड के सरे की निवासी एथेल कैटरहम को दी गई है, जो 115 वर्ष की हैं। 8 जून, 1908 को जन्मी कैनाबारो जनवरी में जापानी महिला टोमिको इटूका की मृत्यु के बाद दुनिया की सबसे बुजुर्ग व्यक्ति बन गईं, जिनकी आयु भी 116 वर्ष थी।

मई दिवस पर दिखा ट्रंप की नीतियों का असर

टोक्यो। टोक्यो से ताइपे और मनीला तक एशिया भर में लोगों ने मई दिवस को मार्च, विरोध प्रदर्शनों के साथ मनाया, जिसने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता की आशंकाओं पर बढ़ती बेचैनी को उजागर किया। शिकागो, लॉस एंजिल्स, न्यूयॉर्क और फिलाडेल्फिया सहित पूरे अमेरिका में रैलियां होने की उम्मीद है। इसमें कई देशों में ट्रंप के एजेंडे को चिंता का विषय बताया है। यूएस में आयोजकों ने कहा, इस वर्ष संदेश अप्रवासियों, संघीय कर्मचारियों और विविधता पहलों को लक्षित करने वाले ट्रंप के दृष्टिकोण से लड़ने पर केंद्रित था। ताइवान में राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने ट्रंप के नए टैरिफ का संदर्भ दिया,क्योंकि उन्होंने नौकरी बाजार को स्थिर करने, आजीविका का समर्थन करने के उद्देश्य से एक प्रस्तावित व्यय विधेयक को बढ़ावा दिया। फिलीपींस में विरोध नेता मोंग पैलेटिनो ने चेतावनी दी कि ट्रंप टैरिफ ने स्थानीय उद्योगों को खतरे में डाल दिया है।

बीएसएफ ने अमृतसर में जप्त की हथियारों की खेप

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर में भारत-पाक सीमा पर भरोपाल गांव के पास सुरक्षाबलों ने बड़ी आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया। बीएसएफ और पंजाब पुलिस ने संयुक्त ऑपरेशन में हथियारों की खेप बरामद की है। दो हैंड ग्रेनेड भी जब्त किए हैं। इनका इस्तेमाल आतंकी घटनाओं को अंजाम देने में किया जाना था। संयुक्त टीम ने भरोपाल गांव में सर्च ऑपरेशन शुरू किया था। सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान के दौरान जमीन में छिपाकर रखे गए दो हैंड ग्रेनेड, 3 पिस्तौल, 6 मैगजीन और 50 जिंदा कारतूस बरामद किए। इससे पहले 27 अप्रैल को पंजाब पुलिस ने अमृतसर में एक बड़े अवैध हथियार तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया था। पुलिस ने अमृतसर निवासी अभिषेक कुमार को गिरफ्तार किया था।

सपा सांसद सुमन ने राष्ट्रपति से मांगी सुरक्षा

लखनऊ। सपा राज्यसभा सदस्य रामजी लाल सुमन ने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर सुरक्षा मांगी है। सुमन ने कहा, सरकार उनकी हत्या करवाने की साजिश कर रही है। राष्ट्रपति को भेजे पत्र में सुमन ने दावा किया कि कई हमलों और जान से मारने की धमकियों के बावजूद दोषियों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। प्रशासन अपराधियों को संरक्षण दे रहा है। उधर, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सुमन, बेटे पूर्व विधायक रणधीर सुमन की याचिका पर केंद्र और राज्य सरकार से जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 28 मई को होगी।

एनएसएस कैंप में पढ़वाई नमाज, प्रोफेसर गिरफ्तार

रायपुर। छग के गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी में गुरुवार को अजीबोगरीब मामला सामने आया। यहां प्रो. दिलीप झा ने एनएसएस कैंप में सिर्फ 4 बच्चों के बजाय अन्य 159 गैर मुस्लिम बच्चों से नमाज पढ़वाया। प्रोफेसर को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह घटना 26 अप्रैल को बिलासपुर जिले में नेशनल सर्विस स्कीम के कैंप में हुई थी। डीएसपी ने बताया कि झा समेत 6 फैकल्टी, एक स्टूडेंट पर बीएनएस और छग धार्मिक स्वतंत्रता कानून के तहत नफरत भड़काने और धार्मिक भावनाओं को आहत करने समेत अन्य कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

राणा की आवाज, लिखावट के नमूने ले सकेगी एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने एनआईए को 26/11 मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा की आवाज और लिखावट के नमूने लेने की अनुमति दे दी है। एक सूत्र ने यह जानकारी दी। विशेष एनआईए न्यायाधीश चंदर जीत सिंह ने यह आदेश 30 अप्रैल को एजेंसी द्वारा दायर एक याचिका पर पारित किया। 28 अप्रैल को अदालत ने तहव्वुर की हिरासत 12 दिनों के लिए बढ़ा दी थी। मुंबई पर 2008 में आतंकी हमलों की साजिश रचने वाले राणा को हाल ही में भारत लाया गया था। फिलहाल वह एनआईए की हिरासत में है। भारत 17 वर्षों से राणा और साथी डेविड हेडली के प्रत्यर्पण की कोशिश में लगा था।

चारधाम यात्रा का आगाज, आज खुलेंगे केदार के कपाट

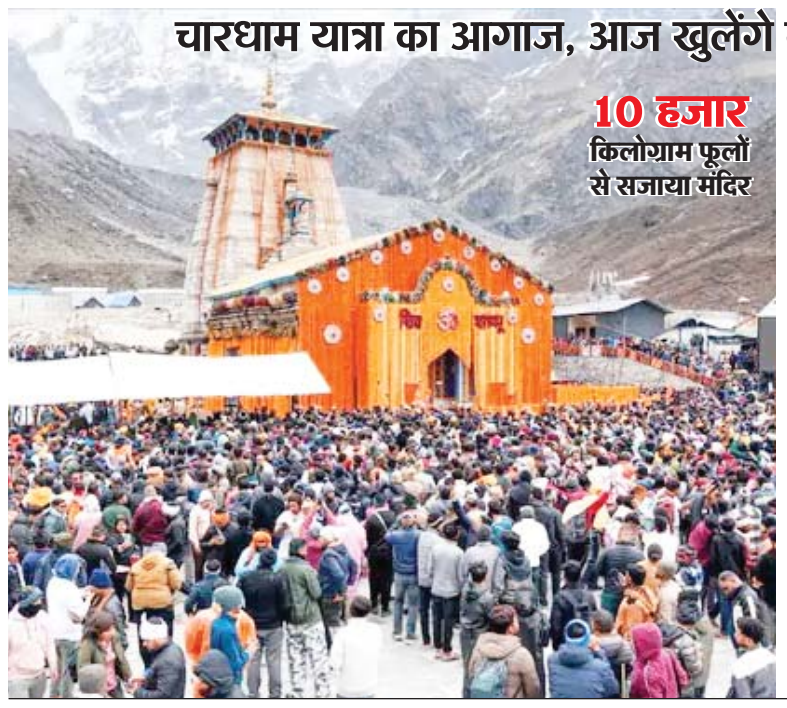

नई दिल्ली। चारधाम यात्रा शुरू हो गई है। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट 30 अप्रैल अक्षय तृतीया को खुल गए। केदारनाथ धाम के कपाट 2 मई को खुलेंगे। इसके बाद 4 मई को बद्रीनाथ धाम के कपाट खुलेंगे। बाबा केदार की पंचमुखी डोली केदारनाथ धाम पहुंच गई है। शुक्रवार सुबह विधि विधान से पूजा-अर्चना के बाद धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। केदारनाथ धाम में तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। ऐतिहासिक मंदिर को 10 हजार किलोग्राम फूलों से सजाया गया है। इसमें 45 तरह के फूल शामिल हैं। ये फूल 8 राज्य और 3 देशों से मंगवाए गए हैं। कपाट खुलने के बाद 6 महीनों तक दर्शन हो सकेंगे।

विझिंजम पोर्ट मेरे लिए गर्व की बात: थरूर

थरूर ने किया पीएम मोदी का स्वागत

तिरुवनंतपुरम, जेएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार शाम विशेष विमान से केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम पहुंचे। उनका विमान शाम 7.50 बजे संघमुघम स्थित वायुसेना तकनीकी क्षेत्र में उतरा। पीएम के स्वागत के लिए सीएम पिनराई विजयन, केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन, तिरुवनंतपुरम सांसद शशि थरूर, मेयर आर्य राजेंद्रन और कई विधायक-सांसद मौजूद रहे। कांग्रेस सांसद थरूर ने एक्स पर एक दिलचस्प पोस्ट करते हुए लिखा, 'दिल्ली हवाई अड्डे की खराब व्यवस्था और देरी के बावजूद मैं तिरुवनंतपुरम समय पर पहुंच गया, ताकि चुनाव क्षेत्र में पीएम के आगमन पर स्वागत कर सकूं। मैं विझिंजम पोर्ट के उद्घाटन को लेकर उत्साहित हूं, एक ऐसा प्रोजेक्ट जिससे मैं इसकी शुरुआत से ही जुड़ा रहा हूं और जिस पर मुझे गर्व है।' पीएम मोदी केरल दौरे में विझिंजम इंटरनेशनल सीपोर्ट का आधिकारिक उद्घाटन करेंगे। यह पोर्ट भारत के समुद्री व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है। थरूर पहले भी इस पोर्ट प्रोजेक्ट को लेकर सक्रिय रहे हैं।

पंजाब की आप सरकार ने बुलाई ऑल पार्टी मीटिंग, विधानसभा सेशन

भाखड़ा के पानी को लेकर पंजाब और हरियाणा में गहराया विवाद

चंडीगढ़, जेएनएन। भाखड़ा नहर से पानी के बंटवारे को लेकर हरियाणा और पंजाब सरकार के बीच विवाद तेज हो गया है। पंजाब ने नंगल स्थित भाखड़ा डैम पर पुलिस घेरा डाल दिया है। डैम के कंट्रोल रूम की चाबी भी पंजाब पुलिस ने ले ली है। किसी को डैम के आसपास जाने की इजाजत नहीं है। वहीं आप ने चंडीगढ़ में बैठक की, जिसमें सीएम भगवंत मान के साथ आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल भी मौजूद रहे। बैठक के बाद पंजाब में आप के प्रधान अमन अरोड़ा ने कहा, शुक्रवार सुबह 10 बजे पंजाब में सर्वदलीय बैठक बुलाई है। सोमवार को पंजाब विस का स्पेशल सेशन भी बुलाया गया है। यह बवाल तब बढ़ा, जब बुधवार देर शाम भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड की इमरजेंसी मीटिंग हुई, जिसमें हरियाणा को 4 हजार क्यूसिक की जगह साढ़े 8 हजार क्यूसिक पानी देने की बात कही गई, लेकिन पंजाब सरकार ने आदेश मानने से इनकार कर दिया।

मान बोले- पहले से पानी संकट

पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा कि पंजाब पहले से ही पानी के संकट से गुजर रहा है। पंजाब के डैम अपने लेवल से कम चल रहे हैं। हमारे यहां धान का सीजन शुरू होने वाला है। हमारे पास पानी नहीं है। हरियाणा हमसे उम्मीद भी न करें।

3 महीने पहले हम दिल्ली के लिए पानी मांग रहे थे

सीएम ने कहा कि हरियाणा सीएम नायब सैनी को पत्र लिखा है। 1700 क्यूसिक पानी की जरूरत है। उससे ज्यादा पानी दे रहे हैं। हरियाणा के लोगों का कोई कसूर नहीं है। 3 महीने पहले हम दिल्ली के लिए पानी मांग रहे थे। वक्त से डरिए। पंजाब के बिना बीबीएमबी कैसे पूरा हो सकता है। हरियाणा के लोग बेटी के घर का पानी नहीं पीते है। यह नहरें मांग रहे हैं।

घटिया राजनीति छोड़े आम आदमी पार्टी: सैनी

सीएम नायब सैनी ने कहा, चुनाव आ गया है। अब आप सरकार ऐसा ही करेगी। पंजाब के लोग ये समझ रहे हैं। आप ये गंदी राजनीति कब तक करेगी। पंजाब संतों की धरती है, यहां के लोग सबको पानी पिलाते थे, वह मस्त रहते थे, बिना किसी भेदभाव के सबको पानी पिलाते थे। हमें यहां के संतों से प्रेरणा लेकर काम करना चाहिए। ये घटिया राजनीति छोड़िए।

भारत की सिनेमा, संस्कृति बना रही है वैश्विक पहचान: पीएम

मुंबई, जेएनएन। यहां विश्व ऑडियो विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन के उद्घाटन में पीएम नरेंद्र मोदी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कहा, भारतीय सिनेमा और रचनात्मक उद्योग की वैश्विक पहचान को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। पीएम ने वेव्स समिट को केवल एक नाम नहीं, बल्कि संस्कृति, रचनात्मकता और वैश्विक जुड़ाव की लहर बताया। उन्होंने कहा, यह समिट कलाकारों और रचनाकारों के लिए एक वैश्विक मंच प्रदान करता है, जहां वे अपने विचारों और रचनाओं को साझा कर सकते हैं।

भारत की 'ऑरेंज इकॉनमी' का उदय: प्रधानमंत्री ने भारत में 'ऑरेंज इकॉनमी' के उदय की बात की, जिसमें कंटेंट, क्रिएटिविटी और कल्चर तीन मुख्य बिंदु हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय फिल्में अब 100 से अधिक देशों में रिलीज होती हैं और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर भारतीय कंटेंट की मांग बढ़ रही है।

- **भारतीय सिनेमा की गौरवमयी यात्रा:** पीएम मोदी ने भारतीय सिनेमा की शुरुआत का उल्लेख करते हुए कहा कि 1913 में दादासाहेब फाल्के द्वारा निर्मित राजा हरिश्चंद्र से लेकर आज तक भारतीय सिनेमा ने वैश्विक पहचान बनाई है। उन्होंने इस यात्रा को सम्मानित करते हुए भारतीय सिनेमा के दिग्गजों को डाक टिकटों के माध्यम से याद किया।
- **वैश्विक रचनाकारों के लिए संदेश:** प्रधानमंत्री ने युवा रचनाकारों को प्रेरित करते हुए कहा,वे अपनी एक अरब अनकही कहानियों को दुनिया के सामने लाएं। उन्होंने निवेशकों से भी अपील की कि वे प्लेटफॉर्म्स में ही नहीं, बल्कि लोगों में निवेश करें, ताकि रचनात्मकता को बढ़ावा मिल सके।
- **फिल्म जगत की प्रतिक्रियाएं:** समिट के उद्घाटन सत्र में बॉलीवुड के कई दिग्गज कलाकारों ने भाग लिया। अभिनेता शाहरुख़ ख़ान ने इसे रचनात्मकता को बढ़ावा देने वाला अवसर बताया, जबकि अभिनेता अक्षय कुमार ने इसे एक शानदार विचार करार दिया।

घर में महज मजाक हूं मैं: शाहरुख

मुंबई, जेएनएन। बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान ने वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट (वेव्स) 2025 के मंच पर अपने परिवार को लेकर एक मजेदार और ईमानदार खुलासा किया, जिससे वहां मौजूद दर्शक हंसी नहीं रोक पाए। समिट के एक खास सत्र 'द जर्नी: फ्रॉम आउटसाइडर टू रूलर' में शाहरुख ने न सिर्फ अभिनय सफर के बारे में बात की, बल्कि बच्चों, आर्यन, सुहाना और अबराम के साथ रिश्ते को लेकर भी बेबाकी से बोले। उन्होंने हंसते हुए कहा, 'मेरे घर में मुझे कोई गंभीरता से नहीं लेता। मेरे बच्चे मुझे देख सबसे ज्यादा हंसते हैं। जब मैं उन्हें डांटता भी हूं, तो वो भी मजाक जैसा ही लगता है।' खान ने मजाकिया अंदाज में कहा, 'अक्सर पूछा जाता है क्या सफलता की ऊंचाई पर अकेलापन होता है। मैं इतना ही कहूंगा, अगर आप बच्चों को हंसा सकते हैं, तो आप कभी अकेले नहीं होंगे।

केंद्रीय मंत्री ने शुरू किया था एनएमआर

सिर्फ 1 प्रतिशत आए आवेदन उसमें भी 98 फीसदी पेडिंग

नई दिल्ली, जेएनएन। देश में आधुनिक चिकित्सा में रजिस्टर्ड डॉक्टरों के सेंट्रल डेटाबेस, राष्ट्रीय चिकित्सा रजिस्टर (एनएमआर) को पिछले 8 महीनों में नामांकन के लिए एक प्रतिशत से भी कम डॉक्टरों के आवेदन प्राप्त हुए हैं, जबकि भारत में पंजीकृत डॉक्टरों के लिए केंद्रीय रजिस्ट्री में नामांकन करना अनिवार्य है। चौंकाने वाली बात यह है कि एनएमआर के लिए आवेदन करने वाले एक प्रतिशत से भी कम डॉक्टरों में से 98 प्रतिशत आवेदनों को मंजूरी नहीं दी गई है। एनएमआर को 23 अगस्त को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने बड़े जोर-शोर से लांच किया था। भारत में 13 लाख से अधिक पंजीकृत चिकित्सक (आरएमपी) हैं। आरटीआई के अनुसार, राष्ट्रीय चिकित्सा परिषद (एनएमसी) को 24 अप्रैल तक 10,411 आवेदन प्राप्त हुए। जवाब में कहा गया है कि अब तक स्वीकृत न किए गए आवेदनों की कुल संख्या 10,237 है, जिनमें 139 ऐसे आवेदन हैं जिनके संबंध में प्रश्न उठाए गए थे। खारिज किए गए आवेदनों की कुल संख्या दो है। आरटीआई दायर करने वाले केरल के डॉ. केवी बाबू के अनुसार, जून 2022 तक 13,08,009 एलोपैथिक डॉक्टर एसएमसी और एनएमसी के साथ पंजीकृत थे। पता चला है कि 10,411 आवेदन जमा किए गए थे, जिनमें से एनएमसी ने 10,237 को मंजूरी नहीं दी है। 13 लाख से ज्यादा डॉक्टरों में से 10,000 से ज्यादा आवेदकों ने लगभग आठ महीनों में पंजीकरण के लिए आवेदन किया है। यह भारत में कुल डॉक्टरों का सिर्फ 0.8 फीसदी है। उन्होंने कहा कि विडम्बना यह है कि 98 प्रतिशत आवेदन स्वीकृत नहीं किए गए हैं।

एनएमआर अनिवार्य

एनएमआर को एनएमसी अधिनियम, 2019 की धारा 31 के तहत अनिवार्य किया गया है, जिसमें कहा गया है कि एनएमसी का आचार और चिकित्सा पंजीकरण बोर्ड इलेक्ट्रॉनिक रूप में एक राष्ट्रीय रजिस्टर बनाए रखेगा, जिसमें लाइसेंस प्राप्त चिकित्सक का नाम, पता और सभी मान्यता प्राप्त योग्यताएं शामिल होंगी। 10 मई 2023 के राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, एनएमआर में नामांकन अनिवार्य है, जिसे नड्डा ने लॉन्च के समय भारत में एलोपैथिक (एमबीबीएस) पंजीकृत डॉक्टरों के लिए एक व्यापक और गतिशील डेटाबेस के रूप में वर्णित किया था। आरटीआई कार्यकर्ता ने कहा कि एनएमआर के लिए बहुत कम लोग आवेदन कर रहे हैं, क्योंकि पंजीकरण प्रक्रिया बहुत जटिल हो गई है। उन्होंने कहा कि जब एसएमसी द्वारा पंजीकरण संख्या और डिग्री प्रमाण-पत्रों का सत्यापन हो जाएगा।

ट्रंप ने एनएसए माइक वाल्ट्ज को हटाया

वॉशिंगटन। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज को हटा दिया गया है। कुछ ही हफ्तों बाद यह पता चला कि उन्होंने एक पत्रकार को सिग्नल चैट में जोड़ा था, जिसका इस्तेमाल सैन्य योजनाओं पर चर्चा करने के लिए किया जा रहा था। मामले से जुड़े दो लोगों के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल का पहला बड़ा स्टाफ बदलाव है। मार्च में वाल्ट्ज की कड़ी जांच की गई थी, जब यह खुलासा हुआ था कि उन्होंने एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग ऐप सिग्नल पर एक निजी टेक्स्ट चेन में पत्रकार जेफरी गोल्डबर्ग को जोड़ा था, जिसका इस्तेमाल यमन में हौथी आतंकवादियों के खिलाफ 15 मार्च को एक संवेदनशील सैन्य अभियान की योजना पर चर्चा करने के लिए किया गया था।

ट्रंप ने चीन के टैरिफ संकट का 'खिलौना गणित' से किया बचाव

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्वीकार किया है कि उनकी आक्रामक टैरिफ नीतियों से अमेरिका में उपभोक्ता सामान कम और अधिक महंगे हो सकते हैं, जिससे यह संकेत मिलता है कि अमेरिकी बच्चों के पास '30 की जगह दो गुड़ियां' हो सकती हैं। 2025 की पहली तिमाही के दौरान अमेरिकी अर्थव्यवस्था में 0.3 फीसदी संकुचन के बावजूद ट्रंप जोर देकर कहते हैं कि चीन को चल रहे व्यापार युद्ध से अधिक नुकसान होगा। आलोचकों का तर्क है कि उनके टैरिफ आर्थिक अस्थिरता पैदा कर रहे हैं, जिससे मुद्रास्फीति बढ़ रही है और संभावित मंदी की आशंका है। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कैबिनेट की बैठक में कहा, हो सकता है कि बच्चों को 30 गुड़िया के बजाय दो गुड़िया मिलें। तो हो सकता है कि दो गुड़िया की कीमत सामान्य से कुछ डॉलर अधिक हो। मंदी का मुख्य कारण आयात में तेजी थी, क्योंकि कारोबारियों ने स्टील, एल्युमीनियम और ऑटोमोबाइल जैसे सामानों पर नए टैरिफ को मात देने की होड़ लगाई।

बोले-बच्चों के पास 30 की जगह 2 गुड़िया हो सकती हैं, लेकिन नुकसान चीन को होगा

23-5

8 साल बाद विराट ने दोबारा किया प्यार का इजहार

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा को जन्मदिन पर फैंस के साथ ही फिल्म जगत के तमाम सितारों ने खास अंदाज में बधाई दी। उनके पति भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली ने उन्हें बधाई देते हुए अपना सबकुछ बताया। अनुष्का के साथ इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, मेरी सबसे अच्छी दोस्त, मेरी लाइफ पार्टनर, सेफ प्लेस तुम मेरी सब कुछ हो। तुम हम सबको गाइड करती हो। हम सब तुमसे बहुत प्यार करते हैं। जन्मदिन मुबारक हो माई लव। विराट कोहली और अनुष्का शर्मा ने साल 2017 में इटली में शादी की थी। शादी में परिवार और करीबी दोस्त ही शामिल हुए थे। अनुष्का शर्मा ने साल 2021 में बेटी को जन्म दिया, जिसका नाम उन्होंने वामिका रखा है। इसके तीन साल बाद उन्होंने बेटे को जन्म दिया, जिसकी जानकारी एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर दी थी। विराट-अनुष्का ने बेटे का नाम अकाय रखा है, अनुष्का शर्मा और विराट कोहली के बेटे का जन्म लंदन में हुआ था, जिसके बाद से खबरें आ रही थी कि दोनों विदेश में शिफ्ट हो सकते हैं। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं हुई है। अनुष्का के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो शाहरुख खान और कैटरीना कैफ के साथ फिल्म 'जीरो' में नजर आई थीं।

19-5

अंतरिक्ष | किरीबाती का मिलेनियम आईलैंड है दुनिया की वह जगह जहां सबसे पहले होता है सूर्योदय

जापान नहीं रहा उगते सूरज का देश!

नई दिल्ली, जेएनएन। जब भी 'उगते सूरज के देश' की बात होती है, हमारे दिमाग में सबसे पहले नाम जापान का आता है। स्कूल की किताबों से लेकर आम बातचीत तक हमें यही बताया गया है कि सूरज सबसे पहले जापान में उगता है, लेकिन असलियत इससे थोड़ी अलग है। वैज्ञानिक और भौगोलिक नजरिए से देखें तो धरती पर सूरज सबसे पहले जापान में नहीं, बल्कि एक छोटे से द्वीप पर उगता है। यह द्वीप किरीबाती नामक देश में स्थित है, जिसका नाम मिलेनियम आइलैंड हैं।

सूरज सबसे पहले किरीबाती के मिलेनियम आइलैंड पर इसलिए उगता है, क्योंकि यह द्वीप इंटरनेशनल डेट लाइन के ठीक बगल में स्थित है, इंटरनेशनल डेट लाइन एक काल्पनिक रेखा है, जो प्रशांत महासागर से होकर गुजरती है। यह रेखा तय करती है कि धरती पर किस जगह एक दिन खत्म होता है और कहां नया दिन शुरू होता है। किरीबाती ने खुद ही अपने टाइमजोन को एडजस्ट करके मिलेनियम आइलैंड को दुनिया की पहली जगह बना दिया, जहां सूरज उगता है। साल 2000 की शुरुआत यानी मिलेनियम का पहला सूरज सबसे पहले यहीं देखा गया था, इसीलिए इसका नाम मिलेनियम आइलैंड रखा गया।

तो क्या जापान में सूरज देर से उगता है?: जापान भी सूरज के जल्दी उगने वाले देशों में शामिल है, लेकिन वह पहला नहीं है। जापान का 'उगते सूरज का देश' नाम सांस्कृतिक और ऐतिहासिक आधार पर दिया गया है, न कि वैज्ञानिक कारणों से। इसलिए अगर आप सोचते थे कि सूरज सबसे पहले जापान में उगता है, तो अब अपनी जानकारी सही कर लीजिए।

भारत में कहां होता है सबसे पहले सवेरा

अगर भारत की बात करें तो देश में सबसे पहले सूरज अरुणाचल प्रदेश के डोंग नामक गांव में उगता है। यह गांव भारत के सबसे पूर्वी छोर पर स्थित है और यहां सुबह सबसे पहले उजाला होता है। हालांकि, स्थानीय लोग और पर्यटक सूर्योदय के इस खास नजारे को देखने के लिए डोंग गांव जाते हैं।

दैनिक जागरण वर्गीकृत

अण्डा

BHOPAL EGG RATE 455/-
Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.
Rate on 01.05.2025 was Rs. 445/-

सलाह

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/ सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/ प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

एफआईआर से नाराज डॉक्टरों ने की हड़ताल

जागरण, छतरपुर। जिला अस्पताल में मरीज के साथ मारपीट मामले में डॉक्टर पर केस दर्ज हुआ है। इसके बाद गुरुवार को डॉक्टरों ने हड़ताल कर दी। इस वजह से सुबह 9 से दोपहर 12.30 बजे तक ओपीडी सेवाएं बंद रहीं। जानकारी लगते ही एसडीएम अखिल राठौर, सिटी कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद दांगी और सीएमएचओ आरपी गुप्ता मौके पर पहुंचे। डॉक्टरों से बातचीत के बाद ओपीडी सेवाएं फिर से शुरू हुईं।

भगवान महाकाल को चांदी का मुकुट-इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भेंट

जागरण, उज्जैन। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में गुरुवार को नई दिल्ली से आई भक्त सौम्या आदित्य गुप्ता ने भगवान महाकाल को चांदी का मुकुट अर्पित किया। तीन लाख के मुकुट का वजन 2783 ग्राम है। बालाघाट से आए श्रद्धालु हिम्मत सिंह तिल्हारे और अनुश्री सौरभ तिल्हारे ने मंदिर को एक वाटर कूलर और मंदिर की आईटी शाखा के लिए एक प्रिंटर और दो की बोर्ड भी भेंट किए।

"ट्वीट ऑफ द डे"

एस.जयशंकर
विदेश मंत्री

कल अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ पहलगाम आतंकवादी हमले पर चर्चा की। इसके अपराधियों, समर्थकों और योजनाकारों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। रुबियो ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ सहयोग करने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रतिबद्धता दोहराई।

18 पेटी अवैध शराब की तस्करी करते 2 गिरफ्तार

मुख्य संवाददाता, भोपाल। राजधानी की क्राइम ब्रांच ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 2 तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से 161.280 लीटर (18 पेटी) अंग्रेजी और देशी अवैध शराब जब्त की है। तस्करी में इस्तेमाल कार भी क्राइम ब्रांच ने जब्त कर ली है। जब्त की गई शराब और वाहन की कीमत लगभग 12 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। क्राइम ब्रांच की टीम आईटीआई गोविंदपुरा के पास वाहन चेकिंग कर रही थी, तभी सूचना मिली कि टीआरटी कॉलोनी रोड के पास खाली मैदान में सफेद रंग की हुंडई वेन्यू कार में भारी मात्रा में अंग्रेजी व देशी शराब की पेटियां रखी हुई हैं। टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर कार में बैठे दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया। ड्राइवर सीट पर बैठे युवक ने अपना नाम विनोद राय जबकि पीछे की सीट पर बैठे युवक ने नाम वैभव पाटिल बताया। पुलिस ने जब कार की तलाशी ली तो पीछे की सीट और डिग्गी से खाकी रंग की 18 पेटियों में भरी हुई 161.280 लीटर अंग्रेजी और देशी शराब बरामद हुई। आरोपियों से शराब के संबंध में वैध कागजात मांगे गए, लेकिन वे कोई दस्तावेज पेश नहीं कर सके। इनमें से एक आरोपी विनोद राय पहले भी क्राइम ब्रांच द्वारा अवैध शराब की तस्करी के मामले में गिरफ्तार किया जा चुका है।

काम में लापरवाही पर 7 वार्ड प्रभारी निलंबित

मुख्य संवाददाता, भोपाल। निगम आयुक्त हरेंद्र नारायन ने समग्र आईडी को आधार के साथ ई-केवाईसी लिंक के काम में लापरवाही बरतने और कम संख्या में ई-केवाईसी करने पर 7 वार्ड प्रभारियों को सस्पेंड कर दिया है। निगम आयुक्त ने गुरुवार को समग्र आईडी को ई-केवाईसी से लिंक करने संबंधी समीक्षा के दौरान काम की गति धीमी पाए जाने पर वार्ड 50 के प्रभारी बालकृष्ण करोड़े, वार्ड 51 के राकेश कुमार, वार्ड 52 के बलभद्र पटेल, वार्ड 58 के प्रभारी रामजस पटेल, वार्ड 67 के इंद्रकुमार जैन एवं वार्ड 32 के प्रभारी अखंड प्रताप सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। बैठक के दौरान नारायन ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा में बिना सूचना के अनुपस्थित रहने एवं अफसरों के आदेशों की अवहेलना पर वार्ड 59 के प्रभारी अमितोष सिंह ठाकुर को भी निलंबित कर दिया।

10 दिन में ई-केवाईसी नहीं कराया तो राशन बंद

भोपाल। भोपाल के 2 लाख 18 हजार लोगों ने ई-केवाईसी नहीं कराई है। उन्हें 10 दिन में केवाईसी कराना होगी, वरना राशन नहीं मिलेगा। वहीं, पिछले 4 महीने से राशन नहीं लेने वाले लोगों के नाम भी पोर्टल से हटाने की कार्रवाई शुरू होगी। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन सामग्री प्राप्त करने वाले हितग्राही सदस्यों की शत-प्रतिशत ई-केवाईसी के लिए 12 अप्रैल से अभियान चल रहा है। इसमें बाकी बचे 2 लाख 28 हजार 861 सदस्यों की ई-केवाईसी का टारगेट था, लेकिन 2 लाख 18 हजार 831 ने केवाईसी नहीं कराई है।

▸▸ दो दिन बाद एमपी में एक बार फिर बदलेगा मौसम ▸▸ कई जिलों में तेज हवा व बारिश के साथ ओले गिरने के आसार

भोपाल में सीजन का सबसे गर्म दिन रहा गुरुवार, 42.5 डिग्री पहुंचा पारा

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। राजधानी भोपाल में गुरुवार को पारा 42.5 डिग्री पहुंच गया। यह इस सीजन का अब तक का सबसे अधिक है। इससे पहले 18 अप्रैल को 42.2 डिग्री था। तापमान बढ़ने से शहर में गर्मी और धूप की चुभन से लोग परेशान दिखाई दिए। अत्यधिक गर्मी के कारण दिन में सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। मई के शुरू होते ही लोगों को गर्मी और अधिक महसूस होने लगी है। मौसम केंद्र भोपाल से मिली जानकारी अनुसार भोपाल में गुरुवार को इस सीजन का सबसे अधिक गर्म दिन रिकार्ड किया गया है। वहीं न्यूनतम पारा 24.5 डिग्री रहा। रात में गर्मी का एहसास हो रहा है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले दिन मौसम ऐसा रही रहेगा, उसके बाद तापमान में कुछ गिरावट आएगी। गुरुवार को पांढुर्णा, मैहर, डिंडौरी समेत कई जिलों में बारिश के साथ ओले गिरे। जबकि भोपाल, इंदौर, उज्जैन समेत कई शहरों में गर्मी का असर देखा गया। मौसम विभाग ने रात में डिंडौरी, अनूपपुर, उमरिया, कटनी, मैहर, सिवनी और बालाघाट में ओले गिरने का अलर्ट जारी किया है। साथ ही प्रदेश के कई जिलों गर्मी ने लोगों को परेशान किया। दिन का पारा 43 डिग्री पार दर्ज किया है। मौसम विभाग का कहना है मौसम का इस तरह का मिजाज चार-पांच दिन तक बना रह सकता है।

इस सप्ताह में ओले और बारिश का अलर्ट: मई के पहले सप्ताह में मौसम का मिला-जुला असर देखने को मिलेगा। अगले 4 दिन यानी, 1 से 4 मई तक प्रदेश के अधिकांश हिस्से में बादल, बारिश, आंधी, गरज-चमक और ओले गिरने की संभावना है। साइक्लोनिक सर्कुलेशन के एक्टिव होने से अगले 24 घंटे में सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, मैहर, कटनी, उमरिया, शहडोल, अनूपपुर और डिंडोरी में हवा की रफ्तार 50 से 60 किमी प्रतिघंटा तक रह सकती है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, नीमच, मंदसौर, आगर-मालवा, राजगढ़, शाजापुर, धार, देवास, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, सीहोर, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट में भी आंधी-बारिश का अलर्ट है।

मई सामान्य से ज्यादा गर्म: मई में देश के ज्यादातर हिस्सों में तापमान 'सामान्य से ऊपर' रहने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि उत्तर-पश्चिम, मध्य व पूर्वी भारत के आसपास के इलाकों में सामान्य से ज्यादा दिनों तक लू चलने की आशंका है।

प्रदेश में रतलाम सबसे गर्म

मई के पहले ही दिन उज्जैन, शाजापुर, रतलाम, गुना और नरसिंहपुर में पारा 43 डिग्री के पार पहुंच गया। रतलाम सबसे गर्म रहा। यहां पारा 43.6 डिग्री सेल्सियस रहा। उज्जैन में 43.4, गुना और नरसिंहपुर में 43.2 डिग्री दर्ज किया गया। धार, खरगोन, खंडवा, शिवपुरी, रायसेन, टीकमगढ़, सागर, दमोह, बैतूल, खजुराहो और नर्मदापुरम में पारा 41 डिग्री या इससे अधिक रहा। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 42.5 डिग्री, इंदौर में 42, ग्वालियर में 39.6 और जबलपुर में तापमान 40.2 डिग्री रहा।

1901 के बाद सातवां सबसे गर्म महीना रहा अप्रैल

नई दिल्ली। अप्रैल में देश में सातवां सबसे ज्यादा औसत तापमान (29.1 डिग्री सेल्सियस, जो सामान्य से 0.8 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था) दर्ज किया गया। भारत में 1901 में औपचारिक रिकॉर्डिंग शुरू होने के बाद से ऐसा हुआ है। उत्तर-पश्चिम भारत में इस महीने 1901 के बाद से पांचवां सबसे गर्म अप्रैल दर्ज किया गया। राजस्थान और गुजरात में 6-11 दिन लू चली, जबकि पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में 4-6 दिन लू चली, जबकि सामान्य तौर पर 2 से 3 दिन लू चलती है। पूर्वी मध्य भारत, महाराष्ट्र और आसपास के उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत में 1-3 दिन लू चली, जबकि सामान्य तौर पर 2-3 दिन लू चलती है।

इन राज्यों में चलेगी लू: राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, गांगेय पश्चिम बंगाल और गुजरात, ओडिशा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, तेलंगाना और उत्तरी कर्नाटक के कुछ हिस्सों में मई में 'सामान्य से ऊपर' लू वाले दिन हो सकते हैं।

गरज के साथ बारिश

आईएमडी के प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि मई में लगातार और तेज गरज के साथ छींटे पड़ने और 'सामान्य से ऊपर' बारिश होने की संभावना है। इससे तापमान मई 2024 के स्तर तक नहीं बढ़ पाएगा। उन्होंने कहा कि दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत के कई हिस्सों और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर, जहां सामान्य से 'नीचे' अधिकतम तापमान रहने की संभावना है, देश के ज्यादातर हिस्सों में दिन में अधिकतम तापमान 'सामान्य से ऊपर' रहने की संभावना है। महापात्र ने आगे कहा कि देश के ज्यादातर हिस्सों में रात में पारा 'सामान्य से ऊपर' रहने की संभावना है।

रेप, ब्लैकमेलिंग, धर्म परिवर्तन के बहुचर्चित कांड के मास्टर माइंड फरहान ने पूछताछ में किए चौंकाने वाले खुलासे

सेक्युलर लड़कियां थीं सॉफ्ट टॉरगेट, दरिंदगी के लिए अड्डा उपलब्ध कराने वाला नबील गिरफ्तार

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। रेप, ब्लैकमेलिंग, धर्म परिवर्तन के बहुचर्चित कांड के मास्टर माइंड फरहान खान उर्फ डीजल ने पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा किया है। उसने पुलिस को बताया कि वह सेक्युलर (धर्मनिरपेक्ष) विचारधारा वाली समुदाय विशेष की लड़कियां सॉफ्ट टारगेट होती थीं। ऐसी लड़कियां जल्दी जाल में फंस जाती थीं। इसके बाद उनके साथ रेप करता था। वीडियो बनाकर उन्हें ब्लैकमेल करते हुए दूसरे लड़कों को सौंप देता था। पुलिस ने दो छात्राओं से फरहान की गतिविधियों को लेकर पूछताछ की है। लड़कियों ने बताया कि वह फरहान से प्रेम करती थीं, जबकि उसकी मानसिकता लव जिहाद के जाल में फंसानी की रहती थी। जब उसकी गंदी सोच का पता चला तब तक फरहान सबके वीडियो अपने मोबाइल में बना चुका था। इसी के डर से कोई लड़की शिकायत नहीं कर सकी। इधर, अशोका गार्डन पुलिस ने लड़कियों के साथ दरिंदगी करने के लिए अपना घर उपलब्ध कराने वाले अशोका गार्डन निवासी नबील को गिरफ्तार किया है। वह फरहान की गिरफ्तारी की भनक लगते ही फरार हो गया था।

फरहान को आज जेल से लाएगी पुलिस: फरहान को शुक्रवार को अशोका गार्डन पुलिस कोर्ट के आदेश पर पूछताछ के लिए जेल से लाएगी। अजुर्न नगर निवासी फरहान को पूछताछ होने के बाद पुलिस ने जेल दाखिल करा दिया था। उसके जेल जाते ही एक छात्रा ने गैंगरेप का मामला दर्ज कराया था। फरहान ने अली के साथ मिलकर छात्रा के साथ अशोका गार्डन के सुंदर नगर में गैंगरेप किया था।

फरहान का दुस्साहस: बोला-शबाब का काम किया

फरहान को किए का पछतावा नहीं है। जेल जाने से पहले उससे हुई पूछताछ में वह बेखौफ होकर पुलिस से कहता रहा कि उसने अंतरधार्मिक लड़कियों से रेप कर शबाब (पुण्य) का काम किया है। उसने कहा कि उसका मकसद लड़कियों की जिंदगी को जहन्नुम बनाना था, जो उसने कर दिया। इधर, फरहान के पिता रिजवान खान ने कहा-वह अपनी बहन को जमाने से बचकर रहने की सलाह देता था, वही दूसरों के घर की लड़कियों के साथ बलात्कार करता था। उनके वीडियो बनाता था। मैंने तो ये सोचा भी नहीं था। मेरी औलाद ऐसी निकलेगी।

साथ में पढ़ रहे नबील ने दिया रूम: गिरफ्तार आरोपी नबील जिस कॉलेज में फरहान पढ़ रहा है, वह भी उसी में पढ़ाई कर रहा है। मूलतः बिहार का रहने वाला नबील को पुलिस ने अशोगा गार्डन इलाके से गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं। घटना के सप्ताहभर बीतने के बाद भोपाल में ही छिपे नबील को पुलिस गिरफ्तार नहीं कर सकी। इसी मामले में पश्चिम बंगाल का रहने वाला अबरार फरार है। हालांकि, सूत्रों की मानें तो पुलिस ने उसे भी उठा लिया है। जल्द ही पुलिस उसकी गिरफ्तारी घोषित कर सकती है।

आज 26 जगहों पर एक साथ विरोध-प्रदर्शन

हिंदू संगठनों ने लड़कियों के साथ हुई दरिंदगी को लव जिहाद मानते हुए शुक्रवार को विरोध-प्रदर्शन का ऐलान किया है। शाम 5 बजे से 6 बजे के बीच शहर के 26 तिराहे-चौराहों पर प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन में हिंदू संगठनों के साथ भाजपा नेता भी शामिल हो सकते हैं। कोशिश की जा रही कि बड़ी संख्या में महिलाएं प्रदर्शन में जुटें। संगठनों की तरफ से जारी की गई जानकारी के मुताबिक, गांधी नगर, करोंद चौराहा, डीआईजी बंगला, सिंधी कॉलोनी, नादरा बस स्टैण्ड, वाजपेयी नगर, अशोका गार्डन परिहार चौराहा, कर्फ्यू वाली माता-मंदिर, लालघाटी, बैरागढ़, लिली टॉकीज, रोशनपुरा, एमपी नगर बोर्ड ऑफिस चौराहा, 10 नंबर मार्केट, कोलार, पिपलानी, अयोध्या नगर, आनंद नगर, भारत माता चौराहा, नेहरू नगर समेत अन्य जगहों पर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

गुनगा में नाबालिग से रेप, थाने में हंगामा

उधर, देहात पुलिस के गुनगा थाना इलाके में 17 साल 6 माह की नाबालिग के साथ रेप का मामला सामने आया है। नाबालिक ने शिकायत करते हुए बताया कि उसके मोहल्ले में ही रहने वाले साहिल खान पिता मतीन खान के साथ वह खेतों में काम करने जाती थी। इस दौरान साहिल उससे बात करने लगा। दोस्ती बढ़ाकर उसके साथ रेप किया। फिर शादी का दबाव बनाने लगा। गुनगा थाना प्रभारी हरिशंकर वर्मा ने बताया कि साहिल खान के खिलाफ पास्को, एससी/एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे जेल भेज दिया गया है। प्रकरण में विश्व हिन्दु परिषद के जिला मंत्री जितेंद्र मीणा समेत कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाए कि आरोपी नाबालिग के साथ रेप कर उसका धर्म परिवर्तन कराने के लिए शादी करने की साजिश रची थी। हालांकि पुलिस धर्म स्वतंत्रता अधिनियम की धारा नहीं लगाई है।

स्व-रोजगार से जोड़ने में लघु वनोपज समितियां सक्षम: मुख्यमंत्री

विसं भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मप्र के जनजातीय वर्ग को विकास की मुख्य धारा में लाने राज्य सरकार संकल्पित है। उन्हें स्व-रोजगार से जोड़ने में लघु वनोपज समितियां निरापद रूप से सर्वाधिक सक्षम हैं। सीएम गुरुवार को खंडवा जिले के हरसूद में तेंदूपत्ता, वन समितियों और जनजातीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जनजातीय परिवारों को भी केन्द्र सरकार की सभी योजनाओं जैसे पक्का मकान, निःशुल्क राशन और आयुष्मान योजना से मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है। राज्य सरकार तेंदुपत्ता संग्राहकों को बोनस देकर प्रोत्साहित कर रही है। तेंदूपत्ता के शासकीय मूल्य में 1000 रुपए प्रति मानक बोरा की वृद्धि कर इसे 4000 रुपए प्रति मानक बोरा कर दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हरसूद में जल संरक्षण के लिये सरकार द्वारा चलाये जा रहे जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम में सहभागिता की। प्रदेश में खेतों को सिंचित करने अभियान चलाया जा रहा है। सिंचाई का रकबा बढ़ने से सीधा लाभ किसानों को मिलेगा। डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में पर्यटन क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। यहां सबसे ज्यादा टाइगर हैं। देश में चीता भी सिर्फ मध्यप्रदेश में ही हैं। सरकार वन्य जीव पर्यटन को बढ़ावा देकर युवाओं को गाइड के रूप में प्रशिक्षित कर पर्यटन रोजगार से जोड़ने का कार्य कर रही है।

बस पलटी, गर्भवती महिला समेत 9 घायल

जागरण, उज्जैन। चिमनगंज मंडी थाना क्षेत्र के नागदा-उन्हेल मार्ग पर गुरुवार को एक स्लीपर बस पलट गई। बस पलटते ही घटनास्थल पर यात्रियों की चीख-पुकार मच गई। हादसे में 9 यात्री घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। यात्री करतार सिंह गुर्जर ने बताया कि अशोक ट्रेवल्स की ये बस जोधपुर से इंदौर जा रही थी। भैरवगढ़ क्षेत्र में बंसल स्कूल के पास एक बाइक सवार को बचाने की कोशिश में ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया, जिससे बस पलट गई। सूचना मिलते ही सीएसपी सुमित अग्रवाल मौके पर पहुंचे और तुरंत घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

सुविधाएं बढ़ाने के बाद भी यात्रियों की संख्या में अपेक्षित वृद्धि नहीं

अप्रैल ने किया निराश, राजाभोज एयरपोर्ट डेढ़ लाख सदस्यता क्लब से फिर बाहर

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। यात्री सुविधाओं के नए आयाम स्थापित करने वाले राजा भोज विमान तल पर यात्रियों की संख्या में अपेक्षित वृद्धि नहीं हो रही है। अप्रैल में डेढ़ लाख सदस्यता वाले क्लब से फिर वह बाहर हो गया है। अप्रैल में 130024 यात्रियों का ही आवागमन हुआ। इधर 19 सीटर फ्लाय बिग का विमान यात्रियों की कमी से जूझ रहा है, वहीं भोपाल से जबलपुर के लिए प्रारंभ की गई नई उड़ान भी हिचकोले खा रही है। उसे अपेक्षित यात्री नहीं मिल रहे हैं। ऐसे में यह उड़ान के किसी भी समय बंद हो सकती है। अप्रैल माह में स्कूल कालेज खुले थे, इस कारण भोपाल से बाहर जाने वाले यात्रियों की इस माह में हर साल संख्या कम ही रहती है।

अगर अप्रैल माह पर एक नजर डाली जाए तो पता चलता है कि पूरे महीने जहां 66362 यात्रियों का आगमन हुआ, वहीं भोपाल से जाने वाले यात्रियों की संख्या 63662 रिकार्ड की गई। इस माह 16 अप्रैल एक ऐसा दिन रहा जिस दिन महीने में सर्वाधिक 4661 यात्रियों का आवागमन हुआ। हालांकि एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार अगर पिछले चार साल के अप्रैल के आंकड़ों पर नजर डाली जाए तो वर्ष 2020-21 में 7.33 लाख,

2022-23 में 11.35 लाख, 2023-24 में 13.80 लाख एवं वित्तीय वर्ष 2024-25 में 16.05 लाख यात्रियों का आवागमन राजा भोज विमान तल पर हुआ।

जयपुर गोवा उड़ान बंद

बता दें कि समर सीजन में जहां नई उड़ानों की उम्मीद रहती है, वहीं इस बार ऐसा कुछ भी नहीं हुआ। उल्टे दिसम्बर माह से चल रही गोवा फ्लाइट को बंद कर दिया गया। इसी तरह जयपुर एयरपोर्ट पर रनवे का काम प्रारंभ होने के बाद जयपुर उड़ान को आगामी तीन माह के लिए बंद कर दिया गया है।

गैरिसन इंजीनियर पर सीबीआई का छापा, मिलिट्री एरिया में है दफ्तर

निर्माण कार्यों को लेकर छानबीन, कई अहम दस्तावेज जब्त

मुख्य संवाददाता, भोपाल। इंदौर से लगभग 30 किलोमीटर दूर स्थित महू सैन्य छावनी के इन्फेंट्री स्कूल में स्थित सेना की निर्माण इकाई गैरिसन इंजीनियर (दुर्ग अभियंता) के दफ्तर पर गुरुवार सुबह सीबीआई ने छापा मारा। जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह सीबीआई के अधिकारी तीन वाहनों में सवार होकर यहां पहुंचे और दस्तावेजों की छानबीन की।

फिलहाल सीबीआई या सेना की तरफ से इस छापे को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन सीबीआई से जुड़े सूत्रों के अनुसार यह छापे सैन्य क्षेत्रों में कराए गए निर्माण कार्यों और उनकी गुणवत्ता की शिकायतों के बाद मारे गए हैं। जानकारी के अनुसार सीबीआई की टीम ने यहां तकरीबन छह घंटों तक कागजों की पड़ताल की और अपने साथ कुछ दस्तावेज लेकर रवाना हो गई।

शिकायतों के बाद छापेमारी इंजीनियरों की भूमिका की जांच

सीबीआई को इस तरह की शिकायतें मिली थीं कि गैरिसन इंजीनियर ने सैन्य क्षेत्रों में विगत दो वर्षों के दौरान जो निर्माण कराए हैं, उनकी गुणवत्ता काफी घटिया है। महू के सैन्य इलाकों में बनी सड़कों और भवनों की क्वालिटी बेहद खराब है और ये निर्माण के बाद से ही क्षतिग्रस्त होने लगी हैं। शिकायतों में यह आरोप लगाया गया है कि सेना की सिविल इंजीनियरिंग विंग गैरिसन इंजीनियर में पदस्थ कुछ इंजीनियरों और ठेकेदारों के गठजोड़ की मदद से इन निर्माण कार्यों में भारी भ्रष्टाचार किया गया है। इसके बाद सीबीआई की टीम को यहां जांच के लिए भेजा गया था। सीबीआई की सात सदस्यीय टीम गुरुवार को निर्माण कार्यों और टेंडर से जुड़े कुछ अहम दस्तावेज जब्त कर अपने साथ ले गई है।

नेशनल फोरेंसिक यूनिवर्सिटी के सॉफ्टवेयर से साइबर अपराधों की गुत्थी सुलझाने में मिलेगी मदद

फर्जी मेल भेजने वाले की पहचान करेगा एआई साफ्टवेयर

एजुकेन रिपोर्टर, भोपाल। फर्जी ई-मेल का सहारा लेकर लोग कई अपराध करते हैं। पुलिस प्रशासन के लिए चुनौती बने फर्जी मेल आईडी का पता लगाना और यह जानना कि मेल भेजने वाला व्यक्ति किस मानसिक स्थिति में है। नेशनल फोरेंसिक यूनिवर्सिटी (एनएएफएसयू) ने एक अत्याधुनिक एआई सॉफ्टवेयर तैयार किया है, जो न सिर्फ मेल आईडी की असलियत का पता लगा लेगा, बल्कि भेजने वाले की मानसिक स्थिति का विश्लेषण कर सकेगा। सॉफ्टवेयर की मदद से साइबर अपराधों की जांच में नए आयाम जुड़ेंगे और अपराधियों की पहचान करना पहले से कहीं अधिक आसान हो जाएगा।

ऐसे कार्य करेगा सॉफ्टवेयर

एनएएफएसयू के निदेशक सतीश कुमार का कहना है कि उक्त सॉफ्टवेयर में शक्तिशाली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। ये एआई सॉफ्टवेयर ईमेल के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण करता है। ईमेल के स्रोत, भाषा शैली, शब्दों के चुनाव, टाइपिंग पैटर्न और आईपी एड्रेस का गहन अध्ययन करके यह पता लगाता है कि मेल फर्जी है या असली। इसके अलावा ये सॉफ्टवेयर मेल लिखते समय व्यक्ति की भावनात्मक स्थिति (जैसे गुस्सा, डर, चिंता या धोखाधड़ी की मंशा) को भी पकड़ सकता है।

एआई साफ्टवेयर का कमाल

▸▸ फर्जी मेल की तत्काल पहचान: यह सॉफ्टवेयर कुछ सेकंड में यह पता लगा सकता है कि मेल फर्जी है या नहीं।

▸▸ साइबर अपराधों पर शिकंजा: इससे ऑनलाइन धोखाधड़ी, ब्लैकमेलिंग और साइबर ठगी जैसे अपराधों को रोकने में मदद मिलेगी।

▸▸ जांच एजेंसी की मदद: पुलिस और साइबर सेल के लिए फर्जी ईमेल की तह तक पहुंचना अब आसान हो जाएगा।

▸▸ मानसिक स्थिति का विश्लेषण: यह सॉफ्टवेयर मेल भेजने वाले के इरादों को समझने में मदद करेगा, जिससे अपराधियों तक पहुंचना आसान होगा।

इन मामलों में साबित होगा मददगार

ऑनलाइन ठगी: कई लोग फर्जी बैंक ईमेल भेजकर लोगों के बैंक खाते से पैसे निकाल लेते हैं।

फर्जी जॉब ऑफर: ठग फर्जी मेल के जरिए लोगों को नौकरी का लालच देकर उनसे पैसे ऐंठते हैं।

ब्लैकमेलिंग: धमकी भरे और ब्लैकमेलिंग ईमेल भेजने वालों की पहचान अब आसान हो जाएगी।

CORPORATE
COLLEGE OF AYURVEDIC SCIENCES
College Code : AYU0773
Under The Aegis Of Essarjee Education Society
RECRUITMENT
Application invited for the following position
In the leading Ayurved Medical College of Bhopal

S.No	Department	Position
1.	KAYACHIKITSA	• PROFESSOR
2.	PANCHAKARMA	
3.	SHALYA TANTRA	• ASSOCIATE PROFESSOR
4.	SHALAKYA TANTRA	
5.	PRASUTI-STREE ROG	• ASSISTANT PROFESSOR
6.	KAUMARABHRITYA	

Qualification And Salary As Per NCISM Norms
Interested candidate may apply on corporate@corporatebpl.com
CONTACT:
7771009741, 7771009744, 0755-2998188, 0755-2994880
Add:- 153, Hataikheda, Near Patel Nagar, Raisen Road, Bhopal - 462022 (M.P.)

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या.** : 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।